मुंबई में जेन जी और जेनरेशन.. 02


# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हार्डी संधू ने इंडस्ट्री में टिके.. 11


वर्ष - 02, अंक - 123 | गाजियाबाद / बुधवार 05 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए


## 'चढ़ावा चोरी' को लेकर संसद में संग्राम

### विपक्ष का भारी हंगामा, खड़गे बोले-ईडी कहां है

### रिजिजू ने कहा-विपक्ष घड़ियाली आंसू बहा रहा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** संसद के मानसून सत्र के 12वें दिन राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 19 मिनट चल पाई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने इस दौरान टैक्स संशोधन से जुड़े बिल पेश किए। इसके बाद सदन बुधवार तक के लिए स्थगित हो गई। राज्यसभा की कार्यवाही दिन में दो बार स्थगित हुई। 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के आधे घंटे के भीतर स्थगित भी हो गई। दोपहर 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन 20 मिनट ही चल पाई। दोपहर 2 बजे कार्यवाही फिर शुरू हुई। इससे पहले राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था।

### वित्त मंत्री सीतारमन ने शोर-शराबे के बीच बिल पेश किया

दोपहर 2 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद खड़े होकर नारे लगाने शुरू कर दिए। पीठासीन दिलीप सैकिया ने इन सांसदों को नारे न लगाने और बैठ जाने के लिए कहा लेकिन वे नहीं माने। शोर शराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने टैक्सेशन एंड अदर्स लॉ (संशोधन) बिल पेश किया। बिहार और मध्य प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अब साफ है कि जनता भाजपा से ऊब चुकी है।

## यूपी विधानसभा में पोस्टर दिखाने पर जमकर बवाल

### ● सपा विधायक बाहर निकाले गए, सीएम का हमला

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी विधानमंडल में मॉनसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मुद्दे पर जमकर हंगामा हुआ। सपा और कांग्रेस ने इसको लेकर सदन में नारेबाजी की। इस दौरान जैसे ही सीएम योगी बोलने के लिए खड़े हुए, सपा विधायक सचिन यादव ने हाथ में एक पोस्टर लहराया जिसमें सीएम की फोटो के साथ चढ़ावा चोरी को लेकर कई सवाल पूछे गए थे। इस वजह से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सचिन यादव को पूरे सत्र के लिए बाहर कर दिया। इस दौरान सपा की महिला विधायकों ने हंगामा किया।

### चढ़ावा चोरी का साधु-संतों से कोई मतलब नहीं

सीएम योगी ने कहा कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जो भी लोग पकड़े गए हैं, उनका भाजपा और साधु-संतों से कोई लेना देना नहीं। इसके बावजूद विपक्ष के नेता सनातन धर्म पर अनावश्यक लांछन लगा रहे हैं। ये लोग सत्य को दबाने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इसीलिए ये लोग सदन में चर्चा से भागना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले से जो एजेंडा हाउस द्वारा तय किया गया था, उस एजेंडे के तहत जब सदन में विधायी कार्य हों, उन सभी पर विरोधी दल के लोगो ने कोई रुचि नही ली।

## बांकीपुर में भाजपा की हार के बाद हलचल तेज

### ● पीएम मोदी से मिले नीतिश और ललन सिंह, संजय झा भी थे साथ

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी की करारी हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूर्व मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की मुलाकात हुई है। भाजपा की सहयोगी पार्टी जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में पीएम से उनके चैंबर में मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी मौजूद रहे। नीतिश ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। हालांकि, बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा की हार के बाद यह मुलाकात सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि पीएम मोदी और नीतिश कुमार ने एक दिन पहले जारी हुए

पटना शहर की बांकीपुर सीट पर उपचुनाव के नतीजों पर भी चर्चा की। हालांकि, भाजपा या जदयू में किसी भी दल की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

### पीके ने भाजपा को बड़े अंतर से हराया

भाजपा का गढ़ मानी जाने वाली बांकीपुर सीट पर उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर ने 19 हजार से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। वहीं, भाजपा के कैंडीडेट नीरज कुमार सिन्हा को हार का सामना करना पड़ा। यह सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के इस्तीफे से खाली हुई थी, जो लगातार पांच बार यहां से विधायक रहे। नितिन के भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें पार्टी ने राज्यसभा भेज दिया था, जिसके बाद मार्च 2026 में उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था।

## एअर इंडिया की फुकेट-दिल्ली फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी

### ● किसी के कान का पर्दा फटा, किसी का कंधा हुआ चोटिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एअर इंडिया की फुकेट से दिल्ली आने वाली फ्लाइट एआई 2379 मंगलवार को टर्बुलेंस (तेज हवा के झटकों) में फंस गई। तेज झटकों के कारण फ्लाइट हिलने लगी और अचानक नीचे आने लगी। हालांकि, पायलट ने स्थिति संभाली और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार दिया। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हादसे में विमान में सवार 12 लोग घायल हुए हैं। इनमें यात्री और क्रू मेंबर्स शामिल हैं। घायलों को दिल्ली एयरपोर्ट के

मेडिकल सेंटर में जांच और इलाज के लिए भेजा गया है। एअर इंडिया ने पहले बताया था कि सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की खबर नहीं है। घटना की जांच की जा रही है। टर्बुलेंस के बाद फ्लाइट की तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें प्लेन की सीलिंग के पैनल में दरारें दिखीं। टर्बुलेंस का मतलब है हवा का बहाव अचानक बदल जाना, जिससे विमान को झटके लगने लगते हैं।

इस दौरान विमान कुछ समय के लिए ऊपर-नीचे या दाएं-बाएं हिल सकता है और कभी-कभी कुछ फीट नीचे भी आ जाता है। इसी वजह से यात्रियों को लगता है कि विमान गिर रहा है। हालांकि, ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता। टर्बुलेंस को ऐसे समझ सकते हैं, जैसे ऊबड़-खाबड़ सड़क पर चलती कार अचानक हिलने लगती है। कुछ टर्बुलेंस हल्के होते हैं, जबकि कुछ ज्यादा तेज हो सकते हैं।

## भारतीय एजेंट्स ने हमारे 30 लोगों को मारा

### ● आतंकी बोला-पेशावर से रावलपिंडी तक हमले किए ● लश्कर ने कहा-पीओके में भी चैन से नहीं रहने दिया

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** इस्लामाबाद में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी रिजवान हनीफ ने दावा किया है कि पिछले तीन-चार साल में उनके संगठन के 30 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। उसके मुताबिक ये हमले पेशावर, कराची, रावलपिंडी, रावलकोट और मुजफ्फराबाद में अज्ञात हमलावरों ने किए। उसने आरोप लगाया कि ये हमलावर भारतीय एजेंट्स थे। इससे जुड़ा एक वीडियो सामने आया है। इसमें हनीफ कहता है, हमारे लोगों को भारतीय खुफिया एजेंसियों ने आजाद कश्मीर में अमन और चैन से नहीं रहने दिया। अपने एजेंट्स के जरिए उन्होंने हमारे लोगों को शहीद किया।

**40 साल पहले लश्कर-ए-तैयबा का गठन-** लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना 1987 में पाकिस्तान में हुई थी। यह संगठन सोवियत-अफगान युद्ध के दौरान बने जिहादी नेटवर्क से निकला था। ओसामा बिन लादेन के मेंटर माने जाने वाले अब्दुल्ला अज्जाम और उसके दो

साथियों ने मिलकर मरकज-अद-दावा-वल-इरशाद नाम के धार्मिक संगठन की स्थापना की। मिलिटेंट विंग बाद में लश्कर-ए-तैयबा कहलाया।

### पाकिस्तान पहले भी भारत पर ऐसे आरोप लगा चुका

पाकिस्तान पहले भी देश में आतंकियों की हत्याओं के लिए भारत पर आरोप लगाता रहा है। जनवरी 2024 में तत्कालीन विदेश सचिव मुहम्मद साइरस सज्जाद काजी ने दावा किया था कि भारतीय एजेंसियां पाकिस्तान में सीमा पार टारगेट किलिंग में शामिल हैं। भारत ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। इसके बाद अप्रैल 2024 में ब्रिटिश अखबार द गार्डियन की रिपोर्ट में दावा किया गया कि 2020 के बाद पाकिस्तान में करीब 20 आतंकियों और उग्रवादियों की अज्ञात हमलावरों ने हत्या की। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े लोग भी शामिल बताए गए। रिपोर्ट में पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

## तमिलनाडु के नेता विपक्ष उदयनिधि गिरफ्तार, फिर रिहा

### ● एक्ट्रेस तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन को अभिनेत्री तृषा पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके खिलाफ 6 धाराओं में केस दर्ज किया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए उदयनिधि ने मद्रास हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। हालांकि, उस पर सुनवाई होने से पहले ही पुलिस ने उन्हें अरेस्ट कर लिया। बाद में हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें रिहा कर दिया गया। सोमवार को तंजावुर में कावेरी जल विवाद पर आयोजित रैली में उदयनिधि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साध रहे थे। इसी दौरान भीड़ से तृषा, तृषा के नारे लगे। आरोप है कि इस पर उन्होंने कहा, पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, वहां जरूर पहुंचना चाहिए। बाद में उन्होंने सफाई दी कि उनका इशारा कावेरी के पानी की ओर था। हालांकि, विपक्षी दलों ने इस टिप्पणी को डबल मीनिंग और महिलाओं का अपमान करने वाली बताया। इसी आरोप के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

**डीएमके नेता बोले-उदयनिधि ने किसी का अपमान नहीं किया-** डीएमके नेता टीकेएस इलांगोवन ने कहा कि मैंने पूरी स्पीच सुनी। जैसा कहा जा रहा है, भाषण में वैसा कुछ नहीं है। उन्होंने (उदयनिधि) केवल सीएम की नाकामियां गिनाईं।

## पटना की सड़कों पर एक बार फिर उतरा वाटर कैनन

### एनएसयूआई का जोरदार प्रदर्शन हिरासत में बिहार कांग्रेस अध्यक्ष

**पटना (एजेंसी)।** छात्रों पर हुई फायरिंग और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पर दिल्ली में हुए हमले के विरोध में पटना की सड़कों पर भारी हंगामा देखने को मिला। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन और बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने आयकर चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। स्थिति उस समय बेकाबू हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा लगाई गई बैरिकेडिंग को तोड़कर मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ने का प्रयास किया। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। छात्र आंदोलन के दौरान हुई फायरिंग की घटना और दिल्ली में पूर्णिया सांसद पप्पू यादव पर हुए हमले के विरोध में यह मार्च निकाला गया था।

## मदरसे में पढ़ने वालों की सोच आतंकवादियों जैसी है:केशव

### मौर्य बोले-ये नहीं बोलते भारत माता की जय

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने मदरसा और यहां पढ़ने वालों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मदरसे में पढ़ने वालों की मानसिकता एक आतंकवादी जैसी होती है। वह पहले भी यह बात बोल चुके हैं। मौर्य ने यह भी दावा किया कि यूपी में बीजेपी 2027 में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मदरसे को लेकर दिए गए बयान के सपा समेत अन्य विपक्षी दलों ने मौर्य पर निशाना साधा है। विधानमंडल के मॉनसून सत्र में जाने से पहले पत्रकारों से बातचीत में केशव मौर्य ने कहा-मदरसी शिक्षा जो भी प्राप्त करता है वो भारत माता की जय नहीं बोलता।

**मदरसे आतंकवादियों को पैदा करने की फैक्ट्री-** केशव प्रसाद मौर्य इससे पहले बोले थे कि मदरसा चाहे भारत का हो या पाकिस्तान का, देखा जाए तो वे अघोषित तौर पर आतंकवादियों को पैदा करने की फैक्ट्री हैं। मदरसों का मुख्य चरित्र और उनका मकसद आतंकवाद को बढ़ावा देना ही है। गौरतलब है कि योगी सरकार मदरसों में दी जाने वाली उच्च शिक्षा कामिल (स्नातक) और फाजिल (परास्नातक) की डिग्रियों पर पूरी तरह रोक लगाने जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मदरसों में अब केवल 12वीं कक्षा तक ही पढ़ाई हो पाएगी। दरअसल, 5 नवंबर 2024 को अंजुम कादरी बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बिना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की गाइडलाइंस का पालन किए चलाए जा रहे उच्च शिक्षा के कोर्स बंद किए जाएं। इसी आधार पर राज्य सरकार यह कदम उठाने जा रही है।

## पंजाब में आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

### ● रेलवे ट्रैक पर सीसीटीवी कैमरा लगाकर रेकी कर रहे थे आरोपी ● 9 लोग हुए गिरफ्तार, पेट्रोल बम बरामद; विदेशी हैंडलरों से संपर्क

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन से संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 4 नाबालिगों समेत कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 3 अवैध पिस्तौल, 9 जिंदा कारतूस और पेट्रोल से भरी 4 बोतलें, जिन्हें बम के रूप में इस्तेमाल किया जाना था बरामद की गई हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे आईएसआई हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके निर्देश पर काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार इन युवकों को आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा था। उन्हें सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रेकी करने,

अवैध हथियार जुटाने और पंजाब में शांति एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने जैसे कार्य सौंपे गए थे। जांच के दौरान एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस को पता चला कि आरोपियों ने रेलवे ट्रैक के पास निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। इन कैमरों से रिकॉर्ड की गई फुटेज कथित तौर पर विदेशी आईएसआई हैंडलरों को भेजी जा रही थी, ताकि नजर रखी जा सके।

### अन्य सदस्यों की पहचान

अमृतसर के मोहकमपुरा, एयरपोर्ट और सी-डिवीजन थाना में अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है। साथ ही इसके आगे और पीछे जुड़े संपर्कों, फंडिंग के स्रोत व विदेश से मिलने वाली आर्थिक मदद की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि क्या गिरफ्तार आरोपी किसी अन्य आतंकी साजिश या घटना में भी शामिल रहे हैं। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस का कहना है कि राज्य की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। उल्लेखनीय है कि करीब एक महीने पहले अमृतसर-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर एक ओएचई (ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन) पोल पर सीसीटीवी कैमरा मिला था। कैमरे को बिजली आपूर्ति देने के लिए वहां सोलर पैनल भी लगाया गया था। जांच के दौरान पुलिस को एक सिम कार्ड मिला है।

## केजरीवाल ने पीएम आवास तक निकाला मार्च, दिया धरना

### ● पुलिस ने रोका, फिरोजशाह रोड पर धरने पर बैठे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ई 20 फ्यूल के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, जैस्मिन शाह समेत पार्टी के अन्य नेताओं को फिरोजशाह रोड पर ही रोक दिया। इसके बाद केजरीवाल सहित अन्य एएपी नेता फिरोजशाह रोड पर ही बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। एएपी ने करीब 100 नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ यह मार्च निकाला था। पार्टी का दावा है कि उसने देशभर से 2.30 लाख से ज्यादा लोगों की याचिकाएं जुटाई हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को

सौंपना था। मार्च के दौरान केजरीवाल ने कहा कि ई 20 के खिलाफ 2 लाख से ज्यादा लोगों ने प्रधानमंत्री को चिट्ठियां लिखी हैं, जिन्हें वे खुद प्रधानमंत्री को सौंपना चाहते हैं। लेकिन हमें पुलिस ने रोक दिया। हमने सभी चिट्ठियां मोदी जी को भेज दी हैं। केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को मैसेज भेजा है। उन्होंने कहा- हमें उम्मीद है कि पीएम हमसे मिलेंगे।

## लाइसेंसी हथियार का इस्तेमाल हर्ष फायरिंग के लिए नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

प्रयागराज(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि लाइसेंसी हथियार का इस्तेमाल विवाह समारोहों या धार्मिक आयोजनों में हर्ष फायरिंग के लिए नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रत्येक लाइसेंसधारक का दायित्व है कि वह खरीदे और इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद का रिकॉर्ड भी रखे। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने अखिलेश कुमार की याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता ने 767 कारतूसों का हिसाब नहीं दे पाने के बाद रद्द किए गए शस्त्र लाइसेंस के आदेश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने 29 जुलाई को दिए फैसले में कहा कि शस्त्र लाइसेंस एक विशेषाधिकार है, जो कानून और लाइसेंस की शर्तों के कड़ाई से पालन पर निर्भर करता है। कोर्ट ने लाइसेंस जारी करने वाले प्राधिकारी और अपीलीय प्राधिकारी के आदेशों को सही ठहराया। कोर्ट ने कहा कि शस्त्र लाइसेंस एक विशेषाधिकार है और इसे इस विश्वास के साथ जारी किया जाता है कि लाइसेंसधारक इसकी सभी शर्तों का पालन करेगा। मामले के मुताबिक याचिकाकर्ता को 2000 में शस्त्र लाइसेंस जारी किया गया था। 2019 में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उससे खरीदे और इस्तेमाल किए गए कारतूसों का विवरण मांगा। याचिकाकर्ता ने बताया कि उसने सालों में 857 कारतूस खरीदे थे लेकिन वह केवल 57 कारतूस और 33 खोखे ही प्रस्तुत कर सका।

## मेरठ में कांवड़ियों के दो गुट आपस में भिड़े, चले लात-घूसे और डंडे, क्षेत्र में फैला तनाव

मेरठ। मेरठ में राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर सोमवार को दो बाइक सवारों के बीच हुई टक्कर के बाद विवाद बढ़ गया। देखते ही देखते कांवड़ियों के दो गुट आपस में भिड़ गए और जमकर लात-घूंसे और लाठियां एक-दूसरे पर बरसाईं। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया। वीडियो फुटेज में थप्पड़ मारते, लातों-घूंसे बरसाते और डंडे से पीटते नजर आ रहे हैं। इस बीच मेरठ पुलिस ने कांवड़ियों द्वारा पुलिसकर्मियों पर हमले के वायरल दावों का खंडन किया। मेरठ पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पुलिसकर्मियों की पिटाई या उनके कपड़े फाड़ने जैसी बातें सच नहीं हैं। वीडियो में दिख रहा सोनू नाम का युवक बाइक से जा रहा था और उसकी बाइक हरिद्वार से जल लेकर आ रहे एक कांवड़िये की बाइक से टकरा गई, जिससे विवाद हो गया। पुलिस ने संबंधित व्यक्ति की मेडिकल जांच कराई है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मेरठ के एसपी सिटी के मुताबिक कांवड़ियों की दो बाइकों के आपस में टकराने के कारण विवाद हुआ था। झड़प की सूचना मिलने पर सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। किसी भी पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। बता दें सालाना कांवड़ यात्रा के कारण गाजियाबाद में स्कूल और कॉलेज 12 अगस्त तक बंद रहेंगे। ऑर्डर में कहा गया कि इसी तरह जिले में चलने वाले सभी कॉलेज, यूनिवर्सिटी और टेक्निकल इंस्टिट्यूट भी 4 से 12 अगस्त तक बंद रहेंगे। हालांकि, किसी भी कोर्स या सब्जेक्ट के लिए पहले से तय एग्जाम तय समय के अनुसार होते रहेंगे। इस ऑर्डर का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

## मणिपुर में एक उग्रवादी गिरफ्तार, अभियान में भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

इंफाल(एजेंसी)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के काकचिंग शहर में एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े 42 साल के उग्रवादी को गिरफ्तार किया जबकि कांगपोकपी जिले में एक अलग अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। मंगलवार को पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि प्रतिबंधित संगठन कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (अपुनबा) के स्वयंभू 'मेजर' को सोमवार को वांगू मामेइचिंग इलाके में उसके घर से पकड़ा। बयान में कहा गया है कि उसी दिन एक अलग अभियान में, सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी के सैकुल पुलिस थाना क्षेत्र में मकोकचिंग जंगल की पहाड़ी श्रृंखला में हथियार और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया। पुलिस ने बताया कि बरामद हथियारों में एक एम16 राइफल, सात पिस्तौल, एक मार्क-3 राइफल, एक स्नाइपर राइफल, एक .22 बोल्ट-एक्शन गन, 25 सिंगल-बैरल बंदूकें, अलग-अलग कैलिबर के 76 कारतूस, चार पंपी, तीन हथगोले और बीस डेटोनेटर शामिल हैं। अभियान के दौरान चार रेडियो सेट भी बरामद किए गए हैं। पुलिस अब इस मामले में जांच कर रही है।

## महाराष्ट्र सरकार ने समुद्र में मछली पकड़ने पर लगी पाबंदी 15 तक बढ़ाई

### -गोवा सरकार से अनुरोध कर मांगा सहयोग, सीएम सांवत ने दिया आश्वासन

मुंबई(एजेंसी)। समुद्री मछलियों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने तटीय इलाकों में मछली पकड़ने पर लगी पाबंदी को 15 अगस्त तक बढ़ा दिया है। इसकी जानकारी महाराष्ट्र के मत्स्य मंत्री नितेश राणे ने गोवा के सीएम डॉ. प्रमोद सावंत से फोन पर बात कर साझा की। राणे ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने गोवा के सीएम सावंत से टेलीफोन पर बात की। उन्होंने उन्हें महाराष्ट्र के मत्स्य विभाग द्वारा 15 अगस्त तक मछली पकड़ने पर लगाए गए प्रतिबंध के बारे में बताया।

इस दौरान उन्होंने गोवा सरकार से अनुरोध किया कि इस अवधि में महाराष्ट्र का सहयोग करे और यह तय करे कि गोवा के मछुआरे महाराष्ट्र के समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ने के लिए ना आएं। मंत्री राणे ने कहा कि सीएम सावंत ने इस मामले पर सकारात्मक जवाब दिया और पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। राणे ने सहयोग के लिए सीएम सावंत का धन्यवाद भी किया। बता दें महाराष्ट्र सरकार ने तटीय इलाकों में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध 15 अगस्त तक बढ़ा दिया है। इसके तहत राज्य की तटरेखा से 12 समुद्री मील यानी करीब 24 किलोमीटर के भीतर व्यावसायिक और यंत्रीकृत मछली पकड़ने पर रोक रहेगी। यह पाबंदी केंद्र सरकार के 31 जुलाई को खत्म हुए मानक प्रतिबंध से भी आगे तक बढ़ाई गई है। हालांकि इस प्रतिबंध से पारंपरिक मछुआरों को छूट दी गई है। अधिकृत छोटे और बिना मोटर वाले नावों का इस्तेमाल करने वाले पारंपरिक मछुआरे तट के पास स्थानीय पानी में मछली पकड़ सकते हैं।

वहीं गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए यंत्रीकृत नावों को 1 अगस्त से 12 समुद्री मील से आगे खुले समुद्र में मछली पकड़ने की इजाजत है। महाराष्ट्र सरकार का कहना है कि इस पाबंदी का मकसद समुद्री जीवों को प्रजनन का समय देना और मछली भंडार को बढ़ाना है ताकि मछुआरों को आगे चलकर बेहतर मुनाफा मिल सके।

# मुंबई में जेन जी और जेनरेशन अल्फा से संवाद करेंगे मोहन भागवत

**मुंबई (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत 6 अगस्त को मुंबई में जेन जी और जेनरेशन अल्फा के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम 'इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस'(आईआईएमयूएन) के 15वें सालाना चैंपियनशिप सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के रूप में आयोजित किया जाएगा। इसमें देश के 100 से ज्यादा शहरों से 15 से 19 वर्ष की आयु के 2,000 से अधिक हाईस्कूल छात्र हिस्सा लेंगे।

इस सम्मेलन की थीम 'दुनिया को एकजुट करने में युवाओं की भूमिका- भारतीय तरीका रखी गई है। कार्यक्रम में युवा नेता स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। भागवत का संबोधन सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत करेगा, जिसके बाद छात्रों के नेतृत्व में कई दिनों तक बहस और नीतिगत चर्चाओं का आयोजन होगा। आईआईएमयूएन के संस्थापक ऋषभ शाह ने कहा कि नेतृत्व का अर्थ केवल अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन करना नहीं, बल्कि उनकी बातों को सुनना भी है। उन्होंने कहा कि देश की बदलती परिस्थितियों में युवाओं के साथ संवाद की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

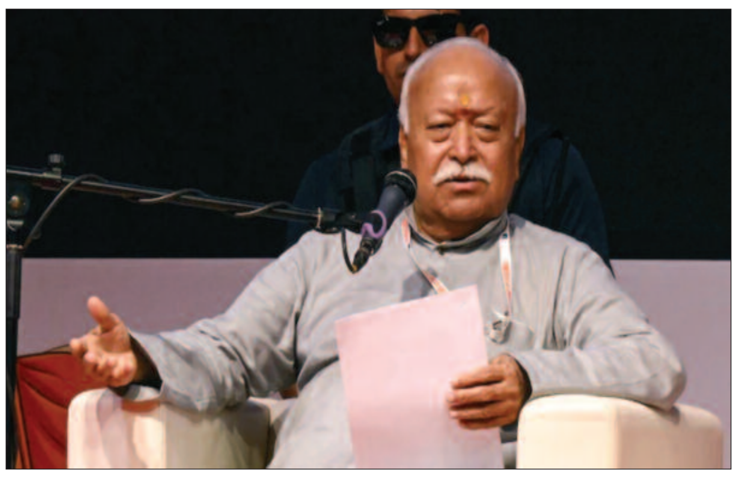

भागवत इससे पहले भी जेनरेशन जी के व्यवहार, सोच और चुनौतियों पर अपने विचार रख चुके हैं। उन्होंने युवाओं को स्वाभाविक रूप से अच्छा, बदलाव के लिए तैयार और संवेदनशील बताया, लेकिन यह भी कहा कि कई बार वे बिना पर्याप्त विचार के भावनाओं के आधार पर प्रतिक्रिया देते हैं। उन्होंने युवाओं के साथ परिवारों में संवाद बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि केवल आदेश देने की व्यवस्था अब प्रभावी नहीं रह गई है। परिवारों को सलाह दी गई है कि वे बच्चों के साथ बातचीत के जरिए सहमति बनाने का प्रयास करें। उन्होंने डिजिटल जीवनशैली और मोबाइल की बढ़ती निर्भरता पर भी चिंता जताई। भागवत ने कहा कि अभिभावकों को बच्चों को सलाह देने से पहले खुद सोशल मीडिया और स्क्रीन टाइम के इस्तेमाल में अनुशासन अपनाना चाहिए। भागवत का यह संवाद ऐसे समय में हो रहा है जब शिक्षा व्यवस्था, परीक्षाओं की पारदर्शिता और युवाओं की भागीदारी जैसे मुद्दे चर्चा में हैं। हाल में नीट परीक्षा से जुड़े विवादों को लेकर छात्रों और युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किए थे। इसके बाद परीक्षा व्यवस्था में सुधार और भरोसा बहाल करने की मांग तेज हुई थी। युवाओं से जुड़े मुद्दों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाल में अपील की थी कि गुस्से के बजाय संवाद और मार्गदर्शन का रास्ता अपनाया जाए। उन्होंने कहा था कि भटके हुए युवाओं को समझाने और सही दिशा देने की जरूरत है। मुंबई में होने वाली भागवत की बातचीत को भी युवाओं की सोच, आकांक्षाओं और चुनौतियों को समझने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

## चुनाव नतीजों पर बोले नितिन नवीन- हार से सीखेंगे, जनता के बीच जाएंगे

नई दिल्ली(एजेंसी)। गुजरात, बिहार और मध्य प्रदेश की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजों पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा, कि हमारी पार्टी जनादेश का सम्मान करती है। उन्होंने गुजरात की मांजलपुर सीट पर जीत के लिए मतदाताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया, जबकि बांकीपुर और दतिया में मिली हार पर गंभीर आत्ममंथन का भरोसा दिलाया। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि मांजलपुर की जनता ने भाजपा पर विश्वास जताया है, जिसके लिए पार्टी उनके प्रति आभारी है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर और दतिया में अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, इसलिए पार्टी इन दोनों सीटों पर हार के कारणों की समीक्षा करेगी और नई ऊर्जा के साथ जनता के बीच जाकर विश्वास मजबूत करेगी। गुजरात की मांजलपुर सीट पर भाजपा के सतेन्द्रभाई पटेल ने कांग्रेस के भीखाभाई रबारी को 30,630 मतों से हराया। इससे हटकर बिहार की बांकीपुर सीट उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार को 19,324 मतों से पराजित किया है। वहीं मध्य प्रदेश की दतिया सीट पर कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से पराजित कर इतिहास रचने जैसा कार्य कर दिखाया है। भाजपा नेतृत्व ने कहा कि चुनाव परिणाम लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं और पार्टी जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए लगातार कार्य करती रहेगी।

## मोदी सरकार की आर्थिक और रोजगार नीतियों ने जॉब मार्केट को गहरे संकट में धकेला

### -कांग्रेस नेता जयराम ने भर्तियों में आई कमी को लेकर सरकार को घेरा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस ने बड़ी निजी कंपनियों में नई भर्तियों में आई कमी के दावे वाली रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार की आर्थिक और रोजगार नीतियों ने देश के जॉब मार्केट को गहरे संकट में धकेल दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि देश का युवा अब केवल प्रचार या रील से संतुष्ट नहीं होगा, बल्कि उसे रोजगार चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार युवाओं के रोजगार संकट का समाधान खोजने के बजाय हेडलाइन मैनेजमेंट और ध्यान भटकाने की राजनीति में लगी हुई है।

एक अखबार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में देश की शीर्ष 11 कंपनियों में से नौ में नई नौकरियों में 27 फीसदी की गिरावट आई है। उनके मुताबिक यह स्थिति बताती है कि देश गंभीर रोजगार संकट से जूझ रहा है, लेकिन सरकार समाधान तलाशने के बजाय समस्या के अस्तित्व से ही इनकार कर रही है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट समस्या के सिर्फ ऊपरी हिस्से को दर्शा रही है।

जयराम रमेश ने दावा किया कि यदि बड़ी कंपनियों में यह स्थिति है तो मोदी सरकार की नीतियों से सबसे ज्यादा प्रभावित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की हालत का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की गलत आर्थिक और रोजगार नीतियों ने पूरे देश के 'जॉब मार्केट' को गहरे संकट में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार आज युवाओं के रोजगार संकट का समाधान खोजने के बजाय केवल हेडलाइन मैनेजमेंट और ध्यान भटकाने की राजनीति में लगी हुई है। रमेश ने कहा कि देश का युवा समझदार है और उसे खुश करने के लिए रील नहीं, बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे।

# पुरकुल में 17.80 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात, शहीद दीपक पुंडीर स्मृति सामुदायिक भवन का लोकार्पण

### मुख्यमंत्री धामी ने किया कई बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

**आरव शर्मा**
**देहरादून (शिखर समाचार)।**
मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) द्वारा मसूरी विधानसभा क्षेत्र में चलाए जा रहे विकास कार्यों को नई रफ्तार मिली है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरकुल में लगभग 17.80 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और एमडीडीए मिलकर स्थानीय आवश्यकताओं और जनभावनाओं के अनुरूप विकास का नया मॉडल तैयार कर रहे हैं।

**बिना रुके बिना थके विकास के संकल्प पर काम कर रही सरकार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी**

मुख्य अतिथि और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर कहा, "उत्तराखंड प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के स्वर्णिम युग में प्रवेश कर चुका है। हमारी सरकार जनता से किए गए हर वादे को बिना रुके और बिना थके पूरा कर रही है। एमडीडीए के साथ मिलकर हम न केवल बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि मसूरी जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को सुरक्षित, सुगम और आधुनिक बना रहे हैं। विकास के साथ सुशासन, पारदर्शिता और स्वरोजगार को बढ़ावा देना ही हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

**शहीद दीपक पुंडीर की स्मृति में बना सामुदायिक भवन राष्ट्र को समर्पित**

मुख्यमंत्री ने पुरकुल में शहीद दीपक पुंडीर की पावन स्मृति में 3.36 करोड़ रुपये की लागत से बने अत्याधुनिक सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने शहीद के परिजनों को नमन करते हुए कहा कि यह भवन क्षेत्र के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण नागरिक सुविधा साबित होगा और शहीद की स्मृति को हमेशा जीवंत रखेगा।

**चार प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास**

कार्यक्रम के दौरान एमडीडीए की चार प्रमुख परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इसमें सालावाला में 86 लाख रुपये की लागत से सड़क व पुस्ता निर्माण, डोभालवाला में 1.32 करोड़ रुपये तथा विजय कॉलोनी में 1.32 करोड़ रुपये की लागत से सड़क व नाली निर्माण शामिल है। इसके अलावा सालावाला में 2.50 करोड़ रुपये की लागत से एक और नए सामुदायिक भवन के निर्माण की नींव रखी गई।

**पर्यटन और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं पर तेज हुआ काम**

क्षेत्र में पर्यटन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई योजनाओं पर काम जारी है। पुरकुल में सैन्य धाम का निर्माण, मसूरी रोपवे के लोअर टर्मिनल तक 13 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण और मालदेवता लाल पुल से सुआखोली तक सड़क सुदृढ़ीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। इसके साथ ही सहस्त्रधारा में बाल्दी नदी किनारे बाढ़ सुरक्षा कार्य और रिखोली गांव में विद्युतीकरण का काम पूरा कर लिया गया है।

**एमडीडीए के प्रयासों से नागरिकों को मिलेगा सीधा फायदा**

कैबिनेट मंत्री और मसूरी विधायक गणेश जोशी ने कहा कि एमडीडीए के इन विकास कार्यों से मसूरी क्षेत्र की जनता को बेहतर नागरिक सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र का संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। वहीं एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने कहा कि प्राधिकरण का लक्ष्य सभी परियोजनाओं को तय समय सीमा के भीतर गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ पूरा करना है।

**लोकार्पण समारोह में कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग रहे मौजूद**

इस अवसर पर शहीद दीपक पुंडीर के परिजनों के साथ एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया, मसूरी एसडीएम राहुल आनंद, अधिशासी अभियंता सुनील कुमार, अवर अभियंता सचिन तोमर, दायित्वधारी ज्योति कोटिया, शमशेर सिंह बिष्ट, वीर सिंह चौहान, नेहा जोशी, सीमा पुंडीर और लक्ष्मण सिंह रावत समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुष्पवर्षा, चरण प्रक्षालन और भोजन परोसकर किया शिवभक्त कांवड़ियों का अभिनंदन

**हरिद्वार (शिखर समाचार)।** कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान मंगलवार को धर्मनगरी हरिद्वार में आस्था, सेवा और सनातन संस्कृति का भव्य स्वरूप देखने को मिला। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरकी पैड़ी से लेकर कांवड़ यात्रा मार्ग तक हेलीकॉप्टर से शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। इसके बाद अलकनंदा होटल परिसर में आयोजित समारोह में पांच शिवभक्त कांवड़ियों का चरण प्रक्षालन कर उनका सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने कांवड़ यात्रियों के लिए स्थापित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सेवा शिविर का शुभारंभ किया तथा वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर अपने हाथों से भोजन परोसा और उनकी कुशलक्षेम भी पूछी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड आने वाले प्रत्येक शिवभक्त को सुरक्षित, सुगम और सम्मानजनक यात्रा उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय सनातन संस्कृति, सेवा, अनुशासन और सामाजिक समरसता का महापर्व है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष अब तक एक करोड़ से अधिक शिवभक्त गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्गों पर सीसीटीवी निगरानी,

ड्रोन, एंबुलेंस, स्वास्थ्य शिविर और आपातकालीन सहायता जैसी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। कार्यक्रम में कांवड़ यात्रा को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच पुलिसकर्मियों और पांच पर्यावरण मित्रों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा, स्वच्छता और सेवा कार्यों में जुटे सभी कर्मयोगियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके समर्पण से ही यह विशाल धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। कार्यक्रम में संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ियों ने भाग लिया।

## तृषा पर अभद्र टिप्पणी मामले में पुलिस ने उदयनिधि स्टालिन को किया गिरफ्तार

### -डीएमके ने कार्रवाई को राजनीतिक बताया तो समर्थकों ने रोड किया जाम

### -टीवीके और भाजपा ने गिरफ्तारी का किया स्वागत

**चेन्नई (एजेंसी)।** अभिनेत्री तृषा को लेकर कथित अभद्र और दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी के मामले में तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं डीएमके नेता तथा विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को मंगलवार सुबह पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस उनके चेन्नई स्थित आवास पहुंची थी, जहां से उन्हें पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। इस कार्रवाई के बाद उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और ईसीआर रोड पर जाम लगाकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाया।

स्टालिन को हिरासत में लेने के साथ ही पुलिस ने मीडिया को बताया, तंजावुर में आयोजित एक विरोध सभा के दौरान उदयनिधि स्टालिन की कथित टिप्पणियों को लेकर उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), तमिलनाडु महिला उत्पीड़न निषेध अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। चेन्नई पुलिस के अतिरिक्त आयुक्त नरेंद्रन नायर ने एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की। विवाद की शुरुआत कावेरी जल विवाद को लेकर आयोजित एक रैली से हुई, जहां उदयनिधि स्टालिन मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साध रहे थे। भाषण के दौरान भीड़ से तृषा-तृषा के नारे लगे, जिस पर उदयनिधि की प्रतिक्रिया को विपक्षी दलों ने अभिनेत्री के प्रति अपमानजनक और महिलाओं का सम्मान घटाने वाली टिप्पणी बताया। इसके बाद मामला तेजी से राजनीतिक विवाद में बदल गया।

# सीमा पार से हो रही नशीली दवाओं की तस्करी, एन्क्रिप्टेड ऐप्स का बढ़ा खतरा

### --2021 के बाद से ड्रोन की मदद से तस्करी में तेजी देखी गई

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पाकिस्तान से संचालित हो रहे नशीली दवाओं की तस्करी के नेटवर्क पंजाब में घुसपैठ के लिए उन्नत तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफॉर्म जैसे स्क्रेड और जंगी, वर्चुअल नंबर, फर्जी केवाईसी-आधारित सिम कार्ड और जीपीएस-सक्षम ड्रोन शामिल हैं। इन तरीकों से वे सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से बच निकलते हैं और पंजाब में अवैध माल की तस्करी को अंजाम देते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केंद्र सरकार द्वारा नार्को-टेररिज्म और नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज करने के साथ गृह मंत्रालय को पंजाब पुलिस से ड्रोन प्रयोगशालाओं की स्थापना का अनुरोध प्राप्त हुआ है। सूत्रों के मुताबिक ये सुविधाएं पाकिस्तान स्थित ड्रग सिंडिकेट द्वारा सीमा पार भेजे गए ड्रोन के फ्लाइट लॉग डेटा की जांच में मदद करेंगी। हाल के वर्षों में, ड्रोन-आधारित तस्करी सीमावर्ती राज्यों, विशेषकर पंजाब के लिए एक बड़ा खतरा बनकर उभरी है। 2021 के बाद से, ड्रोन-सहायता प्राप्त नशीली दवाओं की तस्करी में तेजी से वृद्धि देखी गई है, जिससे पंजाब देश का सबसे ज्यादा प्रभावित सीमावर्ती राज्य बन गया है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि अकेले 2025 में, देश भर में ड्रोन से संबंधित नशीली दवाओं की तस्करी की 305 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें से 298 पंजाब सीमा पर हुईं। इन घटनाओं में लगभग 460 किलोग्राम नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। इस बरामद खेप में 448 किलोग्राम हेरोइन, नौ किलोग्राम मेथामफेटामाइन और तीन किलोग्राम अफीम शामिल थी, जो राज्य में इस उभरते खतरे की गंभीरता को दर्शाती है। सूत्रों ने बताया कि पंजाब, अंतरराष्ट्रीय सीमा से अपनी निकटता के कारण, सीमा पार तस्करी की गतिविधियों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। यहां नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों की आपूर्ति और आतंकी वित्तपोषण का एक उभरता हुआ गठजोड़ सक्रिय है।

ड्रग सिंडिकेट भारत में पाकिस्तान की सीमा पार से नशीले पदार्थों और हथियारों की अवैध आपूर्ति का समन्वय करने के लिए एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर तेजी से निर्भर हो रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि ये एप्लिकेशन इंटरसेप्ट करने में मुश्किल होते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए यह एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस बीच, नार्को-टेररिज्म से जुड़े मामलों समेत ड्रग मामलों की जांच की निगरानी के लिए, केंद्र ने एक संयुक्त समन्वय समिति का गठन किया है। नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकी वित्तपोषण से उनके लिंक से निपटने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा पंजाब में अब तक चार राज्य-स्तरीय जेसीसी बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इन उपायों के बावजूद, उपरोक्त चुनौतियां बनी हुई हैं और हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधिकारियों के एक मंथन सत्र के दौरान इन्हें केंद्र के समक्ष उठाया था, जिसमें पंजाब ने

विशेष रूप से इन चिंताओं को उजागर किया था।

# प्राधिकरण की बड़ी पहल हरनंदीपुरम योजना के भू-उपयोग परिवर्तन को मिली रफ्तार; उपाध्यक्ष ने दिए सख्त निर्देश

## अगस्त में होने वाली बोर्ड बैठक से पहले समिति को अंतिम प्रस्ताव सौंपने का अल्टीमेटम

**आरव शर्मा**

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की बहुप्रतीक्षित हरनंदीपुरम योजना को लेकर प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ने हरनंदीपुरम योजना के भू-उपयोग (लैंड यूज) परिवर्तन के संबंध में गठित विशेष समिति के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में योजना के पहले चरण के भू-उपयोग परिवर्तन और लेआउट अनुमोदन से जुड़े तमाम पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान उपाध्यक्ष ने गठित समिति को स्पष्ट निर्देश दिए कि हरनंदीपुरम योजना के प्रथम चरण के भू-उपयोग में बदलाव और इसके लेआउट से संबंधित सभी तकनीकी व प्रशासनिक परीक्षण प्राथमिकता के आधार पर तत्काल पूरे किए जाएं। अभिलेखों की जांच-परख और आवश्यक वैधानिक प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की देरी न करने की ताकीद की गई है।

उपाध्यक्ष ने समिति को निर्देशित किया है कि वह अपना स्पष्ट और अंतिम अभिमत निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रस्तुत करे, ताकि अगस्त माह में प्रस्तावित गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की आगामी बोर्ड बैठक से पूर्व इस पूरे प्रकरण को अंतिम रूप दिया जा सके।

### बोर्ड की मुहर लगते ही शुरू होगा विकास कार्य

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि समिति की अंतिम संस्तुति प्राप्त होते ही प्रथम चरण के भू-उपयोग परिवर्तन और लेआउट अनुमोदन के प्रस्ताव को आगामी बोर्ड बैठक में स्वीकृति के लिए रखा जाएगा। बोर्ड से हरी झंडी मिलते ही धरातल पर योजना के विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

उपाध्यक्ष ने सभी संबंधित अधिकारियों को पाबंद किया है कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना से जुड़ी समस्त औपचारिकताओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। जीडीए की मंशा है कि हरनंदीपुरम योजना के प्रथम चरण का निर्माण कार्य तय सीमा के भीतर शुरू हो सके, ताकि आम जनता को जल्द से जल्द आधुनिक आवासीय सुविधाओं का लाभ मिल सके।

### बैठक में मौजूद रहे शीर्ष अधिकारी

इस उच्चस्तरीय बैठक में प्राधिकरण के सचिव, अपर सचिव, विशेष कार्याधिकारी (प्रथम), प्रभारी मुख्य अभियंता, प्रभारी मुख्य नगर नियोजक, नगर नियोजक, मास्टर प्लान जोन-1 के सहायक अभियंता, जीडीए तहसीलदार और सहायक नगर नियोजक समेत योजना से जुड़े तमाम वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

# डासना जेल में दिव्यांग बंदियों के लिए विशेष जागरूकता शिविर

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन पर डासना जिला कारागार में दिव्यांग बंदियों के पुनर्वास, सामाजिक सशक्तिकरण तथा उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता एवं लाभार्थी सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग बंदियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें आवश्यक सहायक उपकरण भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद डॉ. सचिन वैश्य, मुख्य चिकित्सा अधिकारी हापुड़, जेल अधीक्षक डासना जिला कारागार सीताराम शर्मा, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी गाजियाबाद अंशुल चौहान, चिकित्सा विभाग की टीम तथा कारागार प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिव्यांग पेंशन योजना, दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना, स्वरोजगार एवं पुनर्वास योजनाएं, दुकान एवं कियोस्क आवंटन योजना सहित अनेक रोजगारपरक योजनाएं दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि कारागार से रिहा होने के बाद पात्र दिव्यांगजन इन योजनाओं का लाभ लेकर सम्मानजनक जीवन की नई शुरूआत कर सकते हैं। शिविर के दौरान पात्र दिव्यांग बंदियों को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की तरफ से हियरिंग एड और बैसाखियों का वितरण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इन सहायक उपकरणों से दिव्यांग बंदियों के दैनिक जीवन को आसान

बनाने में मदद मिलेगी और उनकी कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन वैश्य के नेतृत्व में चिकित्सा विभाग की टीम ने दिव्यांग प्रमाणपत्र एवं यूडीआईडी कार्ड बनवाने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। जिन बंदियों के पास अभी तक दिव्यांग प्रमाणपत्र अथवा यूडीआईडी कार्ड नहीं थे, उनके आवश्यक दस्तावेजों का संकलन किया गया। पात्र बंदियों के प्रमाणपत्र और यूडीआईडी कार्ड जल्द से जल्द बनवाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, ताकि वे भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने कहा कि कारागार से रिहा होने वाले दिव्यांग बंदियों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम बेहद उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता और सरकारी सहायता के माध्यम से दिव्यांग बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के नियमित आयोजन पर बल दिया। कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों ने दिव्यांग बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

# लोनी बॉर्डर पुलिस की मुठभेड़ में गोकशी का अभियुक्त गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने गोकशी के एक अभियुक्त को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। अभियुक्त हाल ही में क्षेत्र में हुई गोकशी की घटना में शामिल था और दोबारा ऐसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ है। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र के लक्ष्मी गार्डन मोहल्ले में गोकशी की एक घटना हुई थी। यह घटना गुल्फाम पुत्र वकील के घर में की गई थी और गुल्फाम स्वयं भी इस मामले में शामिल था। घटना के बाद से उससे जुड़े अन्य आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि गोकशी की घटना में शामिल कुछ अभियुक्त एक बार फिर थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में किसी स्थान पर गोकशी की वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना लोनी बॉर्डर पुलिस ने

क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान शुरू किया।पुलिस टीम इंद्रापुरी चौकी क्षेत्र के जंगल में लालबाग की तरफ जाने वाले रास्ते पर वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति वहां से गुजरते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक सवारों ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान हुई मुठभेड़ में एक अभियुक्त के दाहिने पैर में गोली लग गई, जबकि उसका साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। घायल को पुलिस ने तत्काल हिरासत में लेकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है।

पुलिस पूछताछ में घायल अभियुक्त ने अपना नाम अय्यूब पुत्र जुम्मा निवासी इंद्रापुरी चौकी क्षेत्र बताया। वह अपने साथियों के साथ मिलकर क्षेत्र में दोबारा गोकशी की घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और कुछ जिंदा कारतूस बरामद किए। बरामद हथियार और कारतूस को कब्जे में लेकर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। अंकुर विहार के सहायक पुलिस आयुक्त अमरदीप मौर्य ने बताया कि पुलिस को गोकशी की घटना में शामिल आरोपियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसी आधार पर चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस पर फायरिंग करने वाले अभियुक्त को जवाबी कार्रवाई में घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा फरार अन्य अभियुक्तों की तलाश के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है। जल्द ही शेष आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# संभव जनसुनवाई में नगर आयुक्त ने लापरवाही पर लगाई फटकार, अवैध डेयरियों के खिलाफ अभियान तेज करने के दिए आदेश

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** नगर निगम मुख्यालय में आयोजित संभव जनसुनवाई में नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए है। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से 24 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के आदेश दिए गए। प्राप्त शिकायतों में निर्माण विभाग की 7, जलकल विभाग की 8, उद्यान विभाग की 2, संपत्ति विभाग की 2, टैक्स विभाग की 2, पशु चिकित्सा विभाग की 2 तथा प्रकाश विभाग की 1 शिकायत शामिल रही। नगर आयुक्त ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान म्यूटेशन से संबंधित एक शिकायत में शिकायतकर्ता के दोबारा पहुंचने पर नगर आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लिया। उन्होंने संबंधित

संपत्ति विभाग के कर्मचारी को बुलाकर कार्य में लापरवाही पर कड़ी फटकार लगाई और मौके पर ही शिकायत का निस्तारण कराया। साथ ही विभागीय अधिकारियों को शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्राप्त संदर्भों का उसी दिन निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी एवं उनकी टीम ने शिकायतकर्ता सीमा मंगल की समस्या का तत्काल समाधान कराया। नगर आयुक्त ने विशेष रूप से शहर में अवैध रूप से संचालित डेयरियों के खिलाफ अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। बैठक में अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज कुमार सिंह, प्रभारी संपत्ति चंद्रकांता, प्रकाश विभाग से स्वप्निल जैन तथा निर्माण विभाग की टीम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# लोनी में अवैध निर्माण पर चला जीडीए का बुलडोजर : विरोध के बीच ध्वस्त किया अवैध हिस्सा

**आरव शर्मा**

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अवैध निमार्णों के खिलाफ अपने सख्त रुख को जारी रखते हुए मंगलवार को लोनी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। उपाध्यक्ष के निदेर्शों का पालन करते हुए प्राधिकरण की टीम ने गंगा विहार में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की सुसंगत धाराओं के तहत यह कार्रवाई लोनी के भूखण्ड संख्या डी-4, गंगा विहार में की गई। प्रवर्तन जोन-3 के प्रभारी के नेतृत्व में पहुंचे प्राधिकरण के दस्ते ने स्वीकृत नक्शे से ज्यादा किए गए निर्माण पर बुलडोजर चला दिया।

### विरोध के बाद भी जारी रही कार्रवाई

कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकर्ता और उनके समर्थकों ने भारी विरोध जताया और काम रोकने की कोशिश की। हालांकि, मौके पर मौजूद प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को रुकने नहीं दिया।

इस कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-8 के प्रभारी, प्राधिकरण का समस्त स्टाफ, पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा। प्राधिकरण के अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि क्षेत्र में बिना नक्शा पास कराए या स्वीकृति के विपरीत किए गए किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा।

# कांवड़ यात्रा की सुरक्षा को लेकर पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण में समन्वय, सभी टोल प्लाजा पर बढ़ेंगी सुविधाएं

**आरव शर्मा**

**मेरठ (शिखर समाचार)।** कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान शिवभक्तों की सुरक्षित, सुगम और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को मेरठ परिक्षेत्र कार्यालय में पुलिस और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों की समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने की। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना प्रमुख अनिल कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन, आपातकालीन राहत व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर चौबीसों घंटे

संचालित नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो पुलिस, प्रशासन और अन्य एजेंसियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखेगा। आपात स्थिति से निपटने के लिए तीन एंबुलेंस, तीन मार्ग गश्ती वाहन, तीन हाइड्रा, एक रिकवरी वाहन, एक यातायात प्रबंधन वाहन, सड़क सफाई मशीन तथा दो पानी के टैंकर तैनात किए गए हैं। काशी टोल प्लाजा पर श्रद्धालुओं के लिए विश्राम स्थल, शुद्ध पेयजल, जलपान, मोबाइल चार्जिंग, बैठने की व्यवस्था और प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पुलिस उपमहानिरीक्षक ने मेरठ परिक्षेत्र के अन्य दस टोल प्लाजा पर भी इसी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित विभाग पूर्ण समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे तथा पूरे मार्ग पर सीसीटीवी निगरानी और निरंतर गश्त जारी रहेगी।

# विभागीय योजनाओं की समीक्षा में डीएम सख्त, फैमिली आईडी और आईजीआरएस में सुधार के दिए निर्देश

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने फैमिली आईडी योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई, वहीं आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के माध्यम से जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश भी दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत जनपद में 91 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जबकि फैमिली आईडी योजना में नूरपुर, अफजलगढ़ और जलीलपुर विकासखंडों की प्रगति

अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अभियान चलाकर लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

समीक्षा में यह भी सामने आया कि उच्च शिक्षा विभाग में मात्र पांच प्रतिशत, नगर विकास विभाग में 16 प्रतिशत तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग में 18 प्रतिशत परिसंपत्तियों की जियो टैगिंग ही पूरी हो सकी है। इस पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त करते हुए सभी विभागों को शत-प्रतिशत जियो टैगिंग निर्धारित समय सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान के तहत जिन स्थलों का चयन किया गया था, उनकी जियो टैगिंग कराकर कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए, ताकि अभियान के परिणामों का सही आकलन हो सके। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया।

# ऑपरेशन प्रहार : बिहार से मादक पदार्थ लाकर एनसीआर में सप्लाई करने वाला अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार, 13 लाख रुपये नकद बरामद

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** अपराध और नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत अपराध शाखा की स्वाट टीम और विजयनगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके कब्जे से विभिन्न प्रकार के अवैध मादक पदार्थ तथा 13 लाख रुपये नकद बरामद किए। बिहार निवासी कौस्तुभ मिश्रा उर्फ कार्तिक को संतोष मेडिकल सर्विस थाना विजयनगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। वह बिहार से मादक पदार्थ लाकर नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में ऑनलाइन माध्यम से बिक्री और सप्लाई करता है। इसके साथी विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और हॉस्टलों के व्हाट्सएप समूहों में जुड़कर युवाओं को मादक पदार्थों का प्रचार करते थे तथा ऑनलाइन ऑर्डर लेकर उनको सप्लाई करते थे। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा यूनिवर्सिटी से बीटेक और एमबीए की पढ़ाई की है। वह अपने कई साथियों के साथ मिलकर लंबे समय से नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर में एमडीएमए, चरस, स्मैक, कोकीन तथा विभिन्न प्रकार के गांजा उत्पादों की तस्करी और बिक्री का नेटवर्क संचालित कर रहा था। ग्राहकों से ऑनलाइन ऑर्डर प्राप्त करके यूपीआई के माध्यम से भुगतान लेकर पार्सल की डिलीवरी करता था। उसके कई साथी पूर्व में भी मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में गिरफ्तार होकर जेल जा चुके है। कौस्तुभ मिश्रा गौतमबुद्ध नगर के थाना नॉलेज पार्क में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के एक मामले में वांछित भी चल रहा था। इसके कब्जे से 894 ग्राम विभिन्न प्रकार का इम्पोर्टेड गांजा, 2 ग्राम अवैध कोकीन, 13 लाख रुपये नकद तथा पैकिंग सामग्री बरामद हुई। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली उपासना पाण्डेय ने बताया कि ऑपरेशन प्रहार के तहत इस कार्यवाही को अंजाम दिया गया है। विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थ की सप्लाई करने वाले 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अब इसके अन्य साथियों और नेटवर्क से जुड़े लोगों की तलाश कर रही है।

# मदनलाल हॉस्पिटल में निशुल्क कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ, शिवभक्तों को मिलेगी मुफ्त चिकित्सा सुविधा

**बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** कस्बे के हिंडन नदी पुल के निकट स्थित मदनलाल हॉस्पिटल में मंगलवार को कांवड़ यात्रा-2026 के अवसर पर निशुल्क कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्देश्य हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे शिवभक्तों को यात्रा के दौरान तत्काल और निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। शुभारंभ के अवसर पर चिकित्सकों की टीम मौजूद रही और शिवभक्तों के बेहतर स्वास्थ्य की कामना की गई। समाजसेवी सोनू कश्यप ने शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि श्रावण मास में शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा करना अत्यंत पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि हजारों श्रद्धालु लंबी दूरी तय कर भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था प्रकट करते हैं, ऐसे में उनकी स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रखना समाज का दायित्व है। उन्होंने सभी लोगों से सेवा भावना के साथ आगे आकर कांवड़ियों की सहायता करने का आह्वान किया। शिविर में कांवड़ियों के लिए पूरी तरह निशुल्क चिकित्सकीय परामर्श, प्राथमिक उपचार तथा आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रा के दौरान अस्वस्थ होने वाले श्रद्धालुओं को तत्काल राहत मिल सके। कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर सूची कश्यप, विशाल पाल, मुकेश कश्यप, नंदन कश्यप, अभिनव, सचिन, अभिषेक सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

# विश्व कुश्ती चैंपियनशिप से लौटे फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. चन्दन कश्यप का भव्य स्वागत, भारतीय राजदूत से भी की मुलाकात

**खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** अजरबैजान की राजधानी बाकू में आयोजित अंडर-17 ग्रीको-रोमन एवं फ्री स्टाइल विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय टीम के फिजियोथैरेपिस्ट की जिम्मेदारी निभाकर लौटे गांव मोहिद्दीनपुर निवासी डॉ. चन्दन कश्यप का मंगलवार को क्षेत्र में भव्य स्वागत किया गया। विदेश से वापस अपने गांव पहुंचने से पहले विभिन्न स्थानों पर उनका फूल-मालाओं से अभिनंदन किया गया, जबकि उनके आवास पर शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। डॉ. चन्दन कश्यप को भारतीय कुश्ती महासंघ ने विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम का फिजियोथैरेपिस्ट नियुक्त किया था। प्रतियोगिता के दौरान उन्होंने खिलाड़ियों की फिटनेस, फिजियोथैरेपी और स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की जिम्मेदारी निभाई। वह दूसरी बार भारतीय टीम के साथ विदेश गए थे। स्वदेश लौटने पर उन्होंने इस अवसर के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने अपने शिक्षण संस्थान का भी धन्यवाद दिया, जहां वह मेरठ के एक कॉलेज में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहे हैं। डॉ. चन्दन कश्यप ने बताया कि विश्व चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा, जिसकी भारतीय दूतावास ने भी प्रशंसा की। उन्होंने बाकू में भारत के राजदूत अभय कुमार से मुलाकात कर भारतीय दल के अनुभव साझा किए। उनके गांव लौटने पर क्षेत्र के लोगों ने उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया।

# राकेश हत्याकांड में आठ दोषियों को उम्रकैद, प्रत्येक पर 1.33 लाख रुपये का जुमार्ना

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** स्योहारा थाना क्षेत्र के वर्ष 2018 के बहुचर्चित राकेश कुमार हत्याकांड में न्यायालय ने मंगलवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए सभी आठ आरोपियों को दोषी करार दिया। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो) न्यायालय, बिजनौर ने प्रभावी पैरवी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सभी दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक दोषी पर एक लाख 33 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। अभियोजन के अनुसार 27 सितंबर 2018 को राणा नंगला निवासी मन्तोष देवी अपने पति राकेश कुमार के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रही थीं। ग्राम बेरखेड़ा तिराहे के पास पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने राकेश कुमार पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पति को बचाने का प्रयास करने पर आरोपियों ने मन्तोष देवी पर भी जान से मारने की नीयत से फायरिंग की और पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता की तहरीर पर स्योहारा थाने में हत्या, हत्या के प्रयास, आपराधिक षड्यंत्र, बलवा और धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने गवाहों और साक्ष्यों के आधार पर प्रभावी पैरवी की, जिसके बाद न्यायालय ने सभी आठ आरोपियों को दोषी मानते हुए भारतीय न्याय संहिता के अनुरूप पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई। न्यायालय के इस फैसले को पीड़ित परिवार के लिए न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### कसमंडी कलां के विवादित ढांचे पर जल चढ़ाने पहुंचे, पुलिस ने रोका

**लखनऊ, एजेंसी।** मलिहाबाद के कसमंडी कलां में विवादित ढांचे को लेकर सोमवार को फिर से हंगामा शुरू हो गया। लाखन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पासी सैकड़ों समर्थकों के साथ दोपहर में पहुंच गए। वह 108 गांवों से पवित्र मिट्टी और जल लेकर आए थे। सभी लोग विवादित ढांचे में जलाभिषेक करने की मांग करने लगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए कई थानों की पुलिस और पीएसी मुस्तैद रही। पुलिस ने ढांचे से 200 मीटर पहले बैरिकेडिंग लगाकर सभी को रोक लिया। इससे नाराज सूरज पासी और उनके समर्थक सड़क पर ही धरने पर बैठ

गए। एसीपी मलिहाबाद ज्ञानेंद्र सिंह ने काफी देर तक समझाने की कोशिश की। पुलिस ने स्पष्ट किया कि किसी को भी भीतर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बाद सूरज पासी ने ढांचे के सामने ही सांकेतिक जलाभिषेक किया। करीब डेढ़ घंटे तक चले हंगामे के बाद वह समर्थकों के साथ लौट गए। सूरज पासी ने कहा कि 11वीं शताब्दी के नागवंशी शासक महाराजा कंसा पासी के ऐतिहासिक किला और प्राचीन शिव मंदिर को हर हाल में वापस लेंगे। हमें पूरे पासी समाज को एक करना है। इसके लिए वह बड़ा से बड़ा आंदोलन करेंगे। एसीपी ने कहा कि माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

**21 मई को गरमाया था मुद्दा–** लाखन आर्मी ने 21 मई को डीएम को ज्ञापन देकर विवादित ढांचे का मुद्दा उठाया था। साथ ही विवादित ढांचे में पहुंचकर दीवारों पर प्राचीन हिंदू स्थापित कलाकृतियां अंकित होने का दावा किया था। पासी समाज ने कार्बन डेटिंग की भी मांग की थी। इसके बाद विवादित ढांचों में हो रही नमाज पर रोक लगा दी गई थी। कुछ दिनों बाद योगेश पासी ने विवादित ढांचे में हनुमान चालीसा पढ़ने की कोशिश की थी। साथ ही 27 मई को ढांचे के पास सूरज पासी ने धरना दिया था।

**रविवार रात से ही मुस्तैद थी पुलिस–** पुलिस को सूचना मिली थी कि पासी समाज के लोग ढांचे में जल चढ़ाने आएंगे। इस कारण रविवार रात से ही पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। रात 12 बजे से ढांचे के चारों तरफ पुलिसकर्मी मुस्तैद थे। आशंका थी कि रात में भी कोई व्यक्ति जल चढ़ाने की कोशिश कर सकता है। इस कारण ढांचे के चारों तरफ खेतों और बागों में भी पुलिस का पहरा था।

### रोस्टर बेकार...मुसीबत बना आधार

**लखनऊ, एजेंसी।** आधार आवेदकों की सहूलियत के लिए डाक विभाग की ओर से जारी विशेष आधार शिविर के आयोजन का रोस्टर बेकार साबित हुआ। गोसाईंगंज क्षेत्र के तिकनियामऊ रसूलपुर के प्राथमिक विद्यालय में दूसरे दिन भी आवेदकों के आधार नहीं बनाए गए। समस्या लेकर पहुंचे आवेदकों को मायूस होना पड़ा।

डाक विभाग ने लखनऊ, अयोध्या, रायबरेली, बाराबंकी और सीतापुर के 31 स्थानों पर विशेष

AADHAAR

आधार शिविर लगाए जाने का कार्यक्रम जारी किया था। एक से 29 अगस्त तक अलग–अलग तिथियों और स्थानों पर आयोजित इन शिविरों में आवेदकों की आधार संबंधी समस्याएं दूर की जानी हैं। लखनऊ में जीपीओ की ओर से तीन और आठ अन्य स्थानों पर शिविर का रोस्टर जारी किया गया है। इसमें गोसाईंगंज क्षेत्र के तिकुनियामऊ रसूलपुर के प्राथमिक विद्यालय में एक से चार अगस्त तक शिविर लगाए जाने की बात कही गई थी।

सोमवार की दोपहर विद्यालय में शिविर नहीं लगा। रसूलपुर के पूर्व प्रधान कवि ने बताया कि आधार शिविर नहीं लगा है। उधर, शिविर में आधार संबंधी समस्या लेकर पहुंचे एडवोकेट अरविंद यादव को मायूस लौटना पड़ा। उन्होंने बताया कि काफी देर तक इंतजार किया लेकिन कोई कर्मचारी नहीं पहुंचा। कई अन्य आवेदक भी काम न होने पर वापस मायूस लौटे।

# ग्रेटर नोएडा अग्निकांड में बड़ी कार्रवाई: आईएलजेआईएन इलेक्ट्रॉनिक्स पर ताला, जांच में दो दमकलकर्मियों की मौत के बाद बड़ा फैसला, फैक्टरी सील

## अग्निशमन अधिकारियों की जान जाने और गंभीर सुरक्षा खामियों के बाद प्रशासन सख्त; कारखाना अधिनियम की धारा 40(2) के तहत उत्पादन और मशीनों के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक

**आरव शर्मा**
**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार )।** ग्रेटर नोएडा के इकोटेक एक्सटेंशन-3 स्थित M/s ILJIN Electronics India Private Limited (प्लॉट संख्या-28) में मंगलवार (4 अगस्त 2026) की तड़के हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। इस भयानक हादसे में दो अग्निशमन अधिकारियों की दर्दनाक मौत और तीन फायर कर्मियों सहित एक फैक्टरी कर्मचारी के गंभीर रूप से घायल होने के बाद कारखाना विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फैक्टरी में उत्पादन, मशीन संचालन और विद्युत प्रणाली के इस्तेमाल पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध (बैन) लगा दिया है।

**भयंकर तबाही: तड़के 3:10 बजे एजींग टेस्टिंग एरिया में सुलगी आग**

संयुक्त जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आग मंगलवार प्रातः लगभग 3:10 बजे फैक्टरी के प्रथम तल पर स्थित आयु परीक्षण क्षेत्र से शुरू हुई थी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हालांकि शुरूआती दौर में श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया, लेकिन फैक्टरी के भीतर भारी मात्रा में इस्तेमाल हुए ज्वलनशील पदार्थों ( रूफिंग सिस्टम) ने आग में घी का काम किया।

**दीवार ढहने से दो दमकल अफसर शहीद, 4 गंभीर घायल**

जांच के अनुसार, अत्यधिक तापमान के कारण स्टील संरचनाओं में तीव्र तापीय प्रसार और आग बुझाने के दौरान पानी की बौछार से तीव्र तापीय संकुचन उत्पन्न हुआ। इसके चलते ढांचागत दबाव बढ़ने से भवन की बाहरी ईंट निर्मित भारी दीवार ढह गई। बदकिस्मती से यह दीवार ठीक उसी स्थान पर गिरी जहां अग्निशमन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मुस्तैदी से आग पर काबू पाने में जुटे थे।

इस दुखद हादसे में अग्निशमन विभाग के दो अधिकारियों/कर्मचारियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य फायर कर्मी और फैक्टरी कर्मचारी त्रिभुवन तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल कर्मचारी का उपचार यथार्थ अस्पताल, ग्रेटर नोएडा में जारी है।

**जांच में खुलीं सुरक्षा मानकों की धज्जियां**

सहायक निदेशक कारखाना (नोएडा क्षेत्र) अंशुल तिवारी एवं राम बहादुर द्वारा किए गए घटनास्थल के विस्तृत निरीक्षण में सुरक्षा मानकों की भयावह अनदेखी उजागर हुई है:

- धुआँ निकासी का कोई इंतजाम नहीं: इमारत में प्राकृतिक धुआँ निकासी का कोई प्रभावी सिस्टम नहीं था।
- शॉर्ट सर्किट और लीकेज: प्रथम तल से लगातार जल रिसाव होकर भूतल एवं बेसमेंट तक पहुँच रहा था, जिससे इलेक्ट्रिक पैनल, केबल, पीएलसी, सर्वो ड्राइव और नियंत्रण प्रणालियों में भीषण शॉर्ट सर्किट का खतरा बना हुआ था।
- **भवन के ढहने का मंडराता खतरा:** आग के कारण स्टील संरचना, आरसीसी सदस्यों और नीव को भारी क्षति पहुँची है। भारी मशीनों के चलने से उत्पन्न कंपन के कारण इमारत कभी भी पूरी तरह जमींदोज हो सकती है।

**कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 40(2) के तहत कस गया शिकंजा**

मानव जीवन पर उत्पन्न इस गंभीर और आसन्न खतरे को देखते हुए कारखाना विभाग ने कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 40(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूरी फैक्टरी को सील करने जैसी कार्रवाई की है। जब तक अधिकृत एजेंसियों से विस्तृत एनओसी नहीं मिलती, तब तक उत्पादन पूरी तरह ठप रहेगा।

**फैक्टरी प्रबंधन को दिए गए कड़े निर्देश**

कारखाना प्रबंधन को स्पष्ट आदेश दिए गए हैं कि वे किसी मान्यता प्राप्त और प्रतिष्ठित संस्था से निम्नलिखित जाँच कराकर सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत करें। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि बिना अनुमति के उत्पादन या गतिविधि शुरू करने की कोशिश की गई या आदेशों का उल्लंघन हुआ, तो फैक्टरी प्रबंधन और दखलकार के खिलाफ अपराधिक व दंडात्मक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

## राज चौराहे पर प्रशासनिक कांवड़ शिविर का सांसद ने किया उद्घाटन, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद की ओर से राज चौराहे पर स्थापित प्रशासनिक कांवड़ शिविर का मंगलवार शाम विधिवत शुभारंभ किया गया। बागपत-मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया और कांवड़ियों के लिए की गई विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उद्घाटन के अवसर पर सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सेवा भाव का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लाखों शिवभक्तों की सुविधा, सुरक्षा और निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करना प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने शिविर में उपलब्ध पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सहायता, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया और नगर पालिका परिषद तथा प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधों की सराहना की।

प्रशासनिक शिविर में कांवड़ियों के लिए शुद्ध पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा, विश्राम तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। साथ ही नगर में लगाए गए सार्वजनिक उद्घोषणा तंत्र के माध्यम से यातायात, सुरक्षा और आवश्यक दिशा-निर्देशों का लगातार प्रसारण भी किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली, उपजिलाधिकारी कोमल पवार, भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. देवेंद्र सिवाच, राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी, सत्येंद्र तोमर, अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्रा, राजस्व निरीक्षक अंकित चौधरी, सभासद वेद प्रकाश चौधरी, मोनू धामा, ललित त्यागी सहित नगर पालिका के अन्य सभासद, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## डीएम और एसपी ने किया भव्य कांवड़ सेवा शिविर का उद्घाटन, शिवभक्तों की सेवा में जुटे उद्योग संगठन

**शामली (शिखर समाचार)।** श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा के उद्देश्य से मंगलवार को शामली औद्योगिक क्षेत्र में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, शामली इंडस्ट्रियल एस्टेट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन तथा लघु उद्योग भारती के संयुक्त तत्वावधान में भव्य कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने भगवान शिव की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर शिवभक्तों की सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शामली जनपद में शिवभक्ति, सेवा भावना और सामाजिक समर्पण की अनुकरणीय परंपरा देखने को मिलती है। कांवड़ यात्रा के दौरान व्यापारी, उद्यमी और समाजसेवी पूरी निष्ठा के साथ शिवभक्तों की सेवा में जुटे हुए हैं, जो समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि कांवड़ सेवा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सहयोग और मानवीय मूल्यों को भी मजबूत करती है।

शिविर में श्रद्धालुओं के लिए भोजन, पेयजल, विश्राम सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। शामली इंडस्ट्रियल एस्टेट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकित गोयल ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करना प्रत्येक व्यापारी और उद्यमी के लिए सौभाग्य की बात है। इस अवसर पर इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल गुप्ता, अशोक बंसल, अशोक मित्तल, अमित जैन, आशीष अग्रवाल, रोहित गर्ग, आकाश गुप्ता, सुधीर कुमार, परविंद जैन, मयंक जैन, वेद प्रकाश आर्य, अंशुल मित्तल सहित अनेक उद्यमी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## जेएमएस ग्रुप में बीसीए के सात दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नई तकनीकों पर दिया गया जोर

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में बीसीए पाठ्यक्रम के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए सात दिवसीय अभिमुखीकरण एवं परिचय कार्यक्रम इंडक्शन-2के26 का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संस्थान के शैक्षणिक वातावरण, तकनीकी संसाधनों, अनुशासन तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना रहा। उद्घाटन संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष राकेश सिंघल, सचिव डॉ. रोहन सिंघल, प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल, महानिदेशक प्रो. डॉ. सुभाष गौतम, जेएमएस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक, प्राचार्य डॉ. धीरज सैनी तथा मुख्य अतिथि मंगलायतन विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के कुलपति प्रो. डॉ. पी.के. दशोरा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य वक्ता प्रो. डॉ. पी.के. दशोरा ने कहा कि वर्तमान समय में केवल पुस्तक आधारित ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता, नवाचार और डिजिटल कौशल में भी पारंगत होना होगा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी आधुनिक तकनीकों का ज्ञान ही युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाएगा। प्रबंध निदेशक डॉ. आयुष सिंघल ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम उनके शैक्षणिक और व्यक्तित्व विकास की मजबूत नींव रखेगा।

संस्थापक अध्यक्ष राकेश सिंघल ने कहा कि संस्थान में अत्याधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय और आधुनिक शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थी अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। महानिदेशक प्रो. डॉ. सुभाष गौतम ने सात दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि विद्यार्थियों को नई तकनीकों, व्यावहारिक ज्ञान और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विभिन्न सत्रों का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम के दूसरे चरण में छात्र कल्याण अधिष्ठाता विशाल त्यागी तथा परीक्षा प्रभारी अंकित नागर ने शैक्षणिक गतिविधियों, परीक्षा प्रणाली, रैगिंग निषेध नियमों और संस्थान की प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी दी। अंत में प्राचार्य डॉ. धीरज सैनी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन काजल सिद्धू ने किया तथा गौरव शर्मा, पवन शर्मा और प्रो. अंकिता शर्मा का विशेष सहयोग रहा।

## दो पक्षों में मारपीट, पूर्व जिला पंचायत सदस्य समेत आठ पर एफआईआर

**गोरखपुर , एजेंसी।** गुलरिहा थाना क्षेत्र के भटहट कस्बे में एक रेस्टोरेंट पर भोजन के दौरान दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। एक पक्ष के पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने अपने ऊपर हमले का आरोप लगाया है जबकि दूसरे पक्ष ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एक पक्ष की ओर से गुलरिहा थाना क्षेत्र के भटहट निवासी एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य अजय सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने पुलिस को तहरीर दी। उन्होंने आरोप लगाया है कि 29 जुलाई की रात करीब 10 बजे वह अपने मित्रों के साथ कस्बे के एक रेस्टोरेंट में भोजन कर रहे थे। इसी दौरान भटहट के टोला बड़हरिया निवासी रमेश कन्नौजिया अपने साथियों मनोज कन्नौजिया, धर्मेंद्र गुप्ता और राजेश के साथ वहां पहुंचे। इसके बाद गाली-गलौज शुरू कर दी और कहा कि यही लोग विधानसभा के सभी पदों पर कब्जा किए हुए हैं और कोई काम नहीं करवाते हैं। तहरीर के अनुसार, जब उन्होंने विरोध किया तो रमेश कन्नौजिया और उसके साथियों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ और सीने में चोटें आईं। अजय सिंह ने बताया कि उनकी ओपन हार्ट सर्जरी हो चुकी है, जिसके कारण सीने में काफी दर्द है। जाते समय आरोपियों ने उनकी कार में तोड़फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। उनका कहना है कि पुलिस के मौके पर पहुंचने से उनकी जान बच सकी।

## 51वें निशुल्क कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ, शिवभक्तों की सेवा के लिए छह दिन रहेंगी विशेष व्यवस्थाएं

**शामली (शिखर समाचार)।** श्रावण मास की पावन कांवड़ यात्रा के अवसर पर श्री सर्वमंगला शिव शक्ति सेवा समिति के तत्वावधान में एमएसके रोड स्थित बारातघर में आयोजित 51वें छह दिवसीय निशुल्क कांवड़ सेवा शिविर का मंगलवार को धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ शुभारंभ किया गया। नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल और मीनू संगल ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। इसके बाद भगवान शिव, मां पार्वती और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शिवभक्त कांवड़ियों की सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना की गई।

शिविर के शुभारंभ अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित सहदेव जोशी और पंडित हरीश नेथानी ने हवन-पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के जयघोष के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र संगल ने बताया कि इस सेवा शिविर की शुरूआत स्वर्गीय लाला मोहन लाल

संगल और वैद्य स्वर्गीय सुरेश चंद्र कौशिक की प्रेरणा एवं सेवा भावना से हुई थी। निरंतर सेवा की इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष शिविर 51वें वर्ष में प्रवेश कर गया है।

उन्होंने बताया कि शिविर में हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्त कांवड़ियों के लिए भोजन, जलपान, विश्राम और अन्य आवश्यक सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि उनकी यात्रा सुगम और सुरक्षित बनी रहे। इस अवसर पर डॉ. सुशील मित्तल, रामअवतार संगल, सुधा रानी, रानी गोयल, रूबी संगल, श्रेया गोयल, लवी संगल, बबीता मित्तल, कनिका संगल, रितु जैन, प्रो. भूपेंद्र कुमार, निकुंज मित्तल, संजय गोयल, अमित संगल, प्रथम संगल, आकाश गोयल, सुंदरम कुच्छल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## ऑपरेशन तलाश अभियान में गढ़ पुलिस ने वारंटी को दबोचा

**गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)।** अपराधियों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए जनपद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन तलाश अभियान के अंतर्गत गढ़मुक्तेश्वर पुलिस को एक और सफलता मिली है। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने न्यायालय से जारी वारंट के आधार पर एक वारंटी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान ऋषिपाल पुत्र धर्मवीर निवासी ग्राम नयागांव इनायतपुर, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध मुकदमा संख्या 94/2026 में आबकारी

अधिनियम की धारा 60(ए) तथा भारतीय न्याय संहिता की धारा 272 के अंतर्गत न्यायालय से वारंट जारी था। पुलिस ने अभियान के दौरान आरोपी की तलाश करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में न्यायालय से जारी वारंटों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से ऑपरेशन तलाश अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत फरार वारंटियों और वांछित आरोपियों की धरपकड़ तेज कर दी गई है, जिससे कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राजन तोमर तथा उपनिरीक्षक ऋषभ सिंह शामिल रहे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेगा और न्यायालय से जारी वारंटों का पालन सुनिश्चित करते हुए फरार आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# 15वें वित्त आयोग और अवस्थापना विकास निधि के विकास कार्यों को मिली गति, जिलाधिकारी मेघा रूपम ने गुणवत्ता और समयबद्ध क्रियान्वयन पर दिया जोर

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नगर पालिका परिषद दादरी तथा नगर पंचायत बिलासपुर, दनकौर, रबूपुरा, जहांगीरपुर और जेवर में 15वें वित्त आयोग एवं अवस्थापना विकास निधि के अंतर्गत प्रस्तावित विकास कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न नगर निकायों द्वारा प्रस्तुत विकास कार्यों के प्रस्तावों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में जनहित, गुणवत्ता, पारदर्शिता और वित्तीय अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

बैठक में जिलाधिकारी मेघा रूपम ने कहा कि 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत टाइड फंड का उपयोग पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जल निकासी तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों पर प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। वहीं अनटाइड फंड की राशि से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप सड़क निर्माण एवं मरम्मत, सीसी सड़क, इंटरलॉकिंग मार्ग, नाली निर्माण, स्ट्रीट लाइट, सार्वजनिक सुविधाओं के विकास तथा अन्य आधारभूत नागरिक

सुविधाओं से संबंधित कार्य कराए जाएं। उन्होंने अवस्थापना विकास निधि के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार कर समयबद्ध ढंग से स्वीकृत एवं क्रियान्वित की जाएं।

जिलाधिकारी मेघा रूपम ने संबंधित अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों का नियमित स्थलीय निरीक्षण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब न होने पाए। उन्होंने कहा कि शासन से प्राप्त धनराशि का सदुपयोग करते हुए विकास योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए, जिससे नगर क्षेत्रों के नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। साथ ही जिन विभागों या नगर निकायों से किसी प्रस्ताव के संबंध में अतिरिक्त सूचना अथवा अभिलेख अपेक्षित हैं, उन्हें दो दिन के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति की प्रक्रिया में किसी प्रकार की देरी न हो।

बैठक में नगर पालिका परिषद दादरी तथा नगर पंचायत बिलासपुर, दनकौर, रबूपुरा, जहांगीरपुर और जेवर के अध्यक्षों के अलावा मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी शिखा गुप्ता, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

## यमुना विकास प्राधिकरण पर किसानों की पंचायत, 12 सूत्रीय मांगपत्र सौंपकर दो माह में समाधान की मांग

**जेवर (शिखर समाचार)।** क्षेत्रीय किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर भारतीय किसान यूनियन यूनिक के बैनर तले मंगलवार को यमुना विकास प्राधिकरण कार्यालय पर विशाल किसान पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर अपनी लंबित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके बाद संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने यमुना विकास प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी को 12 सूत्रीय मांगपत्र सौंपते हुए किसानों से जुड़े मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग की। पंचायत के दौरान संगठन के पदाधिकारियों और प्राधिकरण के अधिकारियों के बीच विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा भी हुई।

भारतीय किसान यूनियन यूनिक के राष्ट्रीय महासचिव संजीव शर्मा ने बताया कि किसानों की भूमि, मुआवजा, विकास कार्यों, आधारभूत सुविधाओं तथा अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर 12 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि विशेष कार्याधिकारी के

साथ लंबी वार्ता एवं गंभीर विचार-विमर्श हुआ, जिसमें किसानों की समस्याओं पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए अगले दो माह के भीतर प्रमुख समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया गया है। उन्होंने कहा कि संगठन किसानों के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करता रहेगा और यदि निर्धारित समय में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगे की रणनीति बनाकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

पंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर महेश सिंह ने कहा कि किसान लंबे समय से अपनी जायज मांगों के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि किसानों के हितों से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि संगठन शांतिपूर्ण तरीके से किसानों की आवाज उठाता रहेगा और प्रशासन से सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा रखता है। पंचायत में मास्टर धर्म सिंह, अनिल शर्मा, अनिल तलान, हरिओम सिंह, अमन सिंह, भीम सिंह, बॉबी चौधरी सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

## शाहपुर और सोरम में कांवड़ सेवा शिविरों का शुभारंभ, शिवभक्तों की सेवा के लिए जुटे ग्रामीण

**शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** श्रावण मास के पावन अवसर पर शाहपुर कस्बे और क्षेत्र के ऐतिहासिक गांव सोरम में मंगलवार को कांवड़ सेवा शिविरों का विधिवत शुभारंभ धार्मिक अनुष्ठानों के साथ किया गया। शाहपुर में शिव शक्ति सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित शिविर का शुभारंभ हवन-यज्ञ से हुआ। समाजसेवी अरविंद पाल और ऋषभ गोयल मुख्य यजमान रहे, जबकि बुढ़ाना विधायक राजपाल बालियान के पुत्र अनिल बालियान ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया। इस दौरान सभासद मनोज सैनी, योगेश मलिक, प्रदीप पाल, अमित पाल, पवन वर्मा, सुशील सैनी, हर्षित जैन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वहीं सोरम गेट नंबर-1 पर पिछले 20 वर्षों से आयोजित हो रहे विशाल कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के पुत्र चरण सिंह टिकैत ने फीता काटकर किया। वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन के बीच शुरू हुए इस शिविर में सूबेदार प्रणपाल सिंह मुख्य यजमान रहे तथा आचार्य रामप्रसाद शर्मा और जनार्दन शर्मा ने विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई। शिविर में हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे हजारों शिवभक्तों के लिए भोजन, जलपान, विश्राम, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री योगराज सिंह ने ग्रामीणों की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि कांवड़ियों की निस्वार्थ सेवा सबसे बड़ा पुण्य है। चरण सिंह टिकैत ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा भारतीय संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस अवसर पर स्वामी जयराम स्वरूप ब्रह्मचारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

## ऊन में राजकीय डिग्री कॉलेज की मांग, एमएलसी मोहित बेनीवाल ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

**शामली (शिखर समाचार)।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर जनपद शामली की ऊन तहसील एवं विकासखंड क्षेत्र में राजकीय डिग्री कॉलेज की स्थापना की मांग उठाई। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए क्षेत्र की शैक्षिक आवश्यकताओं और विद्यार्थियों को होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया। मोहित बेनीवाल ने बताया कि ऊन क्षेत्र जनपद का प्रमुख कृषि एवं ग्रामीण इलाका है, जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं। लेकिन राजकीय डिग्री कॉलेज नहीं होने के कारण उन्हें पढ़ाई के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता है। इससे विशेष रूप से

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऊन में राजकीय डिग्री कॉलेज की स्थापना होने से क्षेत्र के साथ-साथ आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा। खासकर छात्राओं को अपने क्षेत्र में ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनकी शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और पढ़ाई बीच में छोड़ने की समस्या भी कम होगी। मोहित बेनीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार विस्तार हो रहा है तथा नए विश्वविद्यालयों, मेडिकल कॉलेजों और राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऊन क्षेत्र की इस मांग पर भी सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ज्ञापन प्राप्त कर मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया।

## कांवड़ यात्रा व्यवस्थाओं का अफसरों ने लिया जायजा, यातायात प्रबंधन पर दिया जोर

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित कराने के लिए मंगलवार को पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम आवागमन, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए।

पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल ने दिल्ली-गाजियाबाद बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस अधिकारियों के साथ स्थलीय भ्रमण किया। इस दौरान कांवड़ यात्रियों की आवाजाही, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात संचालन का निरीक्षण किया गया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी व्यवस्थाओं का संचालन सतर्कता एवं समन्वय के साथ किया जाए। वहीं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर एवं जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने कांवड़ रूट का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने गंगनहर कट मुरादनगर, कांवड़ कंट्रोल रूम मेरठ तिराहा सहित विभिन्न स्थानों का दौरा कर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता एवं प्रकाश व्यवस्था का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित की जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

## धीरखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र की बढ़ेगी विद्युत क्षमता, हर बुधवार उपखंड अधिकारी सुनेंगे उद्यमियों की शिकायतें

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** धीरखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में अघोषित विद्युत कटौती, ओवरलोडिंग और नए विद्युत संयोजनों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) हापुड़ चैप्टर और विद्युत विभाग के अधिकारियों के बीच सोसाइटी भवन, धीरखेड़ा में आयोजित बैठक में उद्योगों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता आईआईए चेयरमैन पवन शर्मा ने की, जबकि अधिशासी अभियंता सचिन द्विवेदी ने विभाग की ओर से प्रस्तावित योजनाओं और समाधान की जानकारी दी।

बैठक में उद्यमियों ने नए विद्युत संयोजन में हो रही देरी, सीटी-पीटी उपकरणों की खराबी, ओवरलोडिंग तथा विद्युत अवसंरचना को सुदृढ़ करने की आवश्यकता का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। आईआईए के सचिव लवलीन गुप्ता ने कहा कि विद्युत आपूर्ति में पहले की तुलना में सुधार अवश्य हुआ है, लेकिन नए संयोजनों के लिए आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रही है। वरिष्ठ सदस्य शांतनु सिंघल ने औद्योगिक क्षेत्र का दोबारा सर्वे कराने की मांग रखी।

अधिशासी अभियंता सचिन द्विवेदी ने बताया कि वर्तमान में धीरखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र को 10 एमवीए और 5 एमवीए क्षमता वाले दो ट्रांसफार्मरों से विद्युत आपूर्ति की जा रही है। 5 एमवीए क्षमता वाले ट्रांसफार्मर को बढ़ाकर 10 एमवीए करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया

है। प्रस्ताव स्वीकृत होने के बाद क्षेत्र की कुल विद्युत क्षमता 15 एमवीए से बढ़कर 20 एमवीए हो जाएगी, जिससे ओवरलोडिंग की समस्या में काफी राहत मिलेगी और उद्योगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी। उन्होंने यह भी बताया कि मोदीनगर रोड औद्योगिक क्षेत्र के लिए नए विद्युत उपकेंद्र का प्रस्ताव भी शासन स्तर पर विचाराधीन है। बैठक में अधिशासी अभियंता ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी औद्योगिक उपभोक्ता के परिसर में उसकी सहमति के बिना स्मार्ट मीटर नहीं लगाया जाएगा। साथ ही प्रत्येक बुधवार सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपखंड अधिकारी धीरखेड़ा विद्युत उपकेंद्र पर उपस्थित रहकर उद्यमियों की शिकायतों का मौके पर निस्तारण करेंगे। बैठक में धीरज चुग, अशोक छारिया, राजेंद्र गुप्ता, मोहित जैन, नितिन गोयल, मुदित बंसल, वैभव गुप्ता, अजय माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

## श्रावण शिवरात्रि के मद्देनजर 7 से 12 अगस्त तक नर्सरी से 12वीं तक के सभी विद्यालय और महाविद्यालय रहेंगे बंद

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** श्रावण शिवरात्रि पर्व के दौरान जनपद में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिलाधिकारी मेघा रूपम द्वारा जारी आदेश के अनुसार जनपद हापुड़ में नर्सरी से कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में 7 अगस्त से 12 अगस्त 2026 तक अवकाश घोषित किया गया है।

जिलाधिकारी ने अपने आदेश में कहा है कि 11 अगस्त 2026 को श्रावण शिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। इसके मद्देनजर जनपद में बड़ी संख्या में कांवड़ियों का आगमन लगातार जारी है। श्रद्धालु विभिन्न शिवालयों में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करेंगे, जिससे प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव काफी बढ़ जाएगा। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों की सुरक्षा, विद्यालय वाहनों के निर्बाध संचालन तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है।

आदेश के अनुसार जनपद के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, यूपी बोर्ड, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, भारतीय विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद तथा अन्य सभी बोर्डों से संबद्ध नर्सरी से कक्षा 12 तक संचालित विद्यालय, महाविद्यालय एवं अन्य शिक्षण संस्थान 7 अगस्त से 12 अगस्त 2026 तक पूर्णतः बंद

रहेंगे। इस अवधि में नियमित शैक्षणिक गतिविधियां स्थगित रहेंगी।

जिला प्रशासन ने सभी विद्यालय संचालकों एवं संबंधित अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अभिभावकों से भी अपील की गई है कि वे इस अवधि में बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें और अनावश्यक रूप से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जाने से बचें।

## यौन उत्पीड़न कानून 2013 : आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की वेअर वेल इंडिया कंपनी में हुई संपन्न

**नोएडा (शिखर समाचार)।** कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक नोएडा की वेअर वेल इंडिया कंपनी में संपन्न हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुष को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया कि यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह

के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र में उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी। यदि समिति का प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा। यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है। मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

## मकान के नाम पर 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी, पिता और दो पुत्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

**दादरी (शिखर समाचार)।** बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के हाथीपुर खेड़ा गांव में मकान बेचने के नाम पर 15 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि मकान का सौदा तय होने के बाद विक्रेता पक्ष ने 15 लाख रुपये बयाने के रूप में ले लिए, लेकिन न तो मकान का बैनामा कराया और न ही रकम वापस की। बाद में दिया गया चेक भी अनादृत हो गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पिता और उसके दो पुत्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बादलपुर कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि दुजाना गांव निवासी जयप्रकाश ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार वर्ष 2014 में हाथीपुर खेड़ा निवासी ओमप्रकाश ने अपना मकान 35 लाख रुपये में बेचने का सौदा किया था। समझौते के तहत 16 अक्टूबर 2014 को जयप्रकाश ने 15 लाख रुपये बयाने के रूप में दे दिए थे, जबकि शेष राशि बैनामा होने के समय अदा की जानी थी। आरोप है कि निर्धारित समय आने पर जब बैनामा कराने की बात कही गई तो ओमप्रकाश और उसके पुत्र रवि तथा राजेश ने मकान बेचने से इनकार कर दिया और बाद में रुपये लौटाने का आश्वासन दिया। पीड़ित का आरोप है कि कई बार मांग करने के बावजूद रकम वापस नहीं की गई। बाद में आरोपितों ने 15 लाख रुपये का चेक दिया, लेकिन बैंक में प्रस्तुत करने पर वह अनादृत हो गया। इसके बाद जब दोबारा रुपये मांगे गए तो आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर तीनों आरोपितों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

## बिजनौर में गुलदार का कहर, माता पिता के सामने 8 वर्षीय बालक को उठाकर ले गया, मौत के बाद ग्रामीणों का हंगामा

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** जिले के नगीना देहात थाना क्षेत्र के ग्राम सिकनीवाला में सोमवार देर रात गुलदार के हमले में आठ वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब नरसिंह का पुत्र रवि अपने माता-पिता के साथ गांव के पास स्थित पशुशाला में पशुओं को बांधने गया था। इसी दौरान गन्ने के खेत में छिपे गुलदार ने अचानक हमला कर मासूम को माता-पिता के सामने ही उठाकर खेत की ओर भाग गया। परिजनों के शोर मचाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और गुलदार का पीछा किया। ग्रामीणों की भीड़ को देखकर गुलदार बालक के लहूलुहान शव को खेत में छोड़कर फरार हो गया, लेकिन तब तक उसकी

मौत हो चुकी थी। रवि अपने परिवार में दो भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था तथा कक्षा एक का छात्र था। घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश फैल गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन वन विभाग की कथित लापरवाही और क्षेत्र में लगातार हो रहे गुलदार के हमलों से नाराज ग्रामीणों ने शव उठाने से इनकार कर दिया और वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़ गए। बाद में उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार, क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार, वन विभाग के अधिकारियों तथा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों से वार्ता की। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद प्रशासन ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिलाने तथा क्षेत्र में शीघ्र पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजनों ने शव पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंप दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

## डीपीएस प्ले स्कूल में एलायंस क्लब माधव का नि:शुल्क दंत चिकित्सा शिविर, बच्चों को दिए मौखिक स्वच्छता के टिप्स

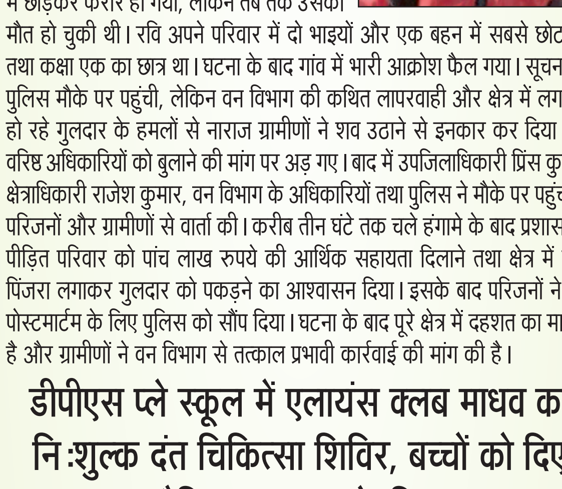


**हापुड़ (शिखर समाचार)।** एलायंस क्लब हापुड़ माधव की ओर से सोमवार को रेलवे रोड स्थित डीपीएस प्ले स्कूल में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नि:शुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में दांतों की नियमित देखभाल, मौखिक स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। शिविर में बच्चों के दांतों की जांच के साथ उन्हें दांतों की सुरक्षा और सही देखभाल के बारे में उपयोगी जानकारी भी दी गई।

शिविर में दंत चिकित्सक डॉ. आशीष अग्रवाल और उनकी टीम ने बच्चों के दांतों की विस्तार से जांच की तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। चिकित्सकों ने बच्चों को सही तरीके से ब्रश करने की विधि, संतुलित खान-पान अपनाने, मीठे खाद्य पदार्थों का सीमित सेवन करने तथा दांतों में कीड़ा लगने और अन्य समस्याओं से बचाव के उपाय भी बताए। बच्चों ने चिकित्सकों से अपने सवाल पूछे, जिनका सरल भाषा में समाधान किया गया।

कार्यक्रम में एलायंस क्लब हापुड़ माधव के पदाधिकारियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान अध्यक्ष अनुज गोयल, सचिव नितिन गुप्ता, कोषाध्यक्ष सौरभ मित्तल, मोहित अग्रवाल तथा सुधीर गुप्ता उपस्थित रहे। अध्यक्ष अनुज गोयल ने कहा कि बच्चों का स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मुस्कान ही उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि क्लब भविष्य में भी ऐसे जनहित और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

शिविर में विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

# संपादकीय

## ईंधन नीति पर राजनीति नहीं, विज्ञान और जनविश्वास की जरूरत

देश में ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और किसानों की आय बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों को लेकर वर्षों से जैव ईंधन को बढ़ावा देने की नीति अपनाई जा रही है। पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। लेकिन जब कोई सार्वजनिक नीति सीधे करोड़ों उपभोक्ताओं की जेब, उनके वाहनों और भविष्य की ऊर्जा व्यवस्था से जुड़ती है, तब केवल सरकारी घोषणा पर्याप्त नहीं होती, बल्कि उसके साथ व्यापक संवाद, पारदर्शिता और वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित भरोसा भी आवश्यक होता है। आज यही प्रश्न राष्ट्रीय बहस के केंद्र में है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा ई-20 ईंधन के विरोध में प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकालने का प्रयास और दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें तथा अन्य नेताओं को फिरोजशाह रोड पर रोक दिए जाने के बाद यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गया है। पार्टी का दावा है कि देशभर से दो लाख तीस हजार से अधिक लोगों की ओर से प्रधानमंत्री को पत्र भेजे गए हैं और इन पत्रों के माध्यम से ई-20 नीति पर पुनर्विचार की मांग की गई है। यह घटनाक्रम केवल राजनीतिक विरोध का मामला नहीं है, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि नई तकनीकों और नई नीतियों को लागू करते समय जनता के मन में उठ रहे प्रश्नों का समय रहते समाधान करना कितना आवश्यक है। भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जो बड़ी मात्रा में कच्चे तेल का आयात करते हैं। आयातित ईंधन पर निर्भरता देश की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डालती है। दूसरी ओर बढ़ता प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन भी गंभीर चिंता का विषय है। ऐसे में एथेनॉल मिश्रित ईंधन को सरकार ने एक ऐसे विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है, जिससे विदेशी मुद्रा की बचत हो, किसानों की फसलों विशेषकर गन्ने और मक्का की मांग बढ़े तथा पर्यावरण पर दबाव कम हो। नीति के पीछे तर्क मजबूत दिखाई देते हैं और अनेक विशेषज्ञ भी मानते हैं कि नियंत्रित और वैज्ञानिक तरीके से जैव ईंधन का उपयोग ऊर्जा संक्रमण की दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है। लेकिन किसी नीति का उद्देश्य जितना महत्वपूर्ण होता है, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण उसका क्रियान्वयन और उससे जुड़ी जनस्वीकृति होती है। ई-20 को लेकर सबसे बड़ी चिंता पुराने वाहनों के मालिकों की है। बड़ी संख्या में लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या उनके वाहन इस ईंधन के लिए पूरी तरह सुरक्षित हैं, क्या इससे इंजन की कार्यक्षमता प्रभावित होगी, रखरखाव का खर्च बढ़ेगा या वाहन की आयु कम होगी। वाहन निमार्ता कंपनियां अलग अलग मॉडल के लिए अलग अलग तकनीकी सलाह देती रही हैं, जिससे आम उपभोक्ता के बीच भ्रम की स्थिति बनी हुई है। यदि किसी नीति के कारण करोड़ों लोगों के मन में ऐसे सवाल पैदा हों और उन्हें स्पष्ट, सरल तथा भरोसेमंद उत्तर न मिलें, तो विरोध स्वाभाविक है। सरकार की जिम्मेदारी केवल नीति घोषित करने तक सीमित नहीं हो सकती, बल्कि उसे वैज्ञानिक परीक्षणों, स्वतंत्र विशेषज्ञों की रिपोर्ट और उपभोक्ता हितों की पूरी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करानी चाहिए। दूसरी ओर विपक्ष की भी जिम्मेदारी केवल विरोध दर्ज कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यदि किसी नीति पर गंभीर आपत्तियां हैं तो उनके समर्थन में ठोस वैज्ञानिक प्रमाण, वैकल्पिक सुझाव और रचनात्मक संवाद भी सामने आना चाहिए। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर बहस तथ्यों और शोध पर आधारित हो। यदि किसी नई तकनीक के संभावित जोखिम हैं तो उनका निष्पक्ष मूल्यांकन होना चाहिए, और यदि लाभ अधिक हैं तो जनता को उन्हें समझाने का भी प्रयास होना चाहिए। केवल राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप से न तो नीति मजबूत होगी और न ही जनता का विश्वास बढ़ेगा।

### ~ मौलिक चिंतन ~

**सूरज कभी घर नहीं जाता है, धरती के एक भाग को रोशन कर वह दूसरे हिस्से पर जा चमकता है।**

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

# मुद्दों से क्यों भटका छात्र आंदोलन?

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकतंत्र में आंदोलन केवल विरोध का माध्यम नहीं होते, बल्कि जनता की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को शासन तक पहुँचाने का सशक्त साधन भी हैं। इतिहास गवाह है कि अनेक आंदोलनों ने देश की नीतियों में परिवर्तन कराया, सामाजिक सुधारों का मार्ग प्रशस्त किया और शासन को जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया। किंतु पिछले कुछ वर्षों में एक ऐसी प्रवृत्ति भी देखने को मिली है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। अनेक आंदोलन अपने मूल उद्देश्य से भटककर राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन जाते हैं। परिणामस्वरूप जिस समस्या के समाधान के लिए आंदोलन शुरू होता है, वही धीरे-धीरे चर्चा के केंद्र से बाहर हो जाती है।

नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा प्रक्रिया को लेकर उठे विवाद ने देशभर के लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को चिंतित किया। यह केवल एक परीक्षा का प्रश्न नहीं था, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और युवाओं के भविष्य का विषय था। इसलिए स्वाभाविक रूप से छात्रों ने निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और पारदर्शी व्यवस्था की मांग की। यह एक ऐसा मुद्दा था, जिस पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी पक्षों को विद्यार्थियों के हित में एकमत दिखाई देना चाहिए था। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ के चलते यह आंदोलन दिशा से भटकता हुआ दिखाई दिया।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का दायित्व है कि वह सरकार से जवाब मांगे और जनहित के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाए। इसी प्रकार सरकार का दायित्व है कि वह हर गंभीर आरोप की निष्पक्ष जांच कराए, दोषियों को दंडित करे और जनता का विश्वास बनाए रखे। लेकिन जब आंदोलन का केंद्र समाधान के बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप बन जाता है, तब मूल मुद्दा पीछे छूटने लगता है।

यह भी देखा गया है कि कई बार अलग-अलग राज्यों में समान प्रकृति की घटनाओं पर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग होती हैं। इससे जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या राजनीतिक दल सभी मामलों में एक समान सिद्धांत अपनाते हैं, या उनका रुख राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार बदल जाता है? लोकतंत्र में जनविश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सार्वजनिक हित के मुद्दों पर राजनीतिक दलों का आचरण अधिक सुसंगत और सिद्धांत आधारित दिखाई दे।

यह प्रश्न केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं है। आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठनों और नागरिक समूहों की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि आंदोलन का उद्देश्य किसी समस्या का समाधान है, तो उसे उसी लक्ष्य पर केंद्रित रखना चाहिए। आंदोलन में अनावश्यक राजनीतिक ध्रुवीकरण या विषयांतर से बचना आवश्यक है, क्योंकि इससे समाधान की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। मीडिया की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के कारण उसका दायित्व है कि वह मूल मुद्दे को केंद्र में रखे। यदि समाचारों और बहसों में वास्तविक समस्या की अपेक्षा राजनीतिक टकराव अधिक स्थान पाने लगे, तो जनचर्चा भी उसी दिशा में मुड़ जाती है। इससे जनता का ध्यान समस्या के समाधान से हटकर राजनीतिक विवादों में उलझ सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की सफलता का आकलन इस आधार पर किया जाए कि उससे समस्या का कितना समाधान हुआ, न कि इससे किस राजनीतिक दल को लाभ या हानि हुई। किसी भी आंदोलन की विश्वसनीयता तभी बनी रहती है, जब वह अपने घोषित उद्देश्य, नैतिक मयार्दा और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध रहे।

लोकतंत्र में राजनीति आवश्यक है, क्योंकि वही नीतियाँ बनाती है और शासन चलाती है। लेकिन राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि जनहित और राष्ट्रहित की रक्षा करना होना चाहिए। यदि हर जनआंदोलन राजनीतिक संघर्ष का अखाड़ा बन जाएगा, तो समाज का विश्वास कमजोर होगा और वास्तविक समस्याएँ समाधान की प्रतीक्षा करती रह जाएँगी।

आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, विपक्ष, आंदोलनकारी संगठन, मीडिया और नागरिक, सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करें। जब जनहित सर्वोपरि होगा और समाधान राजनीति पर भारी पड़ेगा, तभी लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सामने आएगी। आंदोलनों की दिशा भी तभी सार्थक होगी, जब उनका लक्ष्य केवल विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना होगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# उप-चुनाव, बड़ा संकेत-भाजपा का अति आत्म विश्वास या बदलती तस्वीर

ऋतुपर्ण दवे

तीन अगस्त को तीन राज्यों के तीन नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहाँ सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा। वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे। राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालाकि बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। लेकिन बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। हाँ, उन्होंने छक्का जरूर जड़ दिया ये बात अलग है। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए जिन्होंने आखीर-आखीर में रोड शो किया। लेकिन तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और राष्टीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठत हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले यह कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि ब उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम जो देना है।

कमोवेश यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। लेकिन वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा हो जाने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। जिन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। जिस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहाँ से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब काँग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। निश्चित रूप से नरोत्तम मिश्रा का कद देखते हुए उनकी मंशा और उनके समर्थक इस मतदान के दौरान किस निर्णय पर पहुंचे होंगे, कहने की जरूरत नहीं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव बेहद खास था क्योंकि करीब साल भर से संगठन को मजबूत करने और नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए काँग्रेस जबरदस्त संघर्ष कर रही थी। अब यह जीत संजीवनी का काम करेगी। हालाकि काँग्रेस ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर आजाद समाज पार्टी ने दामोदर सिंह यादव को मैदान में उतारा था फिर भी मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहा।

सर्वविदित है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व और पार्टी के चुनावी प्रबंधन के लिहाज से भी यह चुनाव भाजपा के लिए अग्नि परीक्षा माना जा रहा था, जिसमें वह विफल रही। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा।

हाँ, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। जेन-जी आन्दोलन, पेपर लीक और भी कुछ मुद्दों पर पार्टी में अलग-अलग विचार समझ आने लगे हैं। इन चुनाव नतीजों के बाद स्थिति-परिस्थित क्या बनेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

ललित गर्ग

**पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है।**

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

# जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

## आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

## आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

## आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

## आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

## आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

# इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

**इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।**

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं। ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

## संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

## स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है।

## कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

# किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

**युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।**

### सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

### सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

### सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की रणनीति

**पेपर 1 –** इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

**पेपर 2 –** इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

### करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रेंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

### सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2023 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

### क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

# इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है।

अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

## घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

## आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

## ईरान वार्ता और हॉर्मुज स्ट्रेट की अटकलों से सोना-चांदी चमके

**सोने के भाव 644 तेज होकर 1,43,600 रुपए, चांदी 1,397 चढ़कर 2,19,150 रुपए**

**नई दिल्ली।**

वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच मंगलवार को सोना और चांदी के वायदा भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई। अमेरिका-ईरान वार्ता और हॉर्मुज स्ट्रेट के दोबारा खुलने की संभावनाओं पर निवेशकों की पैनी नजर बनी हुई है, जिसने इन कीमती धातुओं को मजबूत सहारा दिया। खबर लिखे जाने तक ग्लोबल कॉमेक्स पर सोना 4,115 डॉलर और चांदी 58.90 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी, जबकि घरेलू एमसीएक्स पर सोना 1,43,600 रुपये और चांदी 2,19,150 रुपये के करीब पहुंच गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोने के बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट की शुरुआत 644 रुपये की मजबूत तेजी के साथ 1,43,559 रुपये पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,42,915 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 692 रुपये की तेजी के साथ 1,43,607 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर छुआ था। वहीं चांदी के सितंबर कॉन्ट्रैक्ट ने भी रफ्तार पकड़ी। यह 1,397 रुपये की तेजी के साथ 2,18,143 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 2,16,746 रुपये से काफी ऊपर था। वर्तमान में यह 2,404 रुपये की छलांग के साथ 2,19,150 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा था। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलो का उच्चतम स्तर बनाया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में तेज उछाल देखा गया। सोना 4,109.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला, जो पिछले क्लोजिंग प्राइस 4,090.50 डॉलर प्रति औंस से अधिक था। खबर लिखे जाने तक यह 23.30 डॉलर की तेजी के साथ 4,113.80 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ था। चांदी का वायदा भाव 58.38 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जबकि पिछला क्लोजिंग प्राइस 57.85 डॉलर था। यह भी तेजी बरकरार रखते हुए 1.03 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 58.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया था। चांदी के भाव ने इस साल 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छू लिया था।

## एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

**मुंबई ।**

एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजारों में मंगलवार को मिश्रित रुख देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 करीब 0.82 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 लगभग 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आया। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव पर भी वैश्विक निवेशकों की नजर बनी हुई है। सोमवार को अमेरिकी शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। डॉव जोन्स में 1.32 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 1.48 प्रतिशत और नैस्डैक कंपोजिट में 2.13 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी बाजारों की यह मजबूती आज घरेलू बाजार के लिए कुछ सकारात्मक संकेत दे सकती है।

## गोदरेज प्रॉपर्टीज का मुनाफा घटकर 349 करोड़ हुआ

**नई दिल्ली ।** रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुनाफा 42 प्रतिशत घटकर 349.38 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 598.40 करोड़ रुपये था। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय भी घटकर 1,345.04 करोड़ रुपये रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 1,620.34 करोड़ रुपये थी।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 210 अंक, निफ्टी 159 अंक गिरा**

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरो वाला बीएसई सेंसेक्स 210 अंक की गिरावट के साथ ही ही 78,428.95 अंक पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 159 अंक फिसलकर 24,614.90 अंक पर बंद हुआ। मिडकैप शेयरों में भी आज पूरे दिन उतार-चढ़ाव रहा। निफ्टी मिडकैप बाजार बंद होने तक 86 अंक की गिरावट के साथ ही 18,215.85 अंक पर बंद हुआ।सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में आज सीजी पावर , और सेल रहे । वहीं गॉडफ्रे फिलिप और निप्पन के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। एलआईसी इंडिया, यूपीएल, प्रेस्टीज एस्टेट और डाबर इंडिया गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की

मिश्रित शुरुआत रही। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 147 अंक बढ़कर 78,786.10 पर था, जबकि निफ्टी 162 अंक गिरकर 24,611.55 पर कारोबार कर रहा था।

## रुपया बढ़त पर बंद

**मुंबई**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.19 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में सपाट खुला और तीन पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.34 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अपेक्षाकृत कम कीमतों और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने से आयातकों की डॉलर की मांग पर असर पड़ा। अब बाजार की नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले और इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिका के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.35 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में 95.34 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.37 पर बंद हुआ था।

## भारत ने 5 उत्पादों पर बढ़ाए डंपिंग रोधी शुल्क

**चार मौजूदा उत्पादों पर शुल्क अवधि बढ़ी, एक नए उत्पाद पर भी लगा शुल्क**

**नई दिल्ली ।**

घरेलू उद्योगों को सस्ते आयात से बचाने के लिए भारत सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। वित्त मंत्रालय ने वाणिज्य मंत्रालय की सिफारिशों पर चार मौजूदा डंपिंग रोधी शुल्कों की अवधि बढ़ाई है और एक नए उत्पाद पर भी पांच साल के लिए शुल्क लगाया है। सरकार ने ऑस्ट्रेलिया, चीन, कोलंबिया, इंडोनेशिया, जापान और रूस से आयातित 'लो ऐश मेटलर्जिकल कोक' पर पांच वर्षों के लिए 42.95 डॉलर से 128.83 डॉलर प्रति टन के बीच नया डंपिंग रोधी शुल्क लगाया है।

जिन उत्पादों पर शुल्क की अवधि बढ़ाई गई है, उनमें अनट्रीटेड फ्यूम्ड सिलिका, एरिलाइड्स, लौह/इस्पात से बने सीमलेस ट्यूब, पाइप व खोखले प्रोफाइल तथा नॉर्मल ब्यूटेनॉल शामिल हैं। पेंट, सौंदर्य प्रसाधन, औषधि और प्रिंटिंग इंक जैसे उद्योगों में प्रयुक्त होने वाले इन उत्पादों का चीन, मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका से लगातार सस्ता आयात हो रहा था, जिससे घरेलू उद्योग प्रभावित हो रहे थे।

अनट्रीटेड फ्यूम्ड सिलिका पर यह शुल्क फरवरी 2027 तक, एरिलाइड्स पर जनवरी 2024 तक और लौह व इस्पात उत्पादों पर जनवरी 2027 तक बढ़ाया गया है। नॉर्मल ब्यूटेनॉल पर भी पांच वर्षों के लिए अवधि बढ़ाई गई है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के बहुपक्षीय ढांचे के तहत ये शुल्क निष्पक्ष व्यापार और घरेलू उत्पादकों को समान प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाए जाते हैं।

# अब 25,000 तक बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी भी पीएफ के दायरे में

**पीएफ की वेज सीलिंग लिमिट 15,000 से बढ़कर 25,000 रुपए हुई**

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार ने प्रोविडेंड फंड (पीएफ) से जुड़े नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। पीएफ की वेज सीलिंग लिमिट को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया गया है, जिसका सीधा असर लाखों नौकरीपेशा लोगों की मासिक सैलरी और रिटायरमेंट फंड पर पड़ेगा। इस बदलाव से अब ज्यादा कर्मचारी पीएफ और पेंशन योजना (ईपीएस) के दायरे में आ सकेंगे, हालांकि शुरुआत में हाथ में आने वाली सैलरी थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन लंबी अवधि में रिटायरमेंट सुरक्षा मजबूत होगी। पहले नियम के अनुसार, जिन कर्मचारियों की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता मिलाकर 15,000 रुपये तक होता था, उनके लिए पीएफ कटवाना अनिवार्य था। 15,000 रुपये से अधिक आय वाले कर्मचारी इससे बाहर रह सकते थे। नई लिमिट 25,000 रुपये होने के बाद अब 15,001 रुपये से 25,000 रुपये तक बेसिक सैलरी पाने वाले कर्मचारी भी पीएफ के दायरे में आ जाएंगे, जिससे उन्हें बचत के साथ-साथ पेंशन का लाभ भी मिलेगा। इस बदलाव से पीएफ में ज्यादा योगदान जाने के कारण हर महीने हाथ में आने वाली सैलरी में कुछ कमी देखी जा सकती है। दरअसल, कर्मचारी की बेसिक सैलरी का 12 फीसदी हिस्सा पीएफ खाते में जमा होता है और कंपनी भी अपनी ओर से इतना ही योगदान देती है। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये बेसिक सैलरी वाले कर्मचारी को अब 2,640 रुपये पीएफ के रूप में कटवाने होंगे, जबकि पहले वह दायरे में

नहीं था। इसी तरह, 25,000 रुपये बेसिक सैलरी पर पीएफ योगदान 1,800 रुपये (15,000 पर) से बढ़कर 3,000 रुपये (25,000 पर) हो जाएगा। यह बदलाव कई कर्मचारियों के लिए रिटायरमेंट सुरक्षा को बढ़ाने वाला साबित होगा, खासकर उनके लिए जो पहले इस सीमा के कारण पीएफ और पेंशन योजना से नहीं जुड़ पा रहे थे। हालांकि, कंपनियों और सरकार पर भी इससे अतिरिक्त वित्तीय बोझ बढ़ेगा, लेकिन यह कदम कर्मचारियों की लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा को मजबूती प्रदान करेगा।

# वैश्विक दबाव में बढ़ी थोक महंगाई, सरकार बोली- खुदरा नियंत्रण में जून में

**डब्ल्यूपीआई 9.87 फीसदी हुई, वित्त राज्य मंत्री ने वैश्विक ऊर्जा कीमतों को बताया मुख्य कारण**

**नई दिल्ली।**

सरकार ने संसद को बताया है कि जून में थोक महंगाई (डब्ल्यूपीआई इन्फ्लेशन) में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वैश्विक बाजार में ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतें रही हैं। हालांकि, सरकार का दावा है कि उसने आम लोगों को प्रभावित करने वाली खुदरा महंगाई (सीपीआई) को काफी हद तक नियंत्रण में रखने में सफलता पाई है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित जवाब में स्पष्ट किया कि खनिज तेल, खाद्य पदार्थ, धातु, रसायन और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वैश्विक तेजी का असर थोक महंगाई पर दिखा है। सरकार महंगाई को नियंत्रित करने और आम लोगों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए लगातार कई कदम उठा रही है। इन उपायों में आवश्यक खाद्य वस्तुओं का बफर स्टॉक बढ़ाना, खुले बाजार में अनाज की बिक्री करना और जरूरत के अनुसार व्यापार नीतियों में बदलाव करना शामिल है। इनका उद्देश्य खाद्य कीमतों को नियंत्रित कर उपभोक्ताओं को राहत देना है। आंकड़ों के अनुसार, जून में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 9.87 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मई में 9.68 प्रतिशत थी। दूसरी ओर, खुदरा महंगाई दर सरकार द्वारा तय लक्ष्य के दायरे में बनी हुई है।

हालांकि, जून 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में वृद्धि को माना जा रहा है। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मिलकर अप्रैल 2026 से मार्च 2031 तक के लिए खुदरा महंगाई का लक्ष्य 4 प्रतिशत तय किया है।

## एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का मुनाफा 3 फीसदी बढ़कर 873 करोड़ पहुंचा

**नई दिल्ली**

। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने बताया कि जून, 2026 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 873 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 845 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने शेयर बाजार को बताया कि जून तिमाही में उसकी कुल आय पांच प्रतिशत बढ़कर 1,385 करोड़ रुपए हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 1,324.8 करोड़ रुपए थी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च आठ प्रतिशत बढ़कर 242 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 224 करोड़ रुपए था। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने समीक्षाधीन तिमाही के दौरान 15.1 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी के साथ देश के सबसे बड़े म्यूचुअल फंड प्रबंधक के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा।

# भारत के निजी विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में 5 साल के निचले स्तर पर

**एचएसबीसी पीएमआई जून के 54.2 से गिरकर 53.5 हुआ**

**नई दिल्ली ।**

भारत के निजी क्षेत्र में विनिर्माण गतिविधियों की वृद्धि जुलाई माह में पांच वर्षों में सबसे सुस्त गति से हुई है। एक निजी सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। एचएसबीसी का भारत का मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई), जो विनिर्माण गतिविधियों में बदलाव पर नज़र रखता है, जून के 54.2 से गिरकर जुलाई में 53.5 पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कुल बिक्री में गिरावट और नए ऑर्डर व नौकरी सृजन में कमी को इस सुस्ती का मुख्य कारण बताया गया है। जुलाई का 53.5 का आंकड़ा अगस्त 2021 के बाद सबसे कम है, जब यह 52.3 था।

हालांकि, यह सूचकांक 50 के स्तर से ऊपर बना हुआ है, जो गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है। यह लगातार 57वां महीना है जब विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार देखा गया है। एचएसबीसी की एक चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट ने बताया कि जुलाई में आपूर्तिकर्ता की आपूर्ति के समय का सूचकांक बढ़ा है, जो आपूर्ति श्रृंखला में सुधार का संकेत है। हालांकि, मध्य पूर्व में फिर से बढ़े तनाव ने इन सुधारों के स्थायित्व पर नए संदेह पैदा कर दिए हैं। इसके चलते विनिर्माता बफर बना रहे हैं, जिससे इनपुट और तैयार माल दोनों की इन्वेंट्री में बढ़ोतरी हुई है। सर्वेक्षण के अनुसार नए ऑर्डर में वृद्धि चार साल से अधिक समय में दूसरी सबसे कमजोर रही, जिसका मुख्य कारण बाजार की मुश्किल होती स्थितियां और ग्राहकों की कम दिलचस्पी बताई गई है।

बिक्री के मामले में भी वृद्धि की गति 2022 के मध्य के बाद से सबसे धीमी थी। जुलाई में उपभोक्ता सामान क्षेत्र सबसे कमजोर रहा, जिसमें नए ऑर्डर और आउटपुट में काफी कम वृद्धि देखी गई, जबकि इंटरमीडिएट और कैपिटल गुड्स बनाने वाली कंपनियों ने दोनों पैमानों पर मजबूत विस्तार दर्ज किया। इसके अतिरिक्त अतिरिक्त इनपुट की खरीद 31 महीने के निचले स्तर पर आ गई। भारत के विनिर्माण क्षेत्र में नौकरी के अवसर बढ़ने की रफ्तार लगातार तीसरे महीने धीमी रही और यह लगातार 29 महीनों की वृद्धि में सबसे धीमी दर थी।

हालांकि, लागत का दबाव पांच महीनों में सबसे कम स्तर पर आ गया, लेकिन कंपनियों ने विशेषकर सामान की आवाजाही के लिए ज्यादा कीमतें बताईं।

# मस्क की बादशाहत बरकरार, अमेरिकी टेक दिग्गजों का दबदबा

**मस्क नंबर 1; टॉप-9 में अमेरिकी टेक महारथी, अर्नाल्ट की बादशाहत पर खतरा**

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक अरबपतियों की सूची में एलन मस्क ने अपनी शीर्ष स्थिति बरकरार रखी है, बावजूद इसके कि उन्हें भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार शीर्ष दस में से नौ स्थान अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गजों ने कब्जा रखे हैं, जो इस क्षेत्र के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के तौर पर पहले पायदान पर बने हुए हैं। उनका कुल नेटवर्थ 684 अरब डॉलर है, जो दूसरे नंबर के लैरी पेज (305 अरब डॉलर) से दोगुने से भी अधिक है। गौरतलब है कि मस्क ने 400 अरब डॉलर गंवाने के बावजूद यह स्थान बनाए रखा है। जेफ बेजोस 290 अरब डॉलर के साथ तीसरे और सर्गी ब्रिन 283 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर हैं। बेजोस की संपत्ति में 32.3 अरब डॉलर और ब्रिन की संपत्ति में 16.8 अरब डॉलर का इजाफा हुआ। इसके बाद माइकल डेल (217 अरब डॉलर) पांचवें, मार्क जुकरबर्ग (199 अरब डॉलर) छठे, लैरी एलिसन (181 अरब डॉलर) सातवें, जेनसेन हुआंग (166 अरब डॉलर) आठवें और स्टीव बाल्मर (163 अरब डॉलर) नौवें स्थान पर हैं। इन शीर्ष नौ नामों में अमेरिकी टेक दिग्गजों का दबदबा स्पष्ट है। अब सवाल यह है कि क्या लंबे समय से टॉप-10 में अपनी जगह बनाए रखने वाले एकमात्र गैर-अमेरिकी, बर्नार्ड अर्नाल्ट इस सूची से बाहर हो जाएंगे? 11वें नंबर पर काबिज वॉरेन बफे (145 अरब डॉलर) से अर्नाल्ट का फासला केवल 16 अरब डॉलर का है। चूंकि अरबपतियों की संपत्ति का बड़ा हिस्सा उनकी कंपनियों के शेयरों से आता है, ऐसे में शेयर बाजार में जरा सा भी उतार-चढ़ाव इस सूची में बड़ा फेरबदल कर सकता है।

# यूपीआई नियमों में होगा बदलाव, भविष्य में लग सकता है एमडीआर

**वित्त मंत्रालय ने पेमेंट एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव रखा**

**नई दिल्ली ।**

वित्त मंत्रालय ने यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड पर जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) की व्यवस्था खत्म करने की तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है, जिससे भविष्य में यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाने का अधिकार मिल सकेगा। हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल ग्राहकों के लिए कोई नया शुल्क लागू नहीं किया गया है और इसका उद्देश्य यूपीआई यूजर्स से अतिरिक्त चार्ज वसूलना नहीं है। यदि भविष्य में एमडीआर लागू भी होता है, तो इसका असर मुख्य रूप से कारोबारियों (मर्चेंट्स) पर पड़ सकता है। यह प्रस्ताव पेमेंट एक्ट की धारा 10ए को हटाने के लिए है, जो वर्तमान में डिजिटल भुगतान पर एमडीआर लगाने से रोकती है। संसद की वित्त संबंधी स्थायी समिति के अनुसार, देश के 88 फीसदी डिजिटल भुगतान यूपीआई से होते हैं और अरबों ट्रांजैक्शन की बढ़ती लागत ने बैंकों व पेमेंट कंपनियों पर दबाव बढ़ाया है। डिजिटल पेमेंट उद्योग लंबे समय से जीरो एमडीआर नीति की समीक्षा की मांग कर रहा है, क्योंकि प्रोत्साहन राशि वास्तविक लागत से कम है। कुछ संगठनों ने बड़े कारोबारियों पर सीमित एमडीआर और छोटे को छूट देने का सुझाव दिया है।

# एलआईसी में सरकार बेचेगी 6.5 फीसदी हिस्सेदारी

**आम निवेशकों को मिलेगा शेयर खरीदने का मौका**

**मुंबई ।**

शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है।

केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में अपनी हिस्सेदारी ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेचने का फैसला किया है। पहले चरण में 2.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी, जिसे ग्रीन शू ऑप्शन के तहत कुल 6.5 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। सरकार का यह कदम सेबी के न्यूनतम सार्वजनिक शेयरहोल्डिंग नियमों के अनुपालन हेतु उठाया जा रहा है। सरकार ने इस ऑफर फॉर सेल के लिए 382 रुपए प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस निर्धारित किया है, जिसका अर्थ है कि इससे कम कीमत पर शेयर नहीं खरीदे जा सकेंगे। वर्तमान में, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में सरकार की करीब 96.5 फीसदी हिस्सेदारी है। इस पेशकश में पहले गैर-खुदरा निवेशकों (संस्थागत निवेशक) को हिस्सा खरीदने का मौका मिलेगा, जिसके बाद खुदरा निवेशक भी अगले दिन अपनी बोली लगा सकेंगे।

पहले चरण में 2.5 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी, लेकिन निवेशकों की अच्छी मांग पर ग्रीन शू ऑप्शन के तहत 4 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी भी बेची जा सकती है, यानी कुल 6.5 फीसदी तक शेयर बाजार में आ सकते हैं। सरकार का यह निर्णय केवल पूंजी जुटाने के लिए ही नहीं, बल्कि एक नियामक उद्देश्य के लिए भी है। सेबी के नियमों के अनुसार शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम निवेशकों (पब्लिक) के पास होनी चाहिए। एलआईसी जिसकी लिस्टिंग साल 2022 में हुई थी और जो देश का सबसे बड़ा आईपीओ था, अब इस ओएफएस के माध्यम से अपनी सार्वजनिक शेयरधारिता को बढ़ाएगी। इस कदम से कंपनी में शेयरों की तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ेगी और वह नियामक मानकों के अधिक करीब पहुंचेगी।

# रविंद्र जडेजा की सोच में आया बड़ा बदलाव, पुजारा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले किया खुलासा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट में रवींद्र जडेजा की सफलता के पीछे एक बड़ा कारण उनका आक्रामक सोच वाला गेंदबाज बनना है। उन्होंने कहा कि यह ऑलराउंडर अब सिर्फ रन रोकने के बजाय विकेट लेने के इरादे से हर गेंद फेंकता है। श्रीलंका के खिलाफ भारत की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले पुजारा ने कहा कि हाल के सालों में जडेजा की सोच में काफी बदलाव आया है जिससे वह टेस्ट क्रिकेट (सबसे लंबे फॉर्मेट) में और भी खतरनाक गेंदबाज बन गए हैं।

दो मैचों की यह सीरीज 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू होगी जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त तक कोलंबो में खेला जाएगा। पुजारा ने जियो स्टार से कहा, 'पहले, जब रवींद्र जडेजा गेंदबाजी करते थे तो उनकी सोच ज्यादा रन न देने की होती थी, खासकर रेड-बॉल क्रिकेट में। अगर पिच से थोड़ी मदद मिलती थी, तो वह विकेट लेने की कोशिश करते थे। लेकिन अगर पिच गेंदबाजों के अनुकूल नहीं होती थी, तो उनका ध्यान रन रोकने पर होता था। लेकिन अब, उन्होंने अपनी ताकत को समझ लिया है और उसी के हिसाब से गेंदबाजी कर रहे हैं। हर मैच में वह स्टंप्स की लाइन में गेंद डालने और बल्लेबाज को आउट करने की कोशिश कर रहे हैं।'

पुजारा ने बताया कि इस बाएं हाथ के स्पिनर का नजरिया अब ज्यादा आक्रामक हो गया है जिससे वह कंट्रोल बनाए रखते हुए अलग-अलग एंगल और वेरिएशन आजमा सकते हैं। उन्होंने समझाया, 'पहले उनकी सोच थोड़ी ज्यादा डिफेंसिव थी, लेकिन अब वह हर गेंद विकेट लेने के मकसद से फेंकते हैं। ऐसे में आप अपने खेल के बारे में थोड़ा ज्यादा सोचते हैं। आप क्रीज का बेहतर इस्तेमाल करते हैं, वाइड एंगल से गेंद डालने की कोशिश करते हैं और बल्लेबाज के हिसाब से अपनी लेंथ बदलते हैं। खेल के लिए यह मानसिक बदलाव बहुत जरूरी है।'

जडेजा लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने जा रहे हैं। इस अनुभवी बाएं हाथ के स्पिनर को इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के दौरान कोहनी में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह पिछले महीने अफगानिस्तान के खिलाफ भारत के एकमात्र टेस्ट मैच में नहीं खेल पाए थे, हालांकि उस मैच

में भारत ने आसानी से जीत हासिल की थी। श्रीलंका में होने वाली आगामी सीरीज में जडेजा नवंबर 2025 के बाद पहली बार टेस्ट मैच खेलते नजर आएंगे, उस समय उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की दो मैचों की घरेलू सीरीज में हिस्सा लिया था।

## नीरज चोपड़ा अब लुसाने डायमंड लीग में आएंगे नजर, श्रीलंका और पाकिस्तानी खिलाड़ी से मिलेगी कड़ी टक्कर

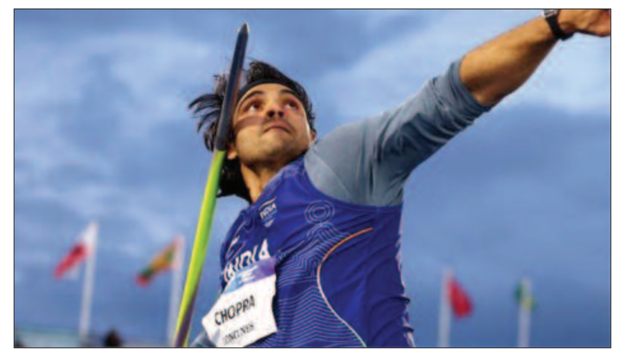


**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ¬दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में राष्ट्रमंडल चैम्पियन और इस सत्र में सबसे आगे चल रहे श्रीलंका के रूमेश पथिरागे का सामना करना पड़ेगा। इस टूर्नामेंट में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले चुके पांच खिलाड़ी नजर आएंगे।

ग्लास्गो में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके 85.83 मीटर का थ्रो फेंकने वाले चोपड़ा का सामना ओलंपिक चैम्पियन पाकिस्तान के अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैम्पियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकाट और पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स से होगा। तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश, जर्मनी के जूलियन वेबर, स्विटजरलैंड के सिमोन वीलैंड और अमेरिका के कुर्टिस थॉम्पसन भी इसमें नजर आएंगे। आयोजकों ने कहा, 'पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप जीत चुके भालाफेंक के पांच सुपरस्टार 21 अगस्त को इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे।' चोट से उबरने के बाद यह चोपड़ा का तीसरा टूर्नामेंट होगा। वह जून में दोहा डायमंड लीग में 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। पथिरागे ने राष्ट्रमंडल खेलों में 89.75 मीटर का थ्रो लगाकर पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने जून में गोल्डन गाला पिएट्रो मेनिया में 92.62 मीटर का थ्रो लगाया था।

## इरफान पठान ने बताई आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत, बुमराह की जगह श्रीलंका के खिलाफ मिला मौका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के पूर्व हरफनमौला इरफान पठान का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने जा रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी की सबसे बड़ी ताकत तेज रफ्तार नहीं, बल्कि शीर्ष बल्लेबाजों को रक्षात्मक बल्लेबाजी के दौरान गलती करने पर मजबूर करने की क्षमता है। अनुभवी जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के कारण नबी को श्रीलंका में 15 अगस्त से शुरू होने वाले दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। पठान ने 2018 में श्रीनगर में हुए ट्रायल के दौरान पहली बार नबी की प्रतिभा पहचानी थी। उन्होंने बाद में जम्मू-कश्मीर के युवा क्रिकेटरों को मार्गदर्शन भी दिया। उनका मानना है कि नबी की स्वाभाविक गेंदबाजी शैली, कलाई की स्थिति और गेंद को मूव कराने की क्षमता उन्हें बिना तेज रफ्तार के भी प्रभावी बनाती है। पठान ने कहा, 'गेंद को स्विंग कराने के लिए आदर्श रफ्तार लगभग 135 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। अगर आप गेंद को देर से स्विंग करा सकते हैं तो आप सफल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'उसकी लय और गेंदबाजी एक्शन को देखते हुए मेरा मानना है कि वह नियमित रूप से 133-135 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार हासिल कर सकता है।' पठान के अनुसार तेज गति गेंदबाजी का केवल एक हिस्सा है। असली क्षमता यह है कि गेंदबाज किस तरह विश्वस्तरीय बल्लेबाजों को रक्षात्मक शॉट खेलने के लिए मजबूर करता है और फिर उन्हें आउट करने का रास्ता निकालता है। उन्होंने कहा, 'क्या गेंदबाज में यह क्षमता है कि वह शीर्ष स्तर के बल्लेबाजों को डिफेंस करते हुए भी आउट कर सके? यही वह खूबी है जिसकी तलाश होती है।' पठान ने इस साल रणजी ट्रॉफी फाइनल का उदाहरण देते हुए कहा कि नबी ने कर्नाटक के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी की बढ़त के आधार पर ऐतिहासिक खिताब जीता। उन्होंने कहा, 'रणजी ट्रॉफी फाइनल में हमने देखा कि उसने अनुभवी लोकेश राहुल को परेशान किया। भले ही उसे विकेट नहीं मिला, लेकिन उसने बल्लेबाज को सामान्य तरीके से रक्षात्मक बल्लेबाजी करने पर मजबूर किया और फिर आउट किया।'

## राष्ट्रमण्डल खेलों के पदक विजेताओं का स्वदेश पहुंचने पर भव्य स्वागत , खिलाड़ियों ने जताया आभार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रमण्डल खेलों में शानदार प्रदर्शन कर चौथे स्थान पर रहा भारतीय दल आज स्वदेश पहुंच गया। टीम का दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पहुंचने पर पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में प्रशंसकों के साथ ही खेल अधिकारी और समर्थक ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और भारत माता की जय के नारे लगाते दिखे। वहीं इस सम्मान से अभिभूत खिलाड़ियों ने इस सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वागत उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है और वे आगे भी देश के लिए इसी तरह पदक जीतने का प्रयास करेंगे।

इन खेलों में भारतीय मुक्केबाजों ने एतिहासिक प्रदर्शन किया। मुक्केबाजी फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि इन खेलों के 96 साल के इतिहास में भारत ने पहली बार मुक्केबाजी में सात स्वर्ण पदक जीते हैं। ये देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ व सभी सहयोगी संस्थाओं को दिया है।

इस दौरान स्वर्ण पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी ने एयरपोर्ट पर मिले शानदार स्वागत पर खुशी जतायी। उन्होंने भारत सरकार, मुक्केबाज फेडरेशन ऑफ इंडिया और हरियाणा सरकार द्वारा दिए गए निरंतर सहयोग और बेहतर

प्रशिक्षण के लिए आभार व्यक्त किया। साक्षी ने अपना स्वर्ण पदक देशवासियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे भारत की है और वे भविष्य में भी देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगी।

वहीं मुक्केबाज प्रीति पवार ने भी टीम के प्रदर्शन और देश लौटने पर मिले सम्मान पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने सेना और भारत सरकार से मिले सहयोग को खिलाड़ियों की सफलता का प्रमुख कारण बताया। इसके अलावा एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने अपनी सफलता का श्रेय भारतीय सेना, आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट और कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस को दिया। दूसरे ओर पुरुषों की 90 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने कहा कि वे एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

भारतीय पैरा-एथलीटों ने भी कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। पुरुषों की शॉट पुट एफ-57 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता सोमन राणा ने अपनी जीत को पूरे देश, भारतीय सेना और सभी सहयोगियों को समर्पित किया। उन्होंने भी एशियाई खेलों को अपना अगला लक्ष्य बताया।

## बैडमिंटन विश्व चैम्पियनशिप : सिंधू को नौवी, सात्विक-चिराग को पांचवीं वरीयता

नई दिल्ली ।दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू को आगामी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप के लिये नौवीं वरीयता दी गई है जबकि पुरूष युगल टीम सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को पांचवीं वरीयता मिली है। इंदिरा गांधी स्टेडियम पर 17 से 23 अगस्त तक यह चैम्पियनशिप खेली जाएगी। सिंधू ने जापान ओपन टूर्नामेंट जीता है जबकि सात्विक और चिराग 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं। भारत ने पांचों वर्गों में दो प्रविष्टियां भेजी है। सिंधू, सात्विक-चिराग के अलावा पूर्व विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन को पुरूष एकल में 14वीं वरीयता है जबकि मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को 15वीं वरीयता मिली है। पुरूष एकल विश्व चैम्पियन चीन की शि युकी और दक्षिण कोरिया की महिला एकल स्टार आन से यंग को शीर्ष वरीयता मिली है। महिला एकल विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची को दूसरी जबकि चीन की वांग झि यि को तीसरी और चेन युफेइ को चौथी वरीयता दी गई है। चैम्पियनशिप के ड्रॉ बुधवार को निकाले जाएंगे। अगर कोई वरीय खिलाड़ी उससे पहले नाम वापिस लेता है तो वरीयता क्रम बदल सकता है।

## आईसीसी ने भारतीय मूल के अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश पर 8 साल का प्रतिबंध लगाया

दुबई ।अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अमेरिकी टीम से खेलने वाले भारतीय मूल के क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर 8 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। आईसीसी ने अखिलेश पर यह प्रतिबंध मैच फिक्सिंग के प्रयास और जांच के दौरान सबूतों को मिटाने के आरोपों के बाद लगाया गया है। इस फैसले के बाद रेड्डी 21 नवंबर 2033 तक किसी भी तरह की क्रिकेट गतिविधि में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उनका निलंबन 21 नवंबर 2025 से प्रभावी माना गया है। इस प्रतिबंध से अखिलेश का करियर एक प्रकार से समाप्त हो गया है। इस क्रिकेटर पर साल 2025 अबू धाबी टी10 लीग के दौरान मैच फिक्सिंग के प्रयास के आरोप लगे थे। अखिलेश ने एक साथी खिलाड़ी को जानबूझकर गेंदबाजी के दौरान रन देने और खराब प्रदर्शन करने को कहा था हालांकि उस खिलाड़ी ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। साथ ही आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) को इसकी जानकारी दी थी। इसी शिकायत के आधार पर जांच शुरू हुई, जिसमें अखिलेशको दोषी पाया गया। इतना ही नहीं, जब मामला प्रकाश में आया और जांच शुरू हुई, तो रेड्डी ने अपने मोबाइल फोन से महत्वपूर्ण व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड भी डिलीट कर दिए, जिससे सबूत मिटाने का अतिरिक्त आरोप लगा। 26 वर्षीय अखिलेश रेड्डी भारत के हैदराबाद शहर से हैं। उन्होंने भारत में घरेलू क्रिकेट में भी हिस्सा लिया है और विजय हजारे ट्रॉफी की टीम का भी हिस्सा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के साथ नेट बॉलर के रूप में भी जुड़े थे। बेहतर अवसरों की तलाश में वह अमेरिका आये थे और वहां की राष्ट्रीय टीम में उन्हें जगह मिल गयी थी। वह दाएं हाथ के बल्लेबाज और ऑफ स्पिन गेंदबाज हैं। उन्होंने अमेरिका के लिए चार टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं, जिनमें एक विकेट लिया है। आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक ट्रिब्यूनल ने रेड्डी को तीन अलग-अलग गंभीर मामलों में दोषी पाया है। पहला आरोप मैच को गलत तरीके से प्रभावित करने या फिक्स करने की कोशिश करना था। दूसरा, उन्होंने एक अन्य खिलाड़ी को मैच फिक्सिंग में शामिल होने के लिए कहा। तीसरा और बेहद गंभीर आरोप यह था कि उन्होंने जांच शुरू होने पर अपने मोबाइल से व्हाट्सएप चैट और कॉल रिकॉर्ड सहित अहम डेटा डिलीट कर सबूत मिटाने की कोशिश की।

## जय शाह ने तंजानिया में आईसीसी के पहले क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया

**दुबई (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) चेयरमैन जय शाह ने अफ्रीकी देश तंजानिया में ऐतिहासिक क्रिकेट एरिना का उद्घाटन किया है। शाह ने

यूनिवर्सिटी ऑफ दार एस सलाम में तंजानियाई क्रिकेटएसोसिएशन (टीसीए) के नए एरिना का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया है। ये तंजानिया का पहला आईसीसी मान्यता प्राप्त क्रिकेट स्थल है। इस क्रिकेट स्थल के खेलने से तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट का विकास तेजी से होगा। शाह ने कहा कि इस स्थल के आने से खेल में एक बड़ा बदलाव आयेगा।

आईसीसी चेयरमैन ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए क्रिकेट तंजानिया को बधाई देते हुए, उन सामूहिक प्रयासों की सराहना की जिनकी वजह से देश में विश्व स्तरीय क्रिकेट ढ़ांचा तैयार हो पाया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा, तंजानिया क्रिकेट एरिना के उद्घाटन पर क्रिकेट तंजानिया को बधाई। यह तंजानिया और पूरे अफ्रीका में क्रिकेट के लिए एक यादगार पल है। देश के पहले आईसीसी-मान्यतप्राप्त क्रिकेट स्थल। इस शानदार स्थल का आधिकारिक तौर पर उद्घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। यह वेन्यू तंजानिया में खेल को आगे बढ़ाने में शामिल सभी लोगों की सोच, लगन और कड़ी मेहनत का सबूत है। इस उद्घाटन समारोह में जय शाह के साथ टीसीए के चेयरमैन बालकृष्ण श्रीकुमार और क्रिकेट लेजेंड्स ऑफ तंजानिया के संस्थापक व यूके और यूरोप के लिए चेयरमैन कंट्री कोऑर्डिनेटर कानू राठौड़ भी उपस्थित थे।

यह नया एरिना नेशनल हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के तौर पर काम करेगा, जो तंजानिया की पुरुष, महिला और अंडर-19 राष्ट्रीय टीमों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण की सुविधा देगा। इसके साथ ही, यह पूरे देश में जमीनी स्तर (ग्रासरूट) और एलीट डेवलपमेंट प्रोग्राम को भी बढ़ावा देगा, जिससे नई प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलेगा और क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल होगा।

तंजानिया में पहले से ही 27 क्रिकेट स्थल और 119 सक्रिय कोच व 75 अंपायर हैं। सहयोग प्राप्त है। यहां क्रिकेट तेजी से फैल रहा है। इससे यहां सक्रिय खिलाड़ियों की संख्या 1,58,000 से

अधिक हो गई है। इसमें पुरुष और महिला खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग बराबर है। देश की अंडर-19 पुरुष टीम ने इस साल के आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई किया था, जिससे तंजानिया में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव और गुणवत्ता का अंदाजा होता है।

## अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता

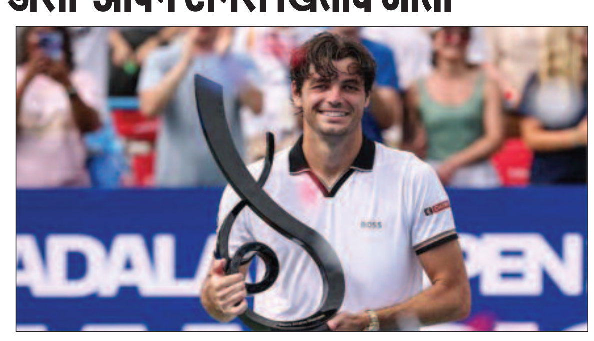


वॉशिंगटन डीसी । अमेरिका के तीसरी वरीयत प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने स्पेन के उभरते टेनिस खिलाड़ी राफेल जोदार को हराकर वॉशिंगटन डीसी ओपन टेनिस खिताब जीता है। ।फ्रिट्ज ने पुरुष एकल फाइनल में जोदार को सीधे सेटों में 7-6(2), 6-4 से हराकर 11वां एटीपी टूर खिताब जीता। यह जीत फ्रिट्ज के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चार साल बाद एटीपी 250 से ऊपर के स्तर पर वह कोई खिताब जीतने में सफल रहे हैं। फाइनल मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में अपनी शानदार सर्विस गेम से मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंचा दिया। टाईब्रेक में फ्रिट्ज ने अपनी आक्रामक रिटर्न और मैदानी स्ट्रोक्स के जरिये हमला बोलकर स्पेनिश खिलाड़ी जोदार को लगातार गलतियां करने पर मजबूर किया और 7-2 से टाईब्रेक जीतने के साथ ही बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे सेट की शुरुआत में फ्रिट्ज ने 3-0 की बढ़त हासिल कर ली और फिर इसके बाद वह मुकाबले में हावी हो गये। मुकाबले के अंतिम गेम में फ्रिट्ज ने एक ब्रेक अंक बचाया और अपने अपने पांचवें मैच अंक पर जीत दर्ज की। इस कड़े मुकाबले के बाद जीत मिलते ही फ्रिट्ज उत्साहित हो गये। । इस जीत के साथ ही फ्रिट्ज 2008 के बाद वॉशिंगटन ओपन जीतने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं, उनसे पहले 2024 में सेबेस्टियन कोर्डा ने यह खिताब अपने नाम किया था। इस खिताबी जीत के बाद फ्रिट्ज को एटीपी रैंकिंग में लाभ मिला है। वह दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। अब उनका लक्ष्य मॉन्ट्रियल में होने वाले एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट को जीतना रहेगा।

## पीसीबी ने माइक स्मिथ को बनाया नया बल्लेबाजी कोच

**लाहौर (एजेंसी)।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व प्रथम श्रेणी क्लास क्रिकेटर माइक स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का नया बल्लेबाजी कोच बनाया है।

पाक टीम अभी वेस्टइंडीज दौरे पर है। इसी बीच अचानक की नये बल्लेबाज कोच की घोषणा कर दी गयी है। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से टीम की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से संघर्ष कर रही है। उसी को देखते हुए स्मिथ को कोच बनाया गया है।

स्मिथ की नियुक्ति से कई दिग्गज क्रिकेटर भी हैरान हैं क्योंकि नये कोच बनाये गये स्मिथ ने अपने करियर में एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है जबकि अब उनकी जिम्मेदारी कप्तान बाबर आजम सहित

पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को सुधारना और उन्हें स्थिरता प्रदान करना रहेगा। नये कोच की पहली परीक्षा आगामी इंग्लैंड दौरे पर होगी जहां पाकिस्तान टीम को तीन टेस्ट सीरीज खेलनी है।

गौरतलब है कि स्मिथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भले ही नहीं पहुंच पाये हों पर कोचिंग की दुनिया में उनका अनुभव काफी गहरा है। वह एक लेवल-4 योग्यता प्राप्त बल्लेबाजी कोच हैं और लीग क्रिकेट में बल्लेबाजों के साथ काम करने का उनका लंबा और सफल ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। स्मिथ ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की कई टीमों के साथ भी काम किया है, जिससे उन्हें पाकिस्तान के घरेलू खिलाड़ियों और वहां की खेल परिस्थितियों की गहरी समझ है। माना जा रहा है कि पीसीबी ने उनकी इसी स्थानीय समझ और कोचिंग विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुए कोच बनाया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीसीबी ने बल्लेबाजी कोच की तलाश के लिए सार्वजनिक रूप से आवेदन मांगे थे। कई उम्मीदवारों के साक्षात्कार के बाद बोर्ड ने माइक स्मिथ के नाम पर सहमति बनाई। औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद वह इंग्लैंड दौरे के दौरान टीम के साथ जुड़ेंगे। दरअसल, पिछले कुछ समय से पाकिस्तान की बल्लेबाजी लगातार सवालों के घेरे में है। टीम अच्छी शुरुआत मिलने के बावजूद बड़े स्कोर बनाने में नाकाम रही है और विशेष रूप से विदेशी दौरों पर बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। ऐसे में पीसीबी को उम्मीद है कि स्मिथ अपनी विशेषज्ञता से बल्लेबाजों की तकनीकी कमियों को दूर कर टीम को बल्लेबाजी में स्थिरता और निरंतरता प्रदान कर पाएंगे।

## जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए भारत में आठ मैच खेलेगी मलेशियाई हॉकी टीम

बेंगलुरु। आगामी जूनियर एशिया कप 2026 की तैयारियों के लिए मलेशियाई अंडर-21 पुरुष हॉकी टीम भारत दौरे पर है। इस दौरे में मलेशियाई टीम भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम और साई टीम से कुल आठ मुकाबले खेलेगी। ये सभी मैच साई नेताजी सुभाष सदर्न सेंटर में आयोजित किए जाएंगे। इस सीरीज दोनों देशों की टीमों को एशिया कप के साथ ही भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों, विशेष रूप से जूनियर एशिया कप, की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे का लक्ष्य खिलाड़ियों को उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव करना और भारत व मलेशिया के बीच मौजूदा खेल संबंधों को और बेहतर बनाना है। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच फेडरिक सोयेज ने कहा है कि इस सीरीज से टीम को काफी लाभ होगा। उनके अनुसार ये मुकाबले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने कहा, बेल्जियम दौरे के दौरान हमारे प्रदर्शन में निरंतर आया था, और अब मलेशिया के खिलाफ यह घरेलू सीरीज से टीम की तैयारी और बेहतर होगी। सोयेज ने साथ ही कहा, पिछले सप्ताह के गहन प्रशिक्षण शिविर में जिन रणनीतिक क्षेत्रों पर हमने काम किया है, उन्हें मैच हालातों में आंकने का अच्छा अवसर होगा, जिससे हमें अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों को समझने में सहायता मिलेगी। हाल ही में बेल्जियम दौरे से लौटी भारतीय जूनियर टीम ने वहां कई मजबूत अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर अच्छा खासा अनुभव हासिल किया है। अब मलेशिया के विरुद्ध आठ मैचों की इस सीरीज से टीम संयोजन, खेल रणनीति को अंतिम रूप देने और खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आंकलन करने में सहायता मिलेगी।

## नेमार क्लब फुटबॉल से भी लेंगे संन्यास? ब्राजीलियाई स्टार ने खुद दिया बड़ा अपडेट

**ग्लासगो (एजेंसी)।** ब्राजील¬ फुटबॉलर नेमार जूनियर ने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेकर अपने प्रशंसकों को चौंका दिया था। ब्राजील के फीफा विश्व कप 2026 से बाहर होने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा था। इसके बाद से ही फैंस के मन में सवाल था कि क्या नेमार क्लब फुटबॉल से भी संन्यास लेने वाले हैं। अब इस पर खुद नेमार ने बड़ा अपडेट दिया है।

### क्लब फुटबॉल से संन्यास पर क्या बोले नेमार?

सैंटोस एफसी के लिए खेलने वाले नेमार ने साफ किया कि फिलहाल उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी अपने भविष्य को लेकर कोई फैसला नहीं कर रहे हैं और दिसंबर तक सैंटोस के साथ अपना मौजूदा अनुबंध पूरा करना चाहते हैं।नेमार ने कहा, 'मैं अभी रिटायरमेंट के बारे में नहीं सोच रहा हूं।' हालांकि उन्होंने यह भी माना कि दिसंबर के बाद क्या होगा, इस पर अभी कुछ तय नहीं है। उन्होंने कहा, 'रुकूंगा, जाऊंगा, संन्यास लूंगा या खेलता रहूंगा... मुझे नहीं पता। दिसंबर तक अभी समय है, फिर देखेंगे।'

### फैंस के बीच बढ़ी अटकलें

नेमार के इस बयान के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। जहां उन्होंने संन्यास से साफ इनकार नहीं किया, वहीं यह भी नहीं बताया कि दिसंबर के बाद वह किस क्लब के लिए खेलेंगे या खेलना जारी रखेंगे। ऐसे में फैंस उनकी अगली घोषणा का इंतजार कर रहे हैं।

### चोटों ने करियर पर डाला असर

34 वर्षीय नेमार पिछले कुछ वर्षों में लगातार चोटों से जूझते रहे हैं। हाल ही में वह ग्रेड-2 पिंडली (ष्टड्डद्यद्घ) की चोट के कारण लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे। इसी चोट का असर उनके 2026 विश्व कप अभियान पर भी पड़ा था।

### वापसी के बाद बनाया खास रिकॉर्ड

चोट से वापसी करने के बाद नेमार ने ब्राजील के लिए चार गोल किए और राष्ट्रीय टीम के इतिहास में चार अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में गोल करने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए। जनवरी 2025 में सऊदी क्लब अल हिलाल छोड़ने के बाद वह अपने बचपन के क्लब सैंटोस एफसी से जुड़े और फिलहाल वहीं खेल रहे हैं। अब सभी की नजर इस बात पर है कि दिसंबर में अनुबंध समाप्त होने के बाद नेमार अपने करियर को आगे बढ़ाएंगे या क्लब फुटबॉल से भी संन्यास का ऐलान करेंगे।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा) — अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

## काकुरो पहेली - 3969

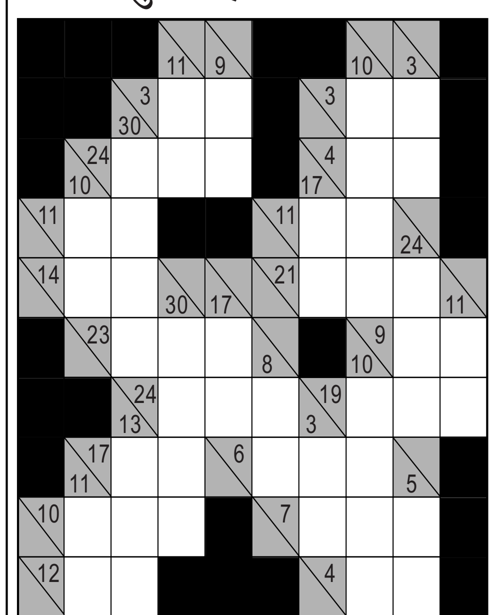

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

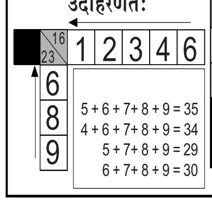

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

### काकुरो - 3968 का हल

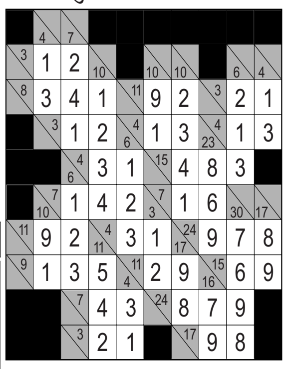

## लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)– तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)– दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

रमन–चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)– मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन– क्या वह मर गई?

रमन– नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल–बाल बच गई।

चमन– अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

रमन (मित्र से)– 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन– 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन– 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

## फिल्म वर्ग पहेली - 3969

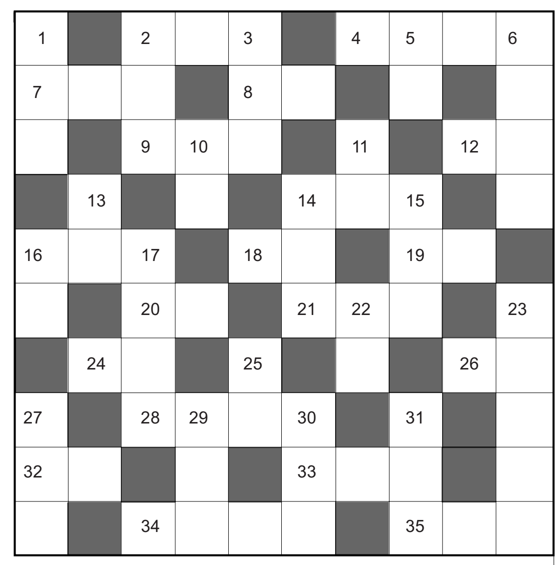

**ऊपर से नीचे:-**

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथनु, आयशा की फिल्म-३

**बायें से दायें:-**

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली - 3968

## सूडोकु -3969

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 4 | | | 9 | | | |
| | 2 | | | 8 | 4 | | | |
| 8 | | | | | | 3 | | |
| | | | | | | | 9 | 4 |
| | 3 | | | | | | 7 | |
| 5 | 6 | | | | | | | |
| | | 7 | | | | | | 9 |
| | | | 2 | 5 | | | 8 | |
| | | | 6 | | | 2 | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -3968 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | 1 | 2 | 8 | 4 | 3 | 6 | 7 |
| 6 | 4 | 2 | 3 | 5 | 7 | 9 | 1 | 8 |
| 8 | 3 | 7 | 9 | 6 | 1 | 4 | 2 | 5 |
| 4 | 7 | 5 | 8 | 2 | 6 | 1 | 9 | 3 |
| 3 | 6 | 9 | 7 | 1 | 5 | 8 | 4 | 2 |
| 1 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 7 | 5 | 6 |
| 7 | 5 | 6 | 1 | 9 | 8 | 2 | 3 | 4 |
| 9 | 8 | 3 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 1 |
| 2 | 1 | 4 | 6 | 7 | 3 | 5 | 8 | 9 |

## शब्द पहेली - 3969

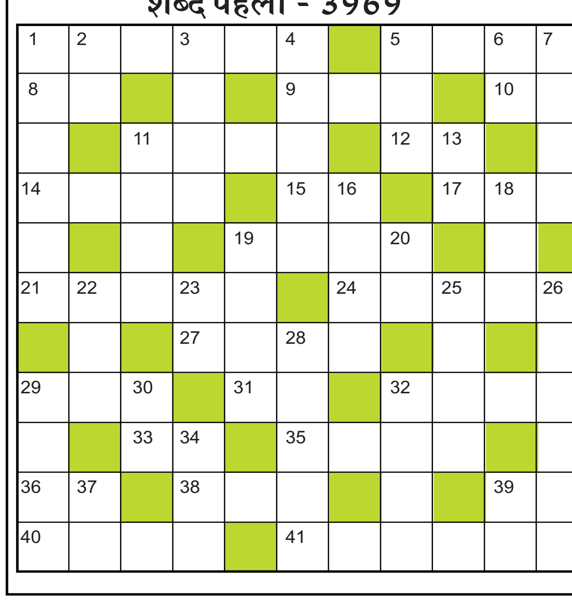

**बाएँ से दाएँ**

1.अत्यावश्यक-6
5.कारागार,जेल-4
8.पानी,नीर-2
9.मीन,मत्स्य-3
10.लक्ष्मी,कमला-2
11.कलाकार,फनकार-4
12.मर्द,मादा का विलोम-2
14.हसरत,मुराद-4
15.कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17.भूमि,धरती-3
19.मतवासा,मदहोश-4
21.फिल्मी दुनिया-3,3
24.दुर्भाग्यशाली-5
27.ठोकर लगना,भिड़ना-4
29.दौंडी पीटना-3
31.सांप,सर्प-2
32.दाल-4
33.हूर,अप्सरा-2
35.गाड़ी चलाने वाला-4
36.पिता का छोटा भाई-2
38.पुत्र,बेटा-3
39.टौंटी,नलका-2
40.ललचाना,तड़फाना-4
41.टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

**ऊपर से नीचे**

1.ईश्वर,अनश्वर-3,3
2.तेलहन-2
3.सुखद वस्तु, वर देना-4
4.करधनी,कमर पेटी-5
5.गलीचा-3
6.दिन-2
7.समस्या का हल-4
11.धरोहर,थाती-4
13.मिट्टी,धूल-2
16.चमकना-4
18.वायुसेना का एक विमान-3
19.इतराना-4
20.परत-2
22.जाप करना-3
23.किवाड़,द्वार-2
25.उदाहरणत:-4
26.परवरिश-3,3
28.राग छेड़ना-5
29.भेंट,मेल-मिलाप-4
30.दिया,दीपक-2
32.औषधालय, दवाखाना-4
34.खाली होना-3
37.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.नया,नवीन-2

### शब्द पहेली -3968 का हल

# हेल्थ प्लस

## बीमारियों से बचाते हैं एंटीऑक्सीडेंट्स

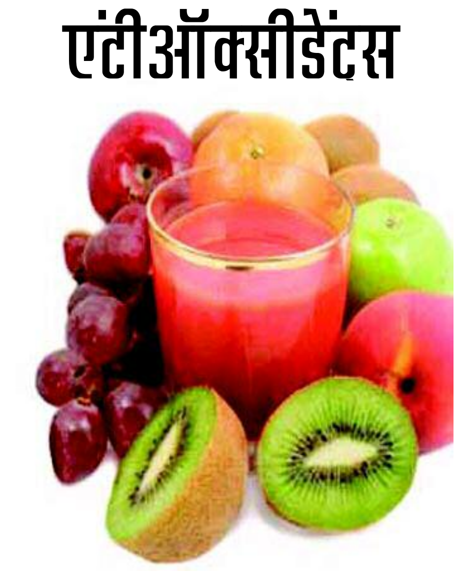

**एंटी**-ऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं।

एंटी ऑक्सीडेंट्स ऐसे तत्त्व हैं, जो कई प्रकार की बीमारियों से शरीर की रक्षा करते हैं। इनसे बुढ़ापे की प्रक्रिया धीमी होती हैं। ये विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन ई से मिलते हैं। यह फ्री रेडिकल्स से होने वाली क्षति से शरीर को बचाते हैं। ये हार्ट डिजीज से बचाव एवं सुरक्षा करते हैं, चाहे रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम या ज्यादा होती रहे। ये एलडीएल कोलेस्ट्रॉल की प्रक्रिया को उल्टा कर देते हैं। यह विटामिन कई प्रकार के होते हैं और फल एवं सब्जियां प्राकृतिक रूप से इनसे भरपूर हैं जिनका सेवन हम आराम से कर सकते हैं, जबकि दवाइयों में बहुत साइड इफेक्ट हैं।

**विटामिन-ए**

विटामिन ए दो प्रकार के होते हैं। पहला जो पशु और उसके पदार्थों से प्राप्त होता है जैसे मांस, दूध आदि जिसे रेटिनोल कहते हैं और दूसरे जो फल एवं सब्जी से प्राप्त होता है जिसे बीटा केरोटीन कहते हैं। यही बीटाकेरोटीन एंटी ऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं। रंगीन फल एवं सब्जियां इसका एक अच्छा स्त्रोत है, जैसे साग, धनिया, गोभी, गाजर, सीताफल, आम, पपीता एवं टमाटर, यह केरोटीन शरीर के अंदर विटामिन ए में बदल जाता है। यह पकाने या अल्ट्रा वायलट किरणों से भी खराब नहीं होता, किंतु इसका केवल 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा ही शरीर में रहता है। प्रतिदिन व्यक्ति को रेटिनोल 600 माइक्रोग्राम और बीटा केरीटीन 2400 माइक्रोग्राम की आवश्यकता होती है।

**विटामिन-सी**

विटामिन सी का सबसे बड़ा स्त्रोत आंवला है। यह नीबू , संतरा, मौसमी, स्ट्राबेरी, अमरूद, फूलगोभी और हरी पत्तेदार सब्जी जैसे साग में पाया जाता है।

**विटामिन-ई**

विटामिन ई भी एंटी ऑक्सीडेंट्स की तरह काम करता है। यह हमारे शरीर की रक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। यह व्हाइट ब्लड सेल्स को मजबूत करता है और हार्ट डिजीज से बचाता है। यह आटे, अंकुरित दालों और हरे साग में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है।

## खून की कमी

**आपको** थकान महसूस हो रही है तो हो सकता है खून की कमी हो या रक्त में कुछ तत्व कम हों। भोजन में लौह-तत्व, खनिज लवण की पूर्ति करें। पत्तेदार सब्जियां और फल खाएं। भारत में रक्ताल्पता अर्थात् खून की कमी के रोगी सर्वाधिक हैं। यह अनुपात पुरूषों की अपेक्षा स्त्रियों में अधिक देखने में आता है। शरीर में खून की मात्रा 4 से 6 लीटर होती है। जब खून में लाल रक्त कणिकाएं कम होने लगती हैं। इस रोग में रोगी का चेहरा पीला या काला, आंखें सफेद, शारीरिक कमजोरी, शीघ्रता से थकान, मानसिक अवसाद, स्नायु एवं स्मृति दौर्बल्य आदि लक्षण प्रकट होने लगते हैं। किसी भी प्रकार के रक्तालपता में कुछ प्रयास अत्यन्त लाभकारी हो सकते हैं।

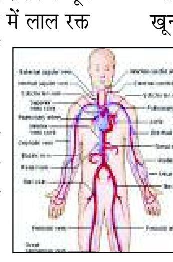

**आयरन की भरपाई**

इस रोग में खून में लौह तत्व की कमी आने लगती है। अत: अपने भोजन में लौह-तत्व की पूर्ति करने हेतु फलों में सेब, अंजीर, मुनक्का, अनार, पपीता व सब्जी में पालक, मेथी, गाजर, बथुआ, चुकंदर, खूबानी आदि को रात्रि में लोहे की कड़ाही में पानी के साथ 6 घंटे भिगोने के बाद प्रयोग करें, ऐसा करने से तेजी से खून में आयरन की मात्रा बढ़ेगी।

**जरूरी है विटामिन बी-12**

खून की कमी के दौरान शरीर को विटामिन बी-12 की सख्त आवश्यकता होती है, जो खून में लाल रक्त कणिकाओं को तेजी से बढ़ाता है। अनार, सेब, चुकंदर में पाए जाने वाला आयरन शरीर में पहुंचकर विटामिन बी-12 में बदल जाता है। यदि सुबह के समय पेट की मिट्टी पट्टी व एनिमा लेकर नीबू पानी व शहद के साथ फल व कच्ची सब्जियों का प्रयोग किया जाए, तो विटामिन बी-12 की पूर्ति होता है।

**खनिज लवण जरूरी**

खून की कमी के दौरान शरीर में खनिज लवणों की कमी आ जाती है जो कि शरीर को पानी द्वारा पूर्ति नहीं हो पाती है। यदि इस दौरान शरीर को जैतून तेल से धूप मालिश व धूप सर्वांग मिट्टी लेप दिया जाए तो शरीर इस प्रक्रिया द्वारा खनिज लवणों की मूर्ति कर खून को कोबाल्ट, मैग्नीशियम, कॉपर आदि की पूर्ति कर चेहरा एवं त्वचा को कांतिमय बनाता है।

**ऑक्सीजन हो पर्याप्त**

खून की कमी का एक मुख्य कारण शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम होना भी है। जब शरीर में ऑक्सीजन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहती है, तो ऑक्सीजन श्वेत रक्त कणिकाओं व प्लाज्मा के संयोजन द्वारा लौह तत्व की पूर्ति कर लाल रक्त कणिकाओं की संख्या बढ़ाता है। जब शरीर में ऑक्सीजन शुद्ध एवं भरपूर पहुंचता है, तो खून के सारे अवयव ठीक कार्य करते हैं। ऑक्सीजन की पूर्ति के लिए सुबह की खुली ताजा हवा में तेज गति से घूमना बेहद लाभकारी साबित हो सकता है। घूमने की प्रक्रिया के दौरान तेजी से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।

**अंकुरित भोजन**

भोजन में जीवंत खाद्य पदार्थ शामिल करें, जैसे अंकुरित अनाज, दाल, फल, सब्जी, सलाद आदि। जीवंत भोजन नई कोशिकाओं को पैदा कर ऊर्जा देता है, नई कोशिकाएं शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाकर खून की कमी को दूर करती हैं तथा साथ ही हरी दूब व गेहूं के जवारे का 50 से 60 मिग्रा. रस खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा को तेजी से बढ़ाता है, जिसे 'ग्रीन ब्लड' कहा जाता है। अब तक की धारणा थी कि मांसाहार खून की कमी को पूरा करता है। लेकिन, असल में ऐसा नहीं है। मांसाहार शरीर में हीम लौह की मात्रा के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी तेजी से बढ़ाता है, जो कि दिल का दौरा व उच्च रक्तचाप के लिए जिम्मेदार है। प्रकृति में पाया जाने वाला क्लोरोफिल, आयरन व विटामिन्स खून की कमी को सही तरीके से पूरा करते हैं।

## मां का भोजन

**ब्रिटिश** वैज्ञानिकों ने विस्तृत अध्ययन के बाद बताया कि गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार नहीं मिले तो उनके शिशुओं की आयु कम हो जाती है। शोधकर्ताओं ने चूहियों पर अध्ययन के बाद यह जानकारी दी। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के विज्ञानियों का कहना है कि अध्ययन के दौरान जिन चूहियों को पर्याप्त मात्रा में संतुलित भोजन दिया गया उनके बच्चे ज्यादा दिनों तक जीवित रहे, जबकि जिन्हें असंतुलित आहार दिया गया उनके बच्चों की मौत जल्दी हो गई। शोधकर्ताओं का कहना है कि चुहियों पर किया गया अध्ययन सीधे तौर पर महिलाओं पर लागू नहीं होता, लेकिन नेचर में छपी खबर के अनुसार जन्म के समय औसत से कम वजन वाले बच्चों को बढ़ती उम्र के साथ दिल की बीमारी के साथ-साथ दूसरे जानलेवा रोगों से पीड़ित होने का खतरा बना रहता है।

शोधकर्ता सुसान ओजानेने का कहना है कि अध्ययन से इस बात की पुष्टि हो गई है कि गर्भवती महिलाओं को समुचित मात्रा में प्रोटीनयुक्त आहार मिले, तो शिशु की आयु औसतन बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार नहीं मिलने पर भरूण का पर्याप्त विकास नहीं हो पाता। सुसान का कहना है कि शिशु के जन्म के बाद भी महिलाओं को प्रोटीनयुक्त भोजन नहीं मिलने पर शिशु की जिंदगी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है।


RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Front Page (Semi) | - | 50% | Island Position | - | 50% | Strip Advt. | - | 15% |
| Front Page (Solus) | - | 75% | Right Hand Page | - | 10% | Political Advt. | - | 50% |
| Back Page | - | 25% | Top of AD Column | - | 15% | Pull Outs | - | 50% |
| Page Three | - | 20% | Any Other Spl. Position | - | 10% | Discount as per deal | | |

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

# क्या इस क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल को डेट कर रही हैं मृणाल ठाकुर?

मुंबई के एक कैफे का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने दोनों के डेटिंग रूमर्स को हवा दे दी है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो बांद्रा वेस्ट के एक कैफे का है, जहां दोनों एक ही समय पर नजर आए। वीडियो में दिखता है कि यशस्वी कैफे से बाहर निकलते हैं, जबकि मृणाल अंदर ही मौजूद रहती हैं। हालांकि दोनों के बीच किसी भी तरह की रोमांटिक बातचीत या क्लोज मोमेंट वीडियो में नहीं दिखता, लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने कयास लगाने शुरू कर दिए। जैसे ही यह वीडियो वायरल हुआ, फैन पेजेस ने इसे 'डेटिंग' से जोड़कर शेयर करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह एक बड़ा टॉपिक बन गया। खास बात यह है कि इससे पहले दोनों को कभी साथ नहीं देखा गया था, इसलिए फैंस के लिए यह काफी सरप्राइजिंग था।

### क्या सच में डेट कर रहे हैं?

फिलहाल ऐसा कोई पक्का सबूत नहीं है कि मृणाल और यशस्वी रिलेशनशिप में हैं। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने भी लोगों से जल्दबाजी में नतीजा न निकालने की अपील की है। कुछ का मानना है कि दोनों किसी काम, शूट या प्रोफेशनल मीटिंग के लिए मिले हो सकते हैं। अब तक ना मृणाल और ना ही यशस्वी ने इन अफवाहों पर कोई बयान दिया है।

### उम्र का फर्क भी बना चर्चा का विषय

इस खबर के साथ दोनों की उम्र का अंतर भी चर्चा में आ गया। मृणाल ठाकुर 33 साल की हैं, जबकि यशस्वी जायसवाल 24 साल के हैं। यानी दोनों के बीच करीब 9 साल का अंतर है। सोशल मीडिया पर लोग इस पर भी अलग-अलग राय दे रहे हैं।

# सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं, असर छोड़ने वाले किरदार निभाना चाहती हूं

मुंबई बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, लेकिन पिछले तीन सालों में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है। क्रिमिनल जस्टिस और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में साबित किया है। बरखा का मानना है कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों पर गहरी छाप भी छोड़ें।

टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में वह पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा (ढ्ढक्रस्) अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में ढ्ढक्रस् अधिकारी का किरदार निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं। बरखा सिंह ने कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जिनकी अपनी मजबूत आवाज़ हो, जो आज के दौर की जटिलताओं को दिखाएं और दर्शकों को कुछ सोचने पर मजबूर करें।

अपनी विशलिस्ट के फिल्ममेकर्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी विशलिस्ट की बात करूं तो लापता लेडीज़ के बाद मैं किरण राव के साथ काम करना चाहूंगी। इसके अलावा राख जैसी शानदार स्टोरीटेलिंग के लिए प्रोसित रॉय और पाताल लोक में बेहतरीन काम करने वाले अविनाश अरुण के साथ काम करना भी मेरा सपना है। इन तीनों की कहानी कहने की शैली बेहद अलग और प्रेरणादायक है। बरखा सिंह जल्द ही टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक बिल्कुल नए और दमदार अंदाज़ में ढ्ढक्रस् अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। दिलचस्प प्रोजेक्ट्स और स्पष्ट रचनात्मक सोच के साथ बरखा लगातार ऐसे किरदार चुन रही हैं जो न सिर्फ उनकी अभिनय क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ें।

# 'मॉम' का बन रहा सीक्वल खुशी कपूर निभाएंगी लीड रोल

महान अभिनेत्री श्रीदेवी की फिल्म 'मॉम' 2017 में आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब करीब 9 साल बाद इसका सीक्वल बनने जा रहा है, जिसको लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। खुशी कपूर अब फिल्म 'मॉम 2' में लीड रोल निभाने जा रही हैं। यह 2017 की हिट फिल्म मॉम का सीक्वल है और इसे नवंबर 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। इस फिल्म को उनके पिता बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और इसकी शूटिंग नोएडा और ग्रीस में हुई है। फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'मॉम 2' का कनेक्शन श्रीदेवी के उस यादगार किरदार से जुड़ा होगा, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई थी। 'मॉम' श्रीदेवी की आखिरी फिल्म थी, ऐसे में यह प्रोजेक्ट खुशी कपूर के लिए काफी इमोशनल और खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अपनी मां की विरासत को आगे बढ़ाती नजर आएंगी।

# हार्डी संधू ने इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और बॉलीवुड में अपनी पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर हार्डी संधू न सिर्फ अपनी आवाज और एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने प्रोफेशनल व्यवहार के लिए भी फेमस हैं। उनके साथ काम करने वाले हर कलाकार अक्सर उनकी तारीफ करते नजर आते हैं। अब एक्ट्रेस रेवती महुरकर ने भी हार्डी के साथ अपने अनुभव को शेयर किया। रेवती ने बताया कि 'तेवर' म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के दौरान हार्डी ने उन्हें एक ऐसी सलाह दी, जिसे वो आज भी अपनी जिंदगी का हिस्सा मानती हैं। रेवती महुरकर ने बताया कि हार्डी संधू ने उन्हें इंडस्ट्री में टिके रहने का सबसे जरूरी मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ''शूट के बीच में हार्डी ने कहा, 'अपने काम को लेकर बहुत सोच-समझ कर फैसला लिया करो। 'हमेशा अच्छे कलाकारों और अच्छी टीम के साथ ही काम करना', इस एक सलाह ने मेरे काम चुनने का पूरा तरीका बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''हार्डी के साथ काम करने के बाद मुझे असल में समझ आया कि आप किन लोगों के साथ काम करते हैं, ये कितना मायने रखता है। अक्सर हम सिर्फ प्रोजेक्ट देखते हैं, लेकिन टीम और माहौल को इग्नोर कर देते हैं। हार्डी के साथ शूट पर मुझे महसूस हुआ कि एक अच्छा प्रोडक्शन कैसा होता है। उनके सेट पर हर चीज प्रोफेशनल थी। उनका प्रोडक्शन बहुत बड़े लेवल का था।'' रेवती ने टीम के व्यवहार की भी बात की। उन्होंने कहा, ''सबसे खास बात ये थी कि उनकी पूरी टीम ने मेरे साथ बहुत सम्मान से बात की। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं नई हूं। मुझे हर फैसले में बराबर की अहमियत मिली। शूट के दौरान हम अच्छे दोस्त बन गए और इसकी सबसे बड़ी वजह हार्डी हैं। वो दिल के बहुत अच्छे इंसान हैं। उनका दिमाग बहुत क्रिएटिव है और वो हर चीज को नए तरीके से सोचते हैं। उनके साथ बैठकर बात करना भी बहुत कुछ सिखाता है।''

रेवती ने हार्डी के व्यक्तित्व के बारे में आगे कहा, ''वह इंडस्ट्री की राजनीति से दूर रहते हैं। वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखते हैं। इसी वजह से 'तेवर' का फाइनल रिजल्ट आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। ये अब तक का मेरा सबसे पसंदीदा काम है। जब भी मैं वो वीडियो देखती हूं तो मुझे गर्व महसूस होता है।''

रेवती ने शूटिंग के आखिरी दिन की एक बहुत प्यारी याद भी साझा की। उन्होंने बताया कि शूट 48 घंटे तक लगातार चला था। इतनी लंबी शूट के बाद भी टीम में एक अलग ही एनर्जी थी।

अब बात करते हैं हार्डी संधू के आने वाले प्रोजेक्ट की। हार्डी जल्द ही पंजाबी फिल्म 'रांझेया' में लीड रोल में नजर आएंगे। ये फिल्म एक लव स्टोरी है। इस फिल्म में उनके साथ सिमरत कौर रंधावा और अंगद बेदी जैसे बड़े नाम भी शामिल हैं।

# अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान संग काम करने की ख्वाहिश हैं

आज जाने-माने निर्देशक बन चुके अहमद खान के करियर का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। चाइल्ड आर्टिस्ट से कोरियोग्राफर बने और फिर इंडस्ट्री के तमाम बड़े स्टार्स को नचाने वाले अहमद खान इन दिनों चर्चा में हैं निर्देशक के रूप में अपनी ताजा-तरीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से। इस फिल्म में एक साथ 30-35 बड़े कलाकारों को हैंडल करने वाले अहमद खान अब तक अपने करियर में तकरीबन सभी बड़े सितारों के साथ काम कर चुके हैं, मगर वो शेर है न- बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले, तो इसी तर्ज पर इस खास बातचीत में वह न केवल अपने करियर के सफर पर बात करते हैं, बल्कि ट्रेजिडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार, बादशाह खान और बिग बी से जुड़ी यादों को भी साझा करते हैं।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, 'बच्चन साहब के साथ कोरियोग्राफर के रूप में काम कर चुका हूं। मगर मुझे इंतजार है एक अच्छी स्क्रिप्ट का। वैसे बिग बी इन दिनों चुनिंदा काम ही कर रहे हैं। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि कई बार हमारी प्लानिंग किस्मत के आगे फेल हो जाती है। अब जैसे मैं अपने निर्देशन की शुरुआत शाहरुख खान के साथ 'सब्र' नामक फिल्म से करना चाहता था, मगर उसी दौर मैं शाहरुख खान अपने प्रोडक्शन की मैं हूं न लेकर आए। उस समय शाहरुख ने कहा था कि पहले वह अपनी फिल्म करेंगे और उसके बाद मेरी। लेकिन उनकी फिल्म में देरी होती रही और मुझे भी अपना काम शुरू करना था, इसलिए मैंने अपनी फिल्म शुरू कर दी।'

अपनी हालिया फिल्म में सितारों के मेले के साथ काम करने वाले अहमद ने कलाकारों से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्हीं के शब्दों में, 'देखिए, सबसे बड़ी बात यह थी कि सब मेरे दोस्त थे। किसी ने मुझे कोई तकलीफ नहीं दी। सबसे पहले अक्षय कुमार समय से पहले सेट पर आ जाते थे। हम सबको पता था कि कोई न कोई अगर गड़बड़ करेगा तो शूटिंग प्रभावित होगी। इसलिए हर कोई यही सोचता था कि कहीं गलती मुझसे न हो जाए। उसी वजह से काम बहुत अच्छे से हुआ। हमारे सेट पर जॉनी लीवर, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे धुरंधर कॉमेडियन भी थे, मगर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे सेट पर कोई भी कलाकार इनसिक्योर नहीं था। उल्टा सब एक-दूसरे से कहते थे, 'तू कर ले... तू कर ले। इसलिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई।'

# मैं प्रॉड्यूसर से पैकअप या पैसों के बारे में नहीं पूछता

**'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से घर-घर में लोगों का दिल जीत चुके राघव जुयाल इन दिनों 'भाई तेरा स्टार' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा- मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है, मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं और मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है।**

इसमें उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का तो पूरा हाथ है, मगर उनकी किस्मत भी कम चमकीली नहीं। हम बात कर रहे हैं, राघव जुयाल की। 'किंग ऑफ स्लो मोशन' के रूप में जाने जाने वाले राघव ने होस्टिंग भी कमाल की की और यही वजह है कि अभिनय का उनका मार्ग प्रशस्त हुआ। 'किल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में तारीफें बटोरने के बाद इन दिनों वे चर्चा में हैं सोलो हीरो वाली 'भाई तेरा स्टार' है। जल्द ही वे शाहरुख खान की 'किंग' में विलेनिश अंदाज में दिखेंगे। उनसे एक खास बातचीत।

'मेरे दादा केस्टो मुखर्जी की मिमिक्री किया करते थे'

हर आम माता-पिता की तरह राघव के परिवार ने भी उनकी मुखालफत की। वे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता को मजबूरी में वकील और टीचर बनना पड़ा। वरना थे तो वो भी कलाकार ही। कला हमारे परिवार में पहले से थी। मेरे दादा जी केस्टो मुखर्जी जैसे सीनियर कमीडियन की कॉमिडी किया करते थे, कविताएं लिखते थे, किताबें लिखते थे। वे लेखक थे। शायद अभिनय और कला का यह बीज वहीं से आया। मगर जब मैंने एक्टिंग में आने की बात की तो कोई भी राजी नहीं था। इसलिए मुझे अपने घोसले से उड़ना पड़ा।

### माता-पिता के लिए घर बनवा रहा हूं

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैं अपनी जनरेशन के लोअर मिडल क्लास कर्स (अभिशाप) कि आप ये नहीं कर सकते, वो नहीं कर सकते, को पूरी तरह से मिटा देना चाहता हूं, आगे की जनरेशन के लिए। कोई जब मुझसे कहता है कि अपनी औकात में रहो या तुमको काफी मिला गया है, तो मैं किसी की नहीं सुनना चाहता, क्योंकि मैंने अपने बाप-दादाओं को मेहनत की रोटी के लिए संघर्ष करते देखा है, तो मुझे ये अभिशाप हटाना है। ये छोटे शहर के लड़के की भावनाएं बोल रही हैं। मुझे वो सोच तोड़नी है कि लोग क्या कहेंगे? मेरे माता-पिता जिस सैलरी के चक्रव्यूह में फंसे रहे, मुझे उन्हें उससे निकालना है। मैं देहरादून में उनके लिए पांच मंजिला घर बनवा रहा हूं। मुझे उन्हें एयरप्लेन में फर्स्ट क्लास में ट्रैवल कराना है। उन्होंने मेरा 16 साल का संघर्ष देखा है। मैं हमेशा कहता था कि एक दिन मैं सिंगल हीरो वाली फिल्म करूंगा।

राघव का मानना है कि विवादों के बजाय उन्होंने हमेशा अपने काम पर ध्यान दिया है। वे कहते हैं, 'हमेशा मेरा काम बोला है। जब मैं डांसर था, तब बेस्ट था। जब होस्ट बना, तब भी मुझे सराहा गया। अब जब मैं एक्टिंग कर रहा हूं, तो तब भी बेस्ट ही बनूंगा। मैं सिर्फ अपने काम को बेहतर करने के लिए मेहनत करता हूं। मैं सुपरस्टार बनने की जर्नी में हूं। मैंने आज तक किसी प्रोड्यूसर से कभी नहीं पूछा कि पैकअप कब होगा, डेढ़ शिफ्ट होगी या दो? वैनिटी है या नहीं? मैंने तो कभी ये तक नहीं पूछा कि कितने पैसे मिलेंगे? मैं सिर्फ पूछता हूं कि शूटिंग पर कहां आना है? शायद यही वजह है कि प्रोड्यूसर भी मेरे साथ काम करना चाहते हैं।'

### पिछले 16 सालों से खुद को स्टार महसूस कर रहा हूं

वे बेहद आत्मविश्वास से कहते हैं, 'मैं स्टार वाला मोमेंट पिछले 16 सालों से ही फील कर रहा हूं। मैं जब मुंबई आया और मैंने डीआईडी (डांस इंडिया डांस) में भाग लिया, उस वक्त मेरा डांस देखने के लिए 15-20 हजार का क्राउड आया था, तो बड़ा स्टार मोमेंट था। मैं खुद को लगातार रीइंवेंट करता आया हूं। मेरे लिए अवॉर्ड मिलना भी एक बड़ा पल था। लेकिन सबसे ज्यादा खुशी तब होती है, जब लोग प्यार देते हैं।' अपने क्रेजी फैंस का जिक्र करते हुए वे कहते हैं, 'एक बार एक फैन मेरे नाम का टैटू बना कर आ गया था, तब मैंने उसे समझाया था कि वो ऐसा न करे। अरे, कई बार तो फनी इंसिडेंट भी हो जाते हैं। एक बार जब मैं एयरपोर्ट पर जा रहा था, तब एक फैन आकर बोला, वो डांस वाला स्लो मोशन करके दिखा दीजिए। मैंने उससे पूछा, आप क्या करते हो, तो वो बोला, मैं सर्जन हूं। मैंने उससे कहा, तो आप एक सर्जरी करके दिखा दीजिए।'

संक्षिप्त समाचार

## एआई बच्चों की कर रहा निगरानी, स्टार्टअप्स ला रहे स्मार्ट सर्विलांस सिस्टम

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** बच्चों की देखभाल के लिए इस्तेमाल होने वाले स्मार्ट बेबी मॉनिटर अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार किए जा रहे हैं। नैनिट, बेबीटेक समेत कई स्टार्टअप ऐसे सिस्टम विकसित कर रहे हैं, जो रात के दौरान बच्चे की नींद, सांस, करवट और गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हैं। कंपनियां भविष्य में एआई के जरिए बच्चों की दिनभर की गतिविधियों, विकास और व्यवहार का भी डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने की दिशा में काम कर रही हैं। यही वजह है कि विशेषज्ञ इसे बेबी सर्विलांस का नया दौर मान रहे हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दीवार पर लगा सफेद कैमरा बच्चों पर सीधा नजर रखता है। एचडी वीडियो ऐसे सर्वर पर भेजी जाती है, जहां मशीन-लर्निंग एल्गोरिद्म उसके हर हिलने-डुलने और उसकी आंखें खुलने-बंद होने के सटीक समय का रिकॉर्ड रखते हैं। इन आंकड़ों को चार्ट और विश्लेषण के रूप में तैयार करते हैं। इसमें सांस लेने से लेकर सोने में लगा समय, रात के माता-पिता की जरूरत कितनी बार पड़ी, ऐसी जानकारी रिकॉर्ड की जाती है। नैनिट का दावा है कि उसके 10 लाख सक्रिय उपयोगकर्ता हैं और सालाना आय 10 करोड़ डॉलर से अधिक है। उसका सबसे महंगा किट 474 डॉलर (करीब 45 हजार रुपये) का है। नैनिट ने निवेशकों से हाल में 5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं।

## ग्रीस में आग बुझाने गए 2 हेलिकॉप्टर हवा में टकराए; 2-2 लोग सवार थे

**एथेंस , एजेंसी।** ग्रीस की राजधानी एथेंस के पास जंगल की आग बुझाने के दौरान रविवार को 2 फायरफाइटिंग हेलिकॉप्टर हवा में टकरा गए। हादसा पोर्टो जर्मेनो इलाके में हुआ। टक्कर के बाद एक हेलिकॉप्टर जमीन पर गिर गया। फायर विभाग के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों में 2-2 लोग सवार थे। उनकी तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अभी तक उनके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। ग्रीस में तेज हवाओं के कारण जंगल की आग तेजी से फैल रही है। एथेंस के आसपास कई इलाकों में आग पहुंचने के बाद लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। तेज हवा के चलते हेलिकॉप्टरों को समुद्र से पानी भरने में दिक्कत आ रही है।

## अमेरिका में 80 वर्षीय अभिनेता विंसेंट पास्टर का शव बरामद

**वाशिंगटन, एजेंसी।** द सोप्रानोस में सल्वाटोर बोनपेन्सिएरो की भूमिका के लिए प्रसिद्ध अभिनेता विंसेंट पास्टर का निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। उनके मैनेजर बॉब मैकगोवन ने बताया कि पास्टर न्यूयॉर्क के सिटी आइलैंड स्थित अपने घर में मृत पाए गए। पास्टर ने 1980 के दशक से फिल्मों में अभिनय शुरू किया था। उन्होंने 1990 की गुडफेलस और अवेकनिंग्स जैसी बड़ी फिल्मों में काम किया। वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी नौसेना में सेवा देने वाले पास्टर अपने दयालु और मददगार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। उनके परिवार में उनकी बेटी रेनी पास्टर है।

## यूएई में इस साल पहली बार 50 डिग्री तक पहुंचा तापमान

**अबू धाबी , एजेंसी।** संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इस साल पहली बार तापमान 50 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। राष्ट्रीय मौसम केंद्र (एनसीएम) के अनुसार, रविवार को देश के एक आंतरिक क्षेत्र में पारा 50 डिग्री तक पहुंच गया। यह इस वर्ष का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि गर्मियों का चरम दौर अब धीरे-धीरे समाप्ति की ओर है, लेकिन फिलहाल लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अगस्त के दौरान तापमान में धीरे-धीरे गिरावट शुरू हो सकती है, लेकिन तेज धूप, गर्म हवाएं और उमस का असर कई सप्ताह तक बना रहेगा। यूएई में आमतौर पर अक्तूबर के मध्य से मौसम में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिलता है। तब तक दिन के समय अत्यधिक गर्मी लोगों की परेशानी बढ़ाती रहेगी। भारतीय मानसून का लो-प्रेशर सिस्टम उत्तर भारत और पाकिस्तान से पश्चिम की ओर बढ़कर अरब प्रायद्वीप तक पहुंच रहा है, जिससे गर्म हवा का प्रवाह तेज हो गया है। अरब प्रायद्वीप पर बने थर्मल लो प्रेशर तापमान लगातार बढ़ा रहा है। रुब-अल-खाली रेगिस्तान से आने वाली अत्यधिक गर्म हवाएं तापमान को और ऊपर ले जा रही हैं।

# पाकिस्तान में पुलिस को निशाना बनाकर बड़ा फिदायीन हमला, पांच सुरक्षाकर्मियों समेत 15 की गई जान

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान का उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा एक बार फिर भीषण आतंकी हमले से दहल उठा है। रविवार, 2 अगस्त को स्वात जिले के काबल टाउन में आयोजित एक शांति मार्च के दौरान संदिग्ध आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ा लिया। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 12 अन्य लोग जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं।

**पुलिस स्टेशन के पास हुआ धमाका :** यह विस्फोट उस समय हुआ जब स्थानीय लोगों और स्वात अमन जिरगा नामक स्थानीय परिषद द्वारा आयोजित अमन पासून शांति रैली निकाली जा रही थी। पिछले कुछ समय से इलाके में बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ते उग्रवाद के खिलाफ सैकड़ों लोग सड़कों पर उतरे थे। प्रदर्शनकारी शांति की अपील के साथ हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर मार्च निकाल रहे थे, तभी काबल पुलिस स्टेशन के पास यह धमाका हुआ।

**सुरक्षाबलों और नागरिकों को बनाया निशाना :** क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी मलकंद द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, इस भीषण हमले में 5 पुलिसकर्मियों और 10 आम नागरिकों की जान चली गई है। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि पूरा इलाका धुएं और चीख-पुकार से भर गया। शुरुआती जांच में यह एक फिदायीन यानी आत्मघाती हमला प्रतीत हो रहा है, जिसका मुख्य लक्ष्य वहां तैनात पुलिसबल और सुरक्षा घेरा था।

**अस्पतालों में हाई अलर्ट :** धमाके की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल 12 लोगों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने घटनास्थल की घेराबंदी कर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए हैं। अभी तक किसी भी आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इस घटना ने पूरे क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल पैदा कर दिया है।

**जनता का फुटा गुस्सा :** स्वात घाटी में पिछले कुछ महीनों से हिंसा की घटनाओं में इजाफा हुआ है, जिससे स्थानीय लोग पहले से ही डरे हुए थे। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन शांति की मांग कर रहे निहत्थे नागरिकों पर हुए इस हमले ने सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

**लोग आतंकवाद के खिलाफ रैली निकाल रहे थे :** धमाके से पहले रविवार को कई लोग आतंकवाद के खिलाफ शांति रैली निकाल जा रहे थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने स्वात में बढ़ रही आतंकवादी घटनाओं की निंदा की। डॉन के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनके आंदोलन का एक ही मकसद है, इलाके में शांति लौटाना और आतंकवाद का खात्मा करना। उन्होंने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है। अगर असुरक्षा का माहौल जारी रहा तो लोगों में बड़ा जनआक्रोश पैदा हो सकता है। प्रदर्शन में शामिल प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करता है, जबकि स्वात के पहाड़ी इलाकों में आतंकवादी खुलेआम सक्रिय हैं।

**पाक राष्ट्रपति जरदारी ने जांच के आदेश दिए :** पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमाके में लोगों की मौत पर दुख जताया। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक, उन्होंने पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने धमाके की निंदा की खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने घटना की निंदा करते हुए पुलिस महानिरीक्षक से रिपोर्ट की मांग की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, शांति के दुश्मनों को उनके नापाक इरादों में कभी कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

वहीं, खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने भी धमाके की निंदा करते हुए मृतकों के प्रति शोक जताया। उन्होंने कहा, 'आतंकी कायराना हमलों से देश का मनोबल नहीं तोड़ सकते।'

**जुलाई में आतंकी हमलों में 154 मौतें हुई :** पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में बढ़ोतरी देखने को मिली है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की मासिक सुरक्षा रिपोर्ट के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादी गतिविधियों में तेजी आई है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में कई जिलों में आतंकवाद से जुड़ी 154 मौतें दर्ज की गई, जबकि जून में यह संख्या 75 थी। यानी एक महीने में 105 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

# ट्रंप के हमले कैंसिल करने के बाद ईरानी मीडिया ने किया ट्रोल, कहा- 'फूल की हवा निकल गई'

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के खिलाफ संभावित मिलिट्री हमलों पर कुछ समय के लिए रोक लगाने की घोषणा के बाद ईरानी मीडिया आउटलेट्स ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तीखी आलोचना और मजाक उड़ाया. ट्रंप ने एक ट्रुथ सोशल पोस्ट में दावा किया कि यह फैसला रीजनल एक्टर्स की रिक्वेस्ट के बाद लिया गया है, जिसमें कहा गया है, ईरान और दूसरे मिडिल ईस्टर्न देशों ने हमसे अभी-अभी कहा है कि हम कोई भी हमला न करें क्योंकि डील के पैरामीटर्स पर सहमति हो गई है. उन्होंने आगे कहा कि इस समझौते में होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत, पूरी तरह से और पूरी तरह से खोलना शामिल होगा.' हालांकि, ईरान की सरकारी मीडिया ने मिलिट्री ऑपरेशन रोकने की किसी रिक्वेस्ट की पुष्टि करने वाली या होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तेहरान के रुख में किसी बदलाव का संकेत देने वाली कोई रिपोर्ट नहीं दी. इसके बजाय ईरानी न्यूज एजेंसियों ने इस डेवलपमेंट को वॉशिंगटन की वापसी के तौर पर दिखाया. सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी फार्स ने इस डेवलपमेंट पर रिपोर्ट करते हुए पोस्ट किया, 'ट्रंप द फूल का दम निकल गया है!' इसके साथ ही सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी मेहर ने इस बात को खारिज कर दिया कि तेहरान ने हमले रोकने की मांग की थी, और बताया कि ट्रंप एक बार फिर अपनी खोखली धमकियों से पीछे हट गए और दुनिया के सामने अपने पीछे हटने को एक एहसान के तौर पर पेश किया. मिलिट्री अधिकारियों का हवाला देते हुए मेहर ने ट्रंप के बयान को एक नया झूठ बताया और कहा कि ईरानी सेना हाई अलर्ट पर है और किसी भी हालात के लिए तैयार है. ईरानी आउटलेट्स ने वेस्टर्न मीडिया की उन रिपोर्टों की ओर भी इशारा किया जिनमें अमेरिकी एयर डिफेंस मिसाइल स्टॉक में बढ़ती कमी को हाईलाइट किया गया था, जिसमें सेमी-ऑफिशियल न्यूज एजेंसी तस्नीम ने इस कमी को ईरान पर हमला रोकने के डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के पीछे मुख्य वजहों में से एक बताया. तेहरान के विरोध के बावजूद सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस के साथ बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ जाने के लिए पूरी तरह तैयार है. साथ ही उन्होंने दोहराया कि ईरान और दूसरे मिडिल ईस्ट देशों ने हमसे अभी-अभी किसी भी हमले को रोकने के लिए कहा है. यह डिप्लोमैटिक बातचीत पांच महीने से ज़्यादा समय तक चली मिलिट्री बातचीत के बाद हुई है, जो 28 फरवरी को शुरू हुई थी, जब अमेरिका और इजराइली सेना ने तेहरान पर हमले शुरू किए थे, और इसका कोई साफ हल नहीं दिख रहा था. पहले का सीजफायर फ्रेमवर्क, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना भी शामिल था, टूट गया. इससे ईरान ने हाल के हफ्तों में दोनों देशों के बीच हमले फिर से शुरू होने पर इस जरूरी समुद्री रास्ते पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली. फार्स ने ईरानी बातचीत करने वालों के एक करीबी सोर्स के हवाले से बताया कि होर्मुज स्ट्रेट तब तक बंद रहेगा।

# ओमान तट पर मालवाहक जहाज पर अज्ञात हमला : जांच शुरू

लंदन । यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने घोषणा की कि ओमान के अल-खसाब से करीब 20 समुद्री मील उत्तर-पूर्व में एक मालवाहक जहाज अज्ञात प्रोजेक्टाइल से टकरा गया। यूकेएमटीओ को संकट कॉल के माध्यम से घटना की सूचना मिली थी, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी है। यह हमला तब हुआ है जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान के साथ चल रही वार्ताओं पर की गई टिप्पणियों के ठीक बाद। ट्रम्प ने कहा था कि उन्होंने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर के राजनयिक हस्तक्षेप के बाद ईरान के खिलाफ नियोजित सैन्य हमले को टाल दिया था। राष्ट्रपति ट्रम्प ने वार्ताओं का जिक्र कर ईरान के लिए आखिरी मौका बताया था ताकि वे एक अच्छा दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर सकें। उन्होंने दावा किया कि बातचीत ईरान के अनुरोध पर हो रही थी और दोहराया कि तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना वाशिंगटन का प्राथमिक उद्देश्य बना हुआ है। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के संबंध में चल रही चर्चाओं का भी उल्लेख किया था। हालांकि, उनकी टिप्पणियों के तुरंत बाद, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने अमेरिका के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष वार्ताओं की रिपोर्टों को सिरे से खारिज किया। बघेई ने स्पष्ट किया कि तेहरान वाशिंगटन के साथ किसी भी द्विपक्षीय वार्ता में शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से एक नए समुद्री यातायात मार्ग पर बनी समझ केवल सुरक्षित जहाज आवाजाही के लिए एक तकनीकी व्यवस्था थी, न कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग को फिर से खोलने का संकेत। मालवाहक जहाज पर हुए कथित हमले ने क्षेत्रीय सुरक्षा और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य में नौपरिवहन पर चल रहे राजनयिक प्रयासों के बीच एक नई जटिलता पैदा कर दी है।

# होर्मुज़ पर अमेरिका के साथ कोई सीधी बातचीत नहीं, ओमान से बातचीत प्रगति पर

**-ट्रंप का दावा- ईरानी नेता निजी और गुप्त रूप से बातचीत करने के इच्छुक हैं**

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरानी नेता निजी और गुप्त रूप से बातचीत करने के इच्छुक दिखते हैं, लेकिन खुले तौरा पर बातचीत करने को तैयार नहीं हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान बहुत ज्यादा दोहरा चरित्र वाला रवैया अपना रहा है। वहीं, ईरान अमेरिका के साथ सीधी बातचीत करने से सख्ती से इनकार कर रहा है और कहा है, हम ट्रंप से किसी तरह की बात नहीं करेंगे। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप पर ईरान के साथ युद्ध को लेकर अमेरिका में ही बड़े आरोप लग रहे हैं और विरोध हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने कहा कि होर्मुज़ को लेकर ओमान के साथ बातचीत में प्रगति हो रही है, साथ ही, कतर और पाकिस्तान समेत क्षेत्रीय मध्यस्थ पर्दे के पीछे सक्रिय हैं, जो यह संकेत देता है कि सैन्य तनाव के बावजूद राजनयिक रास्ते अभी भी खुले हैं। सोमवार को ईरान के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि ओमान के साथ बातचीत जहाजों के लिए एक अस्थायी रास्ता बनाने पर केंद्रित है, जिसमें जलमार्ग में ईरानी और ओमानी दोनों रास्तों को मिला दिया जाएगा, जब तक कि इस पर कोई स्थायी समझौता नहीं हो जाता। जलमार्ग से एक ही, भले ही अस्थायी, रास्ता बनाना ईरान और अमेरिका के बीच विश्वास बनाने की दिशा में पहला कदम हो सकता है, लेकिन ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस समय होर्मुज़ को लेकर अमेरिका के साथ कोई सीधी बातचीत नहीं हो रही है।

ईरान ने ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारी सैन्य प्रतिरोधक क्षमता बरकरार है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने घोषणा की है कि वह किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए तैयार है, जबकि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि अमेरिकी सेना होर्मुज़ में वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के मिलिट्री एडवाइज़र मोहसेन रेज़ाई ने ईरानी बंदरगाहों पर जारी नौसैनिक नाकेबंदी को लेकर अमेरिका को चेतावनी दी है। रेज़ाई ने एक्स पर लिखा कि अगर नाकेबंदी जारी रही, तो अमेरिकी जहाजों और सेना को गंभीर खतरों और नुकसान का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका को अपना व्यवहार बदलना होगा, वरना हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम होर्मुज में दूसरा कॉरिडोर खोलने की इजाज़त कभी नहीं देंगे।

वहीं अमेरिकी सीनेट में माइनॉरिटी लीडर चक शूमर ने ईरान के साथ युद्ध को लेकर ट्रंप की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि ट्रंप तेल उद्योग से जुड़े अपने कैंपेन डोनर्स को फायदा पहुंचा रहे हैं, जबकि आम नागरिकों को ऊर्जा की बढ़ती कीमतों का सामना करना पड़ रहा है। शूमर ने एक्स पर लिखा- ईरान में ट्रंप का गैर-कानूनी युद्ध उनके बिग ऑयल वाले दोस्तों के लिए एक तोहफा है, जिन्होंने मुनाफा कमाने के वादे के साथ उनके कैंपेन को फंड किया था। पता चला कि यह वही वादा है जिसे उन्होंने असल में पूरा किया। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब का कहना है कि यह गठबंधन बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य, लाल सागर और अदन की खाड़ी में समुद्री आवाजाही, वैश्विक व्यापार और ऊर्जा शिपमेंट को सुरक्षित करेगा। रियाद में 43 देशों और ईयू की बैठक के बाद गुरुवार को इसने अपनी योजनाओं का खुलासा किया। इसने कहा कि तुर्की, पाकिस्तान, मिस्र, सूडान और जिबूती समेत 14 देशों ने प्रस्तावित गठबंधन का समर्थन किया है। खाड़ी के छह अरब देशों में से ओमान और यूएई का नाम गठबंधन का समर्थन करने वालों में शामिल नहीं था।

# चीन की हरकतों से परेशान थाईलैंड को भाया भारत का ब्रह्मास्त्र, ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने की तैयारी में जुटा बैंकॉक

**बैंकॉक, एजेंसी।** भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस दुनिया भर में अपनी धाक जमाती जा रही है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से दक्षिण एशियाई और मिडिल ईस्ट के देश इसे खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, दक्षिण एशियाई देश फिलीपींस के बाद अब थाईलैंड भी इस खतरनाक मिसाइल को खरीदने की तैयारी में है। समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने और अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए थाईलैंड अब ब्रह्मोस खरीदने में रुचि दिखा रहा है। इस मिसाइल के थाइलैंड की नौसेना शामिल हो जाने के बाद ?समुद्र में उसकी ताकत में इजाफा होगा। मिसाइल में जबरदस्त रफ्तार के साथ सटीक निशाना लगाने की क्षमता है। इससे समुद्र में थाईलैंड की नौसेना और ताकतवर हो जाएगी और वह अपने व्यापारिक रास्तों के साथ-साथ समुद्री इलाकों को भी बेहतर तरीके से सुरक्षित कर पाएगा। बेहद खास है थाईलैंड का यह कदम थाईलैंड हमेशा से किसी एक देश पर पूरी तरह से निर्भर नहीं रहने की नीति पर रहा है। हाल के वर्षों में अमेरिका-चीन में चल रहे तनाव को देखते हुए थाईलैंड, भारत की सहायता से अपनी रक्षात्मक स्थिति को और मजबूत करना चाहता है। चीन के साथ थाईलैंड के व्यापारिक और आर्थिक संबंध अच्छे रहे हैं। पहले वो चीन से हथियार भी खरीद चुका है, लेकिन दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती दादागीरी और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए वो अत्याधुनिक तकनीक के लिए भारत जैसे अन्य विकल्पों को रक्षा साझेदार बना रहा है। चीन द्वारा दक्षिण चीन सागर में दावा करने के बाद दक्षिण एशियाई देश भारत जैसे मजबूत और विश्वस्त साझेदार बना रहे हैं। इंडोनेशिया दौरे में भी हुआ था समझौता पीएम मोदी के पिछले महीने इंडोनेशिया यात्रा के दौरान दोनों देशों में ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और एयर-टू-एयर मिसाइल सहयोग समझौता हुआ था। इसके अलावा समुद्री क्षेत्र में तटीय निगरानी, प्रदूषण नियंत्रण और खोज एवं बचाव जैसे कई अहम क्षेत्रों में भी पूरी सहमति बनी। दोनों देशों ने मानवीय सहायता एवं आपदा राहत के लिए एक साथ मिलकर काम करने का बड़ा फैसला किया था।

# पाकिस्तानी घुसपैठियों को बाहर करो, नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग; सड़कों पर उतरे लोग

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग तेज हो रही है। यह मुद्दा केवल संगठनों और प्रदर्शनों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आम लोग अपने जनप्रतिनिधियों से भी सीधे जवाब मांग रहे हैं। प्रभावित क्षेत्रों में सांसदों का घेराव कर उनसे हिन्दू समुदाय की सुरक्षा और अधिकारों के पक्ष में खुलकर बोलने की मांग की जा रही है।

**सांसद के सामने विरोध :** सिरहा जिले में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद बबलू गुप्ता को लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि उन्होंने परिवर्तन और नेपाल को पुनः हिन्दू राष्ट्र बनाने की उम्मीद के साथ अपने जनप्रतिनिधियों का समर्थन किया था, लेकिन अब उनकी अपेक्षाओं की अनदेखी की जा रही है।

**ठंडी हुई सांप्रदायिक हिंसा की आंच :** नेपाल में 26 जुलाई की रात से शुरू हुई हिंसा की आंच अब मंद पड़ चुकी है। कई जिलों में बने तनाव के हालात अब काबू में हैं। हालांकि, इस घटना के बाद अब हिंदूवादी संगठनों ने सरकार को 15 सूत्री मांगपत्र सौंपते हुए नेपाल को पुनः हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने समेत कई बड़े फैसले लेने की मांग की है। मांगपत्र में सुनसरी जिले के देवानगंज में हुई हिंसा की निष्पक्ष जांच, घटना के दोषियों एवं साजिशकर्ताओं की शीघ्र गिरफ्तारी तथा जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की गई है। साथ ही गोली चलाने का आदेश देने वाले अधिकारियों की पहचान उजागर कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की भी मांग रखी गई है। प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा व्यवस्था में हुई चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। मांगपत्र में घटना में जान गंवाने वाले लोगों को शहीद का दर्जा देने, उनके परिजनों को उचित मुआवजा उपलब्ध कराने तथा घायलों का निशुल्क और प्रभावी इलाज सुनिश्चित करने की भी मांगें शामिल हैं। साथ ही नेपाल को बौद्ध एवं किरात परंपराओं के सम्मान के साथ 'वैदिक सनातन हिंदू राष्ट्र' के रूप में पुनःस्थापित करने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की मांग की गई है। संगठनों ने रोहिंग्या, बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें निष्कासित करने, सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने तथा वर्ष 1990 के बाद जारी नेपाली नागरिकताओं की जांच कराने की मांग भी उठाई है।

**क्या बोले पीएम बालेन शाह :** पीएम बालेन शाह का कहना है कि हिंदू राष्ट्र की बहाली के साथ राजशाही का मुद्दा भी जुड़ता है। ऐसे में वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऐसा कोई भी फैसला लेना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सरकार फेडरल व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है और मजबूती से इसका पालन करेगी। उनका कहना है कि हिंदू राष्ट्र घोषित कर देने से संघीय व्यवस्था कमजोर हो जाएगी।

# पाकिस्तान में बस दुर्घटना, 13 लोग घायल और बुनियादी ढांचे पर सवाल

**इस्लामाबाद , एजेंसी।** पाकिस्तान भर में लगातार बुनियादी ढांचे की खामियों, नागरिक कुप्रबंधन और बढ़ते सार्वजनिक सुरक्षा जोखिमों को उजागर करते हुए, सरगोधा में सड़क दुर्घटनाओं, ढांचागत विफलताओं और शहरी बाढ़ की घटनाओं की एक श्रृंखला देखी गई है, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है।

**बहेरा के पास एम2 मोटरवे पर भीषण बस दुर्घटना :** बहेरा इंटरचेंज के पास एम2 मोटरवे पर एक बड़ी सड़क दुर्घटना में, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस ने नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे टायर बदलने के लिए खड़ी एक वाहन से टकरा गई, जिससे यात्री बस पलट गई।

शनिवार को 13 लोगों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें राईस, मुख्तार, मुहम्मद सामी, फैजान इजाज, अली वारिस, कमर जुल्फिकार, महमूद हसन, तसावुर इजाज, नदीम, जहीर अहमद, उस्मान अली, शोएब और मुहम्मद इक़बाल शामिल हैं, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है। रेस्क्यू 1122 के कर्मियों ने पांच गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को स्वास्थ्य सुविधा में ले जाने से पहले प्रारंभिक आपातकालीन देखभाल प्रदान की, जबकि स्थानीय अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है।

**सरगोधा में बुनियादी ढांचे की विफलताएं :** सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में गंभीर प्रशासनिक चूक और भ्रष्ट आचरण को उजागर करते हुए, सरगोधा के उपायुक्त ने शहर के बाजार सौंदर्यीकरण अभियान में घटिया सामग्री और त्रुटिपूर्ण निष्पादन के संबंध में गंभीर चिंता जताई, जहां मानसून की बारिश के बाद नव-बिछाई गई फुटपाथ ढह गई और तूफान के पानी से दुकानों के बेसमेंट में बाढ़ आ गई। डॉन के अनुसार, उपायुक्त कार्यालय के आधिकारिक प्रतिनिधियों ने दावा किया कि कदाचार के संबंध में कोई ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और गुणवत्ता मानकों को लागू करने के लिए शहरी नियोजन में संरचनात्मक दोषों को दूर करने का वचन दिया।

**बाढ़ और आवास सुरक्षा चिंताएं :** इस बीच, सरगोधा डिवीजन के आयुक्त हाफिज शौकत अली, नगरपालिका, राजमार्ग और जल स्वच्छता नेतृत्व सहित क्षेत्रीय प्रशासकों ने विभिन्न नगरपालिका स्थलों का निरीक्षण किया, जीर्ण-शीर्ण सड़क नेटवर्क, विफल जल निकासी बुनियादी ढांचे और उपेक्षित नागरिक उपयोगिताओं की समीक्षा की।

आयुक्त ने सिल्लवाली डिस्पोजल स्टेशन, ईदगाह डिस्पोजल स्टेशन, सिटी रोड और शहीन चौक में चल रही विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया, फील्ड अधिकारियों को टिकाऊ सामग्री का उपयोग करके कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए, जबकि भारी वर्षा के दौरान शहरी पक्षाघात को रोकने के लिए जल प्रबंधन एजेंसियों को चालू डिस्पोजल पंप बनाए रखने का निर्देश दिया।

आवास सुरक्षा कमजोरियों को उजागर करने वाली एक अन्य घटना में, मुरादाबाद कॉलोनी गली 12 में अपने आवास की छत गिरने से 18 वर्षीय समीन अशरफ और 20 वर्षीय फरवा अशरफ गंभीर रूप से घायल हो गए, जो भारी बारिश के बाद आधी रात को ढह गई। पारंपरिक टीआर गर्डर से निर्मित संरचना अचानक ढह गई, जिससे दोनों पीड़ित भारी मलबे के नीचे दब गए, इससे पहले कि उन्हें निकाला गया और एक निजी चिकित्सा केंद्र ले जाया गया।

बढ़ती जलवायु भेद्यता और कमजोर आपदा निवारण उपायों को और इंगित करते हुए, चेनाब और झेलम नदियों के बढ़ते जल स्तर ने आसपास के किनारों पर बाढ़ ला दी, जिससे कृषि भूमि नष्ट हो गई और ग्रामीण आबादी को खतरा पैदा हो गया, जैसा कि डॉन ने रिपोर्ट किया है।

आपातकालीन टीमों ने लगभग तीन दर्जन निवासियों को जलमग्न क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर सुरक्षित निकाला, जबकि स्थानीय अधिकारियों ने दावा किया कि अंतर-एजेंसी तत्परता को बढ़ावा देने के लिए पहले मॉक बाढ़ अभ्यास आयोजित किए गए थे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )